खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 03 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-300

भारत ने जीता महिला क्रिकेट विश्वकप का खिताब

नारी शक्ति ने विश्व फलक पर लहराया परचम

मुंबई, 02 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। यह पहला मौका है जब भारत ने महिला विश्व कप में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। आईसीसी के चेयरमेन जयशाह और महिला क्रिकेट की प्रसिद्ध खिलाड़ी मिताली राज के हाथों विश्वकप विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को ट्रॉफी प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया

ऐतिहासिक जीत पर महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबले में भारत की महिला खिलाड़ियों ने विश्व फलक पर

भारत का परचम लहराया। टॉस हारकर पहली बाज़ी खेलने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 298 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने 25 साल बाद नया महिला विश्व कप चैंपियन का

यह जीत भारत के लिए गर्व और प्रेरणा का संदेश है : मोदी

ताज हासिल किया। दीप्ति शर्मा को बेस्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। दीप्ति शर्मा ने 58 रन की पारी खेली और उन्होंने पांच महत्वपूर्ण विकेट लिए। शेफाली वर्मा को वुमेन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जिसने 87 रन की शानदार पारी खेली और दो विकेट भी लिए। स्मृति मंधाना ने 45 रन बनाए। ऋचा घोष ने 24 गेंद में 34 रन की तूफानी पारी खेली। जेमिमा रोड्रिग्स ने 24 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 20 रन बनाए। अमनजोत कौर ने 12 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में बड़ा स्कोर नहीं बना सकीं, लेकिन दीप्ति ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तान वाल्वार्डट को कैच कराया, जिन्होंने 101 रन की पारी खेली और इस फाइनल में निर्णायक भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा, महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का फाइनल में प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा रहा। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम दक्षता और दृढ़ता दिखाई। खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई।

▶10पर

पीएम मोदी का राहुल गांधी और महागठबंधन पर तीखा वार

पदयात्रा ने युवराज को ही पैदल कर दिया

नवादा/पटना, 02 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने अभियान की शुरुआत करते हुए रविवार को नवादा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राजद-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा प्रहार किया और राज्य के विकास, सुशासन तथा छोटे किसानों के सशक्तिकरण के लिए एनडीए सरकार की नीतियों को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार के युवाओं का उत्साह इस बात का संकेत है कि जनता फिर एक बार एनडीए सरकार चाहती है। उन्होंने कहा, भीड़ की ऊर्जा बिहार के लोगों के विश्वास को दर्शाती है कि विकास का रास्ता सिर्फ एनडीए ही दिखा सकता है।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस दोनों ही वंशवाद में डूबी हुई पार्टियाँ हैं। उन्होंने व्यंग्य

राजद का जंगलराज अपराध और भ्रष्टाचार का प्रतीक

करते हुए कहा, एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है, तो दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार। अब जंगलराज के युवराज को लग रहा है कि कांग्रेस के युवराज की पदयात्रा ने उन्हें ही पैदल कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आरजेडी में अंदरूनी कलह इतनी बढ़ चुकी है कि दोनों एक-दूसरे को हराने के लिए रणनीतियाँ बना रहे हैं। मोदी ने कहा, देश ने देखा कि आरजेडी ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा, और अब कांग्रेस हर बूथ पर आरजेडी को हराने की कसम खा रही है।

▶10पर

पटना में मोदी का शक्ति प्रदर्शन : फिर एक बार एनडीए सरकार का संकल्प

पटना, 02 नवंबर (एजेंसियां)। नवादा रैली के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पटना में एक भव्य रोड शो किया। सड़कों पर हज़ारों समर्थकों का सैलाब उमड़ पड़ा। भीड़ ने मोदी-मोदी के नारों से पूरा शहर गूँजा दिया। महिलाओं ने अपने घरों की बालकनियों से आरती उतारी और पुष्प वर्षा की, जिससे रोड शो एक जन-उत्सव में बदल गया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस जनसमर्थन को अविश्वसनीय बताया और कहा कि जनता का यह उत्साह एनडीए की जीत का संकेत है।

भारत का 'अंतरिक्ष प्रहरी' तैयार

इसरो ने 'बाहुबली' रॉकेट से नौसेना का सबसे उन्नत संचार उपग्रह लॉन्च किया

नौसेना को मिलेगा 'स्पेस कम्युनिकेशन का कवच'

कठिन मौसम में भी सफल प्रक्षेपण : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली/श्रीहरिकोटा, 02 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अपनी समुद्री सुरक्षा और अंतरिक्ष संचार क्षमताओं को नई ऊँचाई पर पहुंचा दिया है। इसरो ने रविवार को अपने शक्तिशाली एलवीएम3-एम5 रॉकेट - जिसे लोकप्रिय रूप से बाहुबली रॉकेट कहा जाता है - के माध्यम से भारतीय नौसेना के लिए विशेष रूप से विकसित सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

करीब 4,400 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह अब तक का भारत का सबसे भारी और अत्याधुनिक संचार उपग्रह है। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से हुए इस प्रक्षेपण ने भारत की नौसैनिक संचार और समुद्री निगरानी क्षमताओं में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है।

सीएमएस-03 उपग्रह भारतीय नौसेना को समुद्री क्षेत्र में उन्नत, सुरक्षित और हाई-स्पीड संचार सेवाएँ प्रदान करेगा।

इस उपग्रह के माध्यम से नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों के बीच रियल-टाइम, एन्क्रिप्टेड डेटा और वीडियो ट्रांसमिशन संभव होगा। यह न केवल रक्षा क्षेत्र बल्कि नागरिक सेवाओं के लिए भी दूरदराज इलाकों तक डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाएगा। नौसेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सीएमएस-03 उपग्रह भारतीय नौसेना की अंतरिक्ष-आधारित संचार और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को और मजबूत करेगा। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इस उपलब्धि को आत्मनिर्भर भारत का एक और ज्वलंत उदाहरण बताया।

▶10पर

एसआईआर के खिलाफ तमिलनाडु सरकार जाएगी सुप्रीम कोर्ट

ममता बनर्जी भी उतरीं मैदान में

चेन्नई, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु सरकार ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की अध्यक्षता में रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। स्टालिन ने कहा कि चुनाव आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद एसआईआर कराने के राज्य सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में उठाया जाएगा। बैठक में पारित प्रस्ताव में एसआईआर को अलोकतांत्रिक और जनता के हितों के खिलाफ बताया गया। बैठक में शामिल राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग केंद्र की बीजेपी सरकार के

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

मुवक्किल के अपराधों पर वकील से नहीं होगी पूछताछ

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जांच एजेंसियां किसी वकील से उसके मुवक्किल के अपराधों के बारे में पूछताछ नहीं कर सकतीं। अदालत ने कहा कि सिर्फ इसलिए किसी वकील को समन जारी नहीं किया जा सकता क्योंकि उसने किसी आरोपी को कानूनी सलाह दी हो, राय दी हो या उसका प्रतिनिधित्व किया हो।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अनुपस्थिति में, सीजेआई बी. आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने यह निर्णय सुनाया।

▶10पर

बिहार में 'जंगलराज' नहीं लौटने देंगे : अमित शाह

गृह मंत्री बोले मोदी-नीतीश का नेतृत्व ही रखेगा बिहार को एकजुट और सुरक्षित

हाजीपुर (बिहार), 02 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को हाजीपुर में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एनडीए के चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि एनडीए गठबंधन पाँच पांडवों की तरह संगठित और अडिग है, जो राज्य में फिर से जंगल राज की वापसी नहीं होने देगा। उन्होंने कहा बिहार के चुनावी रण में एनडीए पाँच पांडवों की तरह उतरा है - भाजपा, जद(यू), चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास), जीतन राम मांझी की हम पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम - सभी एकजुट हैं और जंगल राज को रोकने के लिए दृढ़ हैं।

▶10पर

जोधपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

खड़े ट्रक में घुसा टेंपो ट्रैवलर 15 लोगों की मौत

जोधपुर, 02 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के फलोदी जिले के मतोड़ा थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर भारतमाला एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। टेंपो ट्रैवलर में सवार सभी यात्री जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले थे, जो बीकानेर के कोलायत मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे। फलोदी के पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने हादसे में 15 लोगों की मौके पर ही मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि तीन गंभीर रूप से घायल लोगों को पहले ओसियां अस्पताल ले जाया गया, फिर ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर रेफर किया गया।फलोदी के डीएसपी अचलसिंह देवड़ा ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

दुलारचंद यादव हत्याकांड : बाहुबली नेता अनंत सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पटना, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मोकामा में हुए दुलारचंद यादव हत्याकांड मामले में आरोपी जेडीयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह को रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पटना सिविल कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने यह आदेश दिया। पेशी के दौरान बड़ी संख्या में अनंत सिंह के समर्थक कोर्ट परिसर के बाहर मौजूद थे, जिसके चलते पुलिस ने अतिरिक्त बल की तैनाती की थी।

पटना पुलिस ने अनंत सिंह को रिमांड पर लेने के लिए आवेदन भी दाखिल किया है, जिस पर अदालत जल्द सुनवाई करेगी।

मोकामा के तारतार गांव में 30 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान जन सुराज पार्टी और जेडीयू समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

इसमें पूर्व आरजेडी नेता और जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए। मृतक के पोते नीरज यादव की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी

पटना सिविल कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजा गया
कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल की तैनाती

में अनंत सिंह सहित चार लोगों को आरोपी बनाया गया।

पुलिस ने अब तक अनंत सिंह, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पटना पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले सबूतों के आधार पर की गई है।

शनिवार देर रात पुलिस ने अनंत सिंह को उनके मोकामा स्थित आवास से गिरफ्तार किया था।गिरफ्तारी से पहले अनंत सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया था।

उन्होंने कहा - हम लोग टोल पर वोट मांग रहे थे। तभी देखा कि सात गाड़ियां खड़ी हैं। वहां से मुर्दाबाद के नारे लगे और पथराव शुरू हो गया। सड़क पर ईंट-पत्थर पहले से रखे गए थे। ये सब साज़िश के तहत हुआ है। यह पूरा खेल सूरजभान का है।

अनंत सिंह इस समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू पार्टी से मोकामा सीट से चुनाव मैदान में हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,24,470/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,53,221/- (प्रति किलोग्राम)

नेपाल : भारी बर्फबारी और भूस्खलन में ऊपरी मुस्तांग का संपर्क कटा, भारत सहित दूसरे देशों के 550 से अधिक पर्यटक फंसे

काठमांडू , 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारी हिमपात और भूस्खलन के कारण सड़कों, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बाधित हो जाने से ऊपरी मुस्तांग का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। इसके चलते वहाँ करीब 550 से अधिक पर्यटक और 100 से ज्यादा वाहन फँसे हुए हैं।

जोमसोम-कोरला सड़क जगह-जगह धँसने और भूस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश के साथ हुई बर्फबारी के कारण बागबेनी से ऊपर छुसाङ क्षेत्र तक सड़क, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बंद हो गई हैं।

मुस्तांग के पुलिस प्रमुख डीएसपी छिरिंग किप्पा लामा के अनुसार, स्थानीय पुलिस चौकियाँ रविवार सुबह तक भी संपर्क में नहीं आ पाई हैं। उन्होंने बताया कि छुसाड़ से ऊपर आधा दर्जन से अधिक बड़े भूस्खलन हुए हैं और जेसीबी मशीनों से सड़क खोलने का कार्य शुरू किया गया है लेकिन पूरी तरह मार्ग साफ करने में अभी कुछ दिन लगेंगे। कागबेनी और आसपास के क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के कारण पर्यटकों को बचाव की आवश्यकता पड़ी। इसके साथ ही ऊँचे पहाड़ी और हिमालयी इलाकों का संपर्क भी पूरी तरह टूट गया।

मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी बिष्णु प्रसाद भुसाल के अनुसार, ऊपरी मुस्तांग में 550 से अधिक पर्यटकों से संपर्क कट गया है। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि 559 लोग और 108 वाहन वहाँ फँसे हुए हैं। ऊपरी मुस्तांग में संपर्क का कोई माध्यम उपलब्ध नहीं है। बड़े-बड़े भूस्खलन हटाने की आवश्यकता होने के कारण इसमें कम से कम 3 दिन और लगेंगे। उन्होंने कहा कि वहाँ फंसे अधिकांश पर्यटक भारत और दूसरे देशों के हैं। नेपाली टूर गाइड और विदेशी पर्यटकों की सही संख्या का भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि चूँकि वहाँ होटल और घर मौजूद हैं इसलिए सभी लोग सुरक्षित स्थान पर होंगे।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों में डायबिटीज की बड़ी वजह है उनकी अनियमित जीवनशैली

वॉशिंगटन। हाल के वर्षों में डायबिटीज के मामले छोटे बच्चों में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसे लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों में डायबिटीज बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है उनकी अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान की आदतें। वहीं, मोबाइल और टीवी पर लंबे समय तक समय बिताने से उनकी शारीरिक सक्रियता कम हो जाती है और शरीर में फैट बढ़ने लगता है। आज के बच्चे जंक फूड, मिठाइयों, कोल्ड ड्रिंक्स और प्रोसेस्ड फूड का अत्यधिक सेवन करते हैं, जिससे ब्लड शुगर लेवल असंतुलित हो जाता है। यही मोटापा धीरे-धीरे टाइप-2 डायबिटीज का रूप ले लेता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जिन बच्चों के परिवार में पहले से डायबिटीज के मरीज होते हैं, उनमें इस बीमारी के होने की संभावना और अधिक होती है। कुछ मामलों में वायरल संक्रमण या इम्यून सिस्टम की खराबी भी बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज का कारण बन सकती है। टाइप-1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून रोग है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से पैंक्रियाज़ की उन कोशिकाओं पर हमला करता है जो इंसुलिन का निर्माण करती हैं। इसके कारण शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बहुत कम या पूरी तरह बंद हो जाता है। दूसरी ओर, टाइप-2 डायबिटीज, जो पहले केवल वयस्कों में पाई जाती थी, अब बदलती जीवनशैली, मोटापे और शारीरिक निष्क्रियता के कारण किशोरों और छोटे बच्चों में भी आम होती जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों में डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। अगर कोई बच्चा एक घंटे में कई बार पेशाब करने जाता है, बार-बार प्यास लगती है, बहुत भूख लगती है, वजन तेजी से घटता या बढ़ता है, आंखों की रोशनी धुंधली पड़ती है या घाव देर से भरते हैं, तो यह डायबिटीज के संकेत हो सकते हैं। कई बार यह बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती लक्षणों के नजरअंदाज होने से शरीर को अंदरूनी रूप से काफी नुकसान पहुंच जाता है।

धनगढ़ी से काठमांडू जा रहे विमान की आपातकालीन लैंडिंग

काठमांडू। धनगढ़ी से काठमांडू जा रहे एक विमान की शनिवार सुबह भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान श्री एयरलाइंस का था और इसमें कुल 82 यात्री सवार थे। उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही विमान में हाइड्रोलिक्स सिस्टम में तकनीकी समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद एहतियातन लैंडिंग का फैसला लिया गया। हवाई अड्डे के सूचना अधिकारी बिनोद सिंह राउत ने बताया कि विमान ने सुबह लगभग 10 बजे (स्थानीय समय) धनगढ़ी से उड़ान भरी थी। थोड़ी देर बाद पायलट ने हाइड्रोलिक्स में खराबी की सूचना दी, जिसके बाद विमान को आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति दी गई। विमान सुरक्षित रूप से उतरने के बाद यात्रियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। चूंकि विमान रनवे पर ही रुका रहा, इसलिए हवाई अड्डे को करीब 40 मिनट के लिए बंद करना पड़ा। बाद में दोपहर लगभग 12:30 बजे तकनीकी खराबी दूर की गई और विमान को टैक्सीवे पर ले जाया गया। हवाई अड्डे के निदेशक और प्रवक्ता श्याम किशोर साह ने बताया कि एयरलाइन कंपनी के इंजीनियर और टेक्नीशियन विमान की पूरी जांच करेंगे। यात्रियों और चालक दल को काठमांडू ले जाने के लिए एक अन्य विमान भेजा गया।

खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड का बयान......अब अमेरिका किसी दूसरे देश की सरकार नहीं गिराएगा

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने बहरीन में कहा कि अब अमेरिका किसी दूसरे देश की

सरकार नहीं गिराएगा और न ही वहां अपना शासन सिस्टम थोपेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में यही नीति रहेगी। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका दूसरे देशों में लोकतंत्र लाने की कोशिश करता था लेकिन अब सिर्फ व्यापार बढ़ाने और शांति बनाए रखने पर ध्यान देगा। गबार्ड ने बताया कि पुरानी नीति से बहुत सारा पैसा बर्बाद हुआ, कई लोग मारे गए और दुश्मन भी बढ़ गए। इसलिए अब यह सब पूरी तरह बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्ध रुकवाया। ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी बम गिराकर सिर्फ बारह दिन में युद्ध खत्म करवाया। सीरिया के नए अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा को भी मान्यता दे दी, जो पहले अल-कायदा में थे और अमेरिकी जेल में बंद थे।

विश्वयुद्ध की आहट से मचा दुनिया में हड़कंप परमाणु हथियारों की होड़ ने बढ़ाई चिंता

वाशिंगठन, 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

नब्बे के दशक में थमी परमाणु हथियारों की दौड़ एक बार फिर शुरू होने के संकेत दिख रही है। जो देश परमाणु निरस्त्रीकरण की बात करते थे, अब वे अपने जखीरे बढ़ाने में जुट गए हैं। हैरानी की बात यह है कि इसमें दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका भी शामिल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में परमाणु परीक्षण की बात कहकर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या अमेरिका वाकई भूमिगत परमाणु विस्फोट करने वाला है, तो ट्रंप ने रहस्यमय अंदाज में कहा कि बहुत जल्द पता चल जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हम कुछ परीक्षण करने जा रहे हैं। दूसरे देश ऐसा कर रहे हैं, तो अगर वे करेंगे तो हम भी करेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी न केवल अमेरिकी नीति में बदलाव का संकेत देती है, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी गहरा खतरा पैदा कर रही है। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये परीक्षण मिसाइलों के होंगे या परमाणु वारहेड्स के। लेकिन उनकी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने अटकलों को हवा दे दी कि अमेरिका लगभग तीस साल बाद फिर से परमाणु हथियारों का परीक्षण कर सकता है। उन्होंने इसका खंडन भी नहीं किया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन उन्होंने कहा कि अगर हम परीक्षण फिर शुरू करते हैं तो यह एक जिम्मेदार कदम होगा। उनका कहना था कि राष्ट्रपति का मकसद अमेरिका के पास विश्वसनीय परमाणु प्रतिरोध क्षमता बरकरार रखना है।

ट्रंप के इस बयान से अमेरिका के अंदर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता का माहौल है। अमेरिका ने 1992 के बाद से कोई परमाणु विस्फोट नहीं किया है। उसने परमाणु परीक्षण पूर्ण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर तो किए हैं, लेकिन उसे अब तक मंजूरी नहीं दी। इस संधि का पालन उत्तर कोरिया को छोड़कर लगभग सभी परमाणु संपन्न देश करते हैं। इस बीच रूस ने ट्रंप की पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मॉस्को ने कहा कि उसने अब तक वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं किया है, लेकिन अगर अमेरिका परीक्षण शुरू करता है तो रूस भी ऐसा करेगा। इससे शीत युद्ध जैसी स्थिति फिर बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ट्रंप के इस बयान से न केवल अमेरिका में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता और भ्रम फैल गया है, क्योंकि अमेरिका ने 1992 के बाद से कोई परमाणु विस्फोट नहीं किया है। हालांकि अमेरिका सीटीबीटी पर दस्तखत कर चुका है लेकिन उसे अब तक मंजूरी नहीं दी है। इस संधि का पालन उत्तर कोरिया को छोड़कर लगभग सभी परमाणु संपन्न देश करते हैं। इस बीच रूस ने ट्रंप की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसने अब तक वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं किया है। रूस ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण शुरू करता है, तो रूस भी ऐसा करेगा, जिससे फिर से शीत युद्ध जैसी स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका ने परीक्षण फिर शुरू किए, तो यह वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

बुजुर्गों को लग रही स्मार्टफोन की लत, धार्मिक ग्रंथ छोड़....सोशल मीडिया पर बीत रहा समय

लंदन। तकनीक को अब केवल युवाओं की दुनिया कहना गलत होगा। क्योंकि तकनीक अब बुजुर्गों की दिनचर्या का अहम हिस्सा है। जो समय पहले टीवी, धार्मिक ग्रंथ या अख़बारों में बीतता था, वह अब स्मार्टफोन, टैबलेट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बीत रहा है। हालिया अध्ययन में सामने आया हैं कि बुजुर्गों में टेक्नोलॉजी एडिक्शन पिछले 10 सालों में 60 प्रतिशत बढ़ा है, जिससे उनकी नींद, मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक सक्रियता पर असर पड़ रहा है। हाल ही में 72 वर्षीय महिला का इलाज किया, जो स्मार्टफोन गेमिंग की लत से जूझ रही थीं। पहले जहां यह केंद्र किशोरों के इलाज के लिए मशहूर था, अब यहां बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ने लगी है। अब तक 67 से अधिक बुजुर्ग इस तरह की लत के इलाज के लिए भर्ती हो चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 65 वर्ष से ऊपर के लोग अब अपने समय का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा टीवी और डिजिटल डिवाइस पर बिताते हैं। वे मनोरंजन के अलावा सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग, शॉपिंग और गेमिंग में भी सक्रिय हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव उनके मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक रिश्तों को प्रभावित कर रहा है। अमेरिका में 2015 में जहां 65 वर्ष से ऊपर के सिर्फ 20 प्रतिशत लोगों के पास स्मार्टफोन था, वहीं अब यह आंकड़ा 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अब बुजुर्ग केवल फोन ही नहीं, बल्कि टैबलेट, स्मार्ट टीवी, ई-रीडर और स्मार्टवॉच का भी उपयोग कर रहे हैं। ब्रिटेन में बुजुर्ग औसतन रोजाना 3 घंटे ऑनलाइन रहते हैं। अगर टीवी और इंटरनेट दोनों को मिलाया जाए, तब बुजुर्गों का स्क्रीन टाइम युवाओं से भी ज्यादा हो गया है। दक्षिण कोरिया में हुए अध्ययन के अनुसार, 60 से 69 वर्ष के 15 प्रतिशत बुजुर्ग स्मार्टफोन एडिक्शन के खतरे में हैं।

वैज्ञानिकों को गुफा से मिला 1300 साल पुराना इंसानी मल

वाशिंगटन, 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

वैज्ञानिकों को मेक्सिको की एक गुफा से 1300 साल पुराना इंसानी मल मिला है, जिसके विश्लेषण ने यह साबित कर दिया कि प्राचीन काल में भी इंसान गंभीर संक्रमणों से जूझते थे। यह स्थान लोमा सान गैब्रिएल संस्कृति का हिस्सा था, जो अपनी छोटी खेती, विशेष मिट्टी के बर्तनों और बाल बलि जैसी प्रथाओं के लिए जानी जाती थी।

यह खोज मैक्सिको के 'केव ऑफ द डेड चिल्ड्रन' नामक गुफा में हुई, जहां वैज्ञानिकों ने 1950 के दशक में खुदाई के दौरान मानव और पशुओं की हड्डियां, पौधों के अवशेष और सूखे मल के नमूने पाए थे। अमेरिकी वैज्ञानिक ड्रू कैपोन और उनकी टीम ने इस गुफा से मिले दस सूखे मल के नमूनों पर डीएनए विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये नमूने सन् 725 से 920 ईस्वी के बीच के हैं। टीम ने पाया कि प्रत्येक नमूने में कम से कम एक प्रकार का संक्रमण या आंतों में रहने वाले सूक्ष्म जीव मौजूद थे।

इनमें सबसे सामान्य संक्रमण ब्लास्टोसायटीस नामक परजीवी और ई.कोली बैक्टीरिया की विभिन्न प्रजातियां थीं। विशेष रूप से, ई.कोली के निशान लगभग 70 प्रतिशत नमूनों में पाए गए। यह वही बैक्टीरिया है जो आज भी दूषित पानी या भोजन से शरीर में प्रवेश कर पेट में संक्रमण फैलाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रमाण इस बात की ओर इशारा करता है कि हजारों साल पहले भी इंसान गंदे पानी और अस्वच्छ वातावरण से जुड़ी बीमारियों का सामना कर रहे थे। इससे यह भी संकेत मिलता है कि मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी निरंतर बनी रहीं।

इस खोज ने वैज्ञानिकों को मानव स्वास्थ्य के इतिहास और आंतों के सूक्ष्म जीव समुदाय के विकास को बेहतर ढंग से समझने का अवसर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के अध्ययन से यह पता लगाया जा सकेगा कि प्राचीन काल में इंसानों की जीवनशैली, खान-पान और पर्यावरण ने उनके स्वास्थ्य को किस तरह प्रभावित किया।

सिंधु में मामूली बदलाव भी पाकिस्तान के विनाश का बन सकता है कारण: रिपोर्ट

सिडनी। सिडनी स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) की इकोलॉजिकल थ्रेट रिपोर्ट 2025 ने गंभीर चेतावनी दी है, कि भारत के पास तकनीकी क्षमता है, जिससे वह सिंधु नदी के जल प्रवाह में बदलाव कर सकता है। ऐसा होने पर पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था विनाशकारी रूप से प्रभावित हो सकती है। यह रिपोर्ट अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा 1960 की इंडस वॉटर ट्रीटी (आईडब्ल्यूटी) निलंबित करने के संदर्भ में आई है, जिससे भारत अब जल-विभाजन दायित्वों से मुक्त है। बता दें कि पाकिस्तान की लगभग 80 प्रतिशत कृषि सिंधु जल प्रणाली (इंडस बेसिन) पर निर्भर है। पिछले दशकों में भारत ने आवंटित जल का पूरा उपयोग नहीं किया, जिससे रावी-सतलज का पानी पाकिस्तान पहुंचता रहा। अब मोदी सरकार ने पूर्ण उपयोग के लिए अभियान तेज किया है। रामगंगा और किशनगंगा जैसे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ये परियोजनाएं पहले आईडब्ल्यूटी में वैध थीं, लेकिन निलंबन से नियंत्रण बढ़ गया है। निलंबन ने अफगानिस्तान को प्रेरित किया, जो कुनार नदी पर बांध बना रहा है, सीमा झड़पों के बाद। इससे पाकिस्तान की जल पहुंच और सीमित होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कदम ने पाकिस्तान को सऊदी अरब से रक्षा समझौता करने पर मजबूर किया, ताकि जल विवाद के सैन्य प्रभाव से निपटा जा सके।

चलती ट्रेन में युवक चढ़े और यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया, रेलसेवा ठप

लंदन, 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

पूर्वी इंग्लैंड के कैंब्रिजशायर में हंटिंगडन इलाके की एक ट्रेन में अचानक चाकूबाजी से अफरा-तफरी मच गई। शाम करीब 7 बजे कुछ बदमाश ट्रेन में चढ़े और बिना किसी उकसावे के यात्रियों पर चाकू से हमला करने लगे। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने पुष्टि की कि घटना हंटिंगडन स्टेशन के पास हुई। कैंब्रिजशायर पुलिस के अनुसार बड़ी संख्या में घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कई को गंभीर चोटें आईं। खतरे को देखते हुए पूरे इलाके की रेल सेवा अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दी गई। हंटिंगडन स्टेशन पर सुरक्षा के लिए सेना तैनात की गई है।

पुलिस ने दो संदिग्धों को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। हमलावरों का मकसद अभी अज्ञात है। यात्रियों के बयानों के मुताबिक जैसे ही चाकूबाजी शुरू हुई, ट्रेन में चीख-पुकार मच गई। लोग खून से लथपथ दरवाजों की ओर भागे। कई गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस रूट पर यात्रा टालें और वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना को भयावह बताते हुए कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, मैं सभी पीड़ितों के साथ हूं। प्रशासन त्वरित कार्रवाई कर रहा है। गृह सचिव शबाना महमूद ने कहा कि दोनों संदिग्ध हिरासत में हैं। जांच पूरी होने तक अटकलें लगाना उचित नहीं। पूरी जानकारी जल्द साझा की जाएगी। विपक्ष के शैडो गृह सचिव क्रिस फिल्प ने सरकार पर दबाव डाला कि पुलिस को तत्काल पुख्ता अपडेट देना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स में यात्रियों ने बताया कि हमलावर बिना कुछ बोले चाकू घोंपते रहे, जिससे दहशत फैल गई।

अब आया एआई वाला हथियारः 50 हजार की फिट से कहर बरपा देगा फाइटर जेट

वाशिंगटन, 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

दुनिया का पहला एआई से चलने वाला वर्टिकल टेक-ऑफ फाइटर जेट तैयार हो चुका है। इस जेट का नाम है एक्स-बेट जो पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम पर चलता है। यह वही तकनीक है जो जेट को बिना जीपीएस और संचार के भी खुद दिशा तय करने, हमला करने और दुश्मन के बीच से सुरक्षित लौटने की क्षमता देती है।

एक्स-बेट को भविष्य का 'एआई योद्धा' कहा जा रहा है, जो युद्ध के मैदान का चेहरा बदल सकता है। खास बात ये है कि इसमें न तो पायलट होगा, न रनवे की जरूरत। अमेरिकी रक्षा तकनीक कंपनी शील्ड एआई ने इस फाइटर जेट को विकसित किया है, जो एक क्लिक पर 50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। एक्स-बेट आकार में कॉम्पैक्ट है, लेकिन यह पारंपरिक लड़ाकू विमानों जितना ही शक्तिशाली है। इसकी विंगस्पैन 12 मीटर से कम है और यह 50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। यह एक बार में 2,000 नौटिकल मील (करीब 3,700 किलोमीटर) तक उड़ान भर सकता है। इसमें हथियार अंदरूनी या बाहरी दोनों हिस्सों पर लगाए जा सकते हैं, जिससे यह स्ट्राइक, इंटेलिजेंस, और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर जैसी कई मिशनों को अंजाम दे सकता है।

एक्स-बेट की तकनीक आधुनिक युद्ध की परिभाषा बदल सकती है। यह न केवल पायलट की जान के जोखिम को खत्म करता है बल्कि कम लागत और ज्यादा कुशल मिशन संभव बनाता है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह 'भविष्य का सस्ता लेकिन घातक योद्धा' है। इसे बड़े पैमाने पर तैनात किया जा सकता है। हालांकि यह तकनीक जितनी रोमांचक है, उतनी ही विवादित भी। पूरी तरह स्वायत्त हथियार प्रणाली के इस्तेमाल से जवाबदेही, सुरक्षा और नैतिकता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्या मशीनें बिना इंसानी विवेक के युद्ध का फैसला लेंगी यह आने वाले समय की सबसे बड़ी बहस होगी। एक्स-बेट का सबसे बड़ा फीचर है इसका वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग सिस्टम। यानी इसे उड़ान भरने के लिए किसी एयरबेस या रनवे की जरूरत नहीं। यह सीधे जमीन या जहाज से उड़ सकता है। इसका मतलब है कि अब युद्ध क्षेत्र में किसी भी कठिन इलाके से फाइटर जेट तैनात किए जा सकते हैं। यह खुद से मिशन तय कर सकता है, नेविगेशन कर सकता है और यहां तक कि मानव-संचालित विमानों के साथ समन्वय में भी काम कर सकता है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमणा का आरोप

मुझे दबाने के लिए मेरे परिवार पर दर्ज हुए मुकदमे

अमरावती (आंध्र प्रदेश) 02 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमणा ने कहा है कि संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा करने वाले न्यायिक अधिकारियों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार को भी राजनीतिक संगठनों ने निशाना बनाया, केवल उन्हें दबाने के उद्देश्य से। रमणा अमरावती स्थित वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- आप सभी जानते हैं कि मेरे परिवार को कैसे निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे दबाने के लिए किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि उस कठिन समय में किसान आंदोलन का समर्थन करने वालों को भी धमकाया गया। यह आंदोलन तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी सरकार की तीन राजधानी योजना के विरोध में था। इस योजना के तहत विशाखापट्टनम को प्रशासनिक, अमरावती को विधायी और कुर्नूल को न्यायिक राजधानी बनाने की घोषणा की गई थी।

रमणा ने कहा कि जब कई राजनेता उस समय चुप रहे या हिचकिचाए, तब देश के न्यायविद और न्यायालय अपने संवैधानिक वादे के साथ खड़े रहे।

उन्होंने कहा - सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन न्यायालय और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं। कानून का शासन तभी जीवित रहेगा, जब लोग ईमानदारी और जनता का भरोसा बनाए रखें।

पूर्व सीजेआई ने अमरावती के किसानों के साहस की भी सराहना की और कहा कि उनका संघर्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया और न्यायिक प्रणाली में विश्वास की मिसाल है।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर, 13 इलाकों में एक्यूआई 400 के पार

आनेवाले दिनों में हवा की गुणवत्ता हो सकती है गंभीर

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

रविवार को राजधानी की वायु गुणवत्ता में दिन भर उतार-चढ़ाव का दौर चलता रहा। हवा की गति स्थिर हो जाने और धुंध छाने की वजह से सुबह इसमें तेजी से वृद्धि देखने को मिली। जबकि दिन में मौसम खुल जाने और आसमान साफ होने से इसमें वापस गिरावट आ गई। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित हो रही वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल प्रदूषण की स्थिति में अधिक सुधार की संभावना कम ही है। स्विस एप आइक्यू एयर पर सुबह लगभग 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई 467 यानी 'अति गंभीर' था जबकि शाम पांच बजे 180 यानी 'मध्यम' दर्ज किया गया।

रात आठ बजे यह 208 यानी 'खराब' दिन में पहुंच गया। आइक्यू एयर पर दिल्ली के अन्य इलाकों की भी यही स्थिति चलती रही। दूसरी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शाम चार बजे 24 घंटे का एक्यूआई 366 दर्ज किया गया, जो शनिवार के 303 से 63 अंक ज्यादा है। सुबह 10 बजे यह भी 388 यानी 'बहुत खराब' श्रेणी के उच्च स्तर पर था। सीपीसीबी द्वारा विकसित समीर एप के आंकड़ों से पता चलता है कि समग्र एक्यूआई में शाम को आंशिक सुधार हुआ है, लेकिन 38 सक्रिय वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से 13 पर 400 की रीडिंग के साथ 'गंभीर' श्रेणी का एक्यूआइ दर्ज किया गया। 19 स्टेशनों पर 'बहुत खराब' जबकि छह स्टेशनों पर 'खराब' श्रेणी का एक्यूआई दर्ज हुआ।

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि मौसम की स्थिति और हवा की रफ्तार दोनों ही एक्यूआइ में सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन रविवार को दोनों ही प्रतिकूल रहे।

122 फर्जी फर्मों के जरिए 341 करोड़ की जीएसटी चोरी

पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों से जुड़े मास्टरमाइंड के तार

मुरादाबाद, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

देशभर में 122 फर्जी फर्म बनाकर 341 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले की जांच स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसएसपी ने सीओ क्राइम के नेतृत्व में गठित एसआईटी में साइबर सेल प्रभारी और सर्विलांस टीम प्रभारी को शामिल किया है।

एसआईटी जिले में जीएसटी के संबंधित सभी आठ मुकदमों की जांच करेगी। इसमें लोहे के अलावा लकड़ी से जुड़े सिंडिकेट शामिल हैं। राज्य कर विभाग ने 341 करोड़ की टैक्स चोरी के मामले में शुक्रवार को सिविल लाइंस थाने में दो मुकदमे दर्ज कराए हैं। दो अलग-अलग एफआईआर में मास्टरमाइंड लोहा कारोबारी अंकित कुमार समेत नौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा एफआईआर में दो ट्रांसपोर्ट फर्मों को शामिल किया गया है। देशभर में बोगस फर्मों को खोलकर केंद्र और प्रदेश सरकार को करोड़ों का चूना लगाने वाले अंकित कुमार के तार पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में मास्टरमाइंड अंकित और उसके साथियों के ईमेल को खंगाला जा रहा है। एसएसपी सतपाल अंतिल के मुताबिक यह मामला काफी संवेदनशील है। इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। एआईटी में सीओ क्राइम, साइबर सेल प्रभारी और सर्विलांस टीम के प्रभारी को शामिल किया गया है। एसआईटी बैंक, सर्विलांस के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाकर कार्रवाई करेगी। इसके अलावा जिले में जीएसटी से जुड़े छह अन्य मुकदमों की भी जांच एसआईटी करेगी।

राज्य कर विभाग ने लखनऊ-मुरादाबाद हाईवे पर 24 और 25 अक्टूबर को लोहे से लदे दो ट्रकों को पकड़े थे। यह माल लखनऊ के राजाजीपुरम आवास विकास कॉलोनी निवासी अंकित कुमार का था जिसे मुजफ्फरनगर भेजा जा रहा था। इस मामले में अपर आयुक्त ग्रेड-2 आरए सेठ के साथ 42 अधिकारियों की टीम ने जांच की तो पता चला कि अंकित ने दो मोबाइल नंबरों पर देश के अलग-अलग राज्यों में 122 बोगस फर्मों का सीजीएसटी और राज्य कर विभाग में पंजीयन करा रखा है। तीन दिनों तक चली जांच में 341 करोड़ की टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। इन फर्मों पर 1811 करोड़ रुपए का व्यापार किया गया है। इसके बाद विभाग ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अंकित कुमार सहित अन्य आरोपियों के सही नाम और पता उनके मोबाइल नंबर से चलेगा। पुलिस टीम कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की तैयारी में है। अभी तक जांच में अंकित कुमार के साथी सौरभ मिश्रा के बारे में राज्य कर अधिकारियों को पता नहीं चला है। लकड़ी कारोबारियों की बोगस फर्मों को खोलकर सरकार को करीब 200 करोड़ का चूना लगाया था। इस मामले में राज्य कर के अधिकारियों ने दो माह पहले कोतवाली, गलशहीद और बिलारी थाने सहित कुल छह केस दर्ज कराया था लेकिन जांच के दौरान कोई आरोपी नहीं पकड़ा गया। इसी कारण एसएसपी ने पूरे मामलों की जांच करने के लिए एसआईटी गठित कर दी है। अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह ने डाटा विश्लेषण के दौरान लकड़ी कारोबारियों की चोरी पकड़ी थी। इस मामले में विभाग ने जुलाई से बोगस फर्मों के खिलाफ अभियान शुरू किया। जांच में पाया गया कि मंडल की 128 बोगस फर्मों के माध्यम से लकड़ी की खरीद बिक्री की थी। इन फर्मों ने 1300 करोड़ का टर्न ओवर का मामला प्रकाश में आया। आशंका जताई गई कि बोगस फर्मों के माध्यम से करीब 200 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की गई है। राज्य कर विभाग की रिपोर्ट पर सीजीएसटी ने 95 फर्मों का पंजीयन निरस्त कर दिया।

जांच अधिकारियों ने पाया कि मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा और रामपुर से शुरू हुई लकड़ी की बोगस फर्मों ने अमरोहा, बिजनौर और उत्तराखंड तक खरीद फरोख्त की है। सरकार से पैसे हड़पने के लिए कारोबारियों ने फर्जी कागजातों और फर्जी बिलों का इस्तेमाल किया। इस मामले में केस दर्ज होने के बाद शहर के कोतवाली, गलशहीद और कुंदरकी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। राज्य कर विभाग ने बोगस फर्मों से जुड़े 12 संदिग्ध लोगों की सूची तैयार की थी। इस मामले में गोपनीय सूची पुलिस को भी सौंपी गई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। कोतवाली में दर्ज मुकदमे के अनुसार कारोबारी ने लकड़ी की एक फर्म के लिए कोतवाली क्षेत्र का पता दिया था। उसने पांच करोड़ का टर्नओवर किया था। जांच में कोतवाली क्षेत्र का पता फर्जी निकला था।

देशभर में बोगस फर्मों को खोलकर केंद्र और प्रदेश सरकार को करोड़ों का चूना लगाने वाले अंकित कुमार के तार पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में मास्टरमाइंड अंकित और उसके साथियों के ईमेल को खंगाला जा रहा है।लखनऊ के राजाजीपुरम का फर्जी पता दर्ज कर मास्टरमाइंड अंकित कुमार ने देशभर में 122 फर्में खड़ी कर दी हैं। देशभर में फैले फर्जीवाड़े को सीजीएसटी के अधिकारी पकड़ नहीं सके। दो साल से मास्टरमाइंड विभाग के सरलीकरण का फायदा उठाते हुए बोगस फर्मों के माध्यम से कारोबार करता रहा। धीरे-धीरे उसने 1811 करोड़ से अधिक का कारोबार किया तो राज्य कर विभाग के अधिकारियों के हत्थे चढ़ गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि उसने मुरादाबाद में अपनी एक फर्म का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। उसे पता था कि यहां रजिस्ट्रेशन कराने पर पकड़े जाने की संभावना अधिक है।

मास्टरमाइंड अंकित को विभाग के अधिकारियों के बारे में जानकारी थी। देशभर में कारोबार खड़ा कर उसने सरकार को 341 करोड़ का चूना लगाया। आशंका है कि मास्टरमाइंड से कुछ सफेदपोश भी जुड़े हुए हैं। सीडीआर से इसका खुलासा होने की संभावना है। जांच में सीजीएसटी के अधिकारियों की लापरवाही प्रकाश में आई है। अधिकारियों ने फर्मों का पंजीयन करने के बाद उनका भौतिक सत्यापन नहीं किया। इसी का फायदा उठाते हुए मास्टरमाइंड अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकते हुए करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर दिया।

हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस, बिहार चुनाव शांतिपूर्ण होंगे

सीईसी ज्ञानेश कुमार का मोकामा हत्याकांड पर कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग की हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। उन्होंने बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त किया कि सभी पुलिस अधिकारी, निर्वाचन अधिकारी और जिला परिषद के अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तत्पर हैं, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम करेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मैं सभी से अपील करता हूँ कि वे चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। हिंसा के विषय पर, चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाता है। हिंसा की कोई भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदाता शांतिपूर्वक मतदान कर सकें। हमारे 243 रिटर्निंग ऑफिसर, इतने ही पर्यवेक्षक, हर ज़िले के कलेक्टर, ज़िला अधिकारी, एसपी, एसएसपी, पुलिस पर्यवेक्षक, सभी तैयार हैं, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह टिप्पणी हाल ही में 30 अक्टूबर को मोकामा विधानसभा क्षेत्र में राजनेता दुलारचंद यादव की हत्या के बीच आई है, जब वह उस क्षेत्र से जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शिनी की रैली में मौजूद थे। हत्या के बाद, मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त अपने संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का दौरा करने कानपुर आए हैं, जहाँ संस्थान ने हाल ही में उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया है, जो उनके पूर्व छात्रों को उनकी असाधारण योग्यता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आज मैं एक पूर्व छात्र के रूप में खखढ कानपुर आया हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे सम्मानित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन के सबसे ऊर्जावान चार साल कानपुर शहर में बिताए हैं और मुझे इससे बहुत लगाव है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहाँ आने और आईआईटी कानपुर जाने का मौका मिला।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पक्ष लेने के बार-बार लग रहे आरोपों के बीच, उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी ज़ोर दिया, क्योंकि यह चुनाव आयोग का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, यही वह समय है जब बिहार में चुनाव हो रहे हैं। बिहार चुनाव में, हर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट मांग रहा है। मैं एक बार फिर कहना चाहता हूँ कि चुनाव आयोग के लिए न तो कोई सत्ता पक्ष में है और न ही विपक्ष में, सभी तटस्थ हैं। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर को होगा, दूसरे चरण का चुनाव 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल गांधी, पकड़ी मछली

बेगूसराय, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में एक तालाब में छलांग लगाई और मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रक्रिया में भाग लिया। वीआईपी प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और अन्य भी मौजूद रहे। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को बेगू-सराय में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की जनता से एक वादा किया। उन्होंने कहा कि जब महागठबंधन सत्ता में आएगा, तो वह शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के लिए विश्वस्तरीय अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको व्यक्तिगत गारंटी देता हूँ कि जिस दिन केंद्र में महागठबंधन की सरकार आएगी, हम बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय जैसा एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय खोलेंगे। दुनिया भर से छात्र यहाँ पढ़ने आएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिहार में महागठबंधन की सरकार समाज के सभी वर्गों की सेवा करेगी। उन्होंने कहा कि अगर हम बिहार में सरकार बनाते हैं तो यह सभी के लिए सरकार होगी, किसी एक जाति या समुदाय के लिए नहीं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला और उन पर सिर्फ़ चुनाव प्रचार के दौरान वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मोदी जी चुनाव से पहले आते हैं, भाषण देते हैं और जो भी कहोगे, वो करने का वादा करते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद, वो बिहार नहीं लौटते और न ही आपकी समस्याएँ सुनते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री का मज़ाक उड़ाते हुए कहा, प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्हें योग करने के लिए कहो, और वो कैमरे के सामने कुछ आसन कर लेंगे। बेरोज़गारी से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, नौकरियाँ देने के बजाय, प्रधानमंत्री युवाओं को सोशल मीडिया पर रील देखने के लिए कह रहे हैं। वह उनका ध्यान भटकाना चाहते हैं ताकि वे बेरोज़गारी पर सवाल न उठाएँ।

जालसाजों ने बना डाले 300 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड

फर्जी आईडी बनाकर की करतूत, अफसरों की भूमिका संदिग्ध

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

जालसाजों ने 300 से ज्यादा लोगों के आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़ा करके बना डाले। मामले में संबंधित अफसरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यह फर्जीवाड़ा दीपावली की छुट्टियों के दौरान साचीज के अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाकर किया गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बरेली, शाहजहांपुर एवं जालंधर के लोगों के कार्ड बनाए गए हैं। लखनऊ के सैदापुर निवासी शिवम पाठक की शिकायत पर हुई जांच में पता चला कि आईएसए आईडी यूएसईआर 6801737 से अबुल कलाम के नाम से कार्ड जारी किया गया है। इस खुलासे के बाद पूरे मामले की गहनता से जांच की गई तो पता चला कि करीब 300 से अधिक आयुष्मान कार्ड फर्जी तरीके से बनाए गए हैं। मामले की जानकारी यूआईडीए के उप महानिदेशक को दी गई है। साचीज ने सभी कार्डों को अवैध घोषित कर दिया है। साथ ही संबंधित कार्ड से उपचार पर क्लेम के भुगतान पर भी रोक लगा दी है। पूरे मामले में स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गिरोह ने कार्ड को अनुमोदित करने के लिए साचीज के सक्षम अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाई थी। पोर्टल पर कार्ड के लिए अनुमोदन करने वाले अधिकारियों के वही मोबाइल नंबर जुड़े थे जो उनके आधार कार्ड में संलग्न हैं। फर्जीवाड़ा करने वालों ने पोर्टल पर मोबाइल नंबर ही बदल दिया जिससे ओटीपी संबंधित अधिकारी के पास जाने के बजाय उनके पास जाए। इसी ओटीपी नंबर से नए आयुष्मान कार्डों को अनुमोदित किया गया। साचीज की ओर से अनुमोदन में लगे अधिकारियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज अर्चना वर्मा का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के साथ विभागीय जांच भी होगी। करीब 300 आयुष्मान कार्ड को अवैध घोषित किया गया है। अन्य की जांच चल रही है। पिछले छह माह के अंदर जारी होने वाले अन्य कार्डों की भी जांच की जाएगी। स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) द्वारा संचालित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत आयुष्मान कार्ड जारी होते हैं। इस कार्ड के जरिए मुफ्त चिकित्सा की सुविधा मिलती है।

बांदा में 27वां जीवन विद्या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिव्यता के साथ सम्पन्न

बांदा, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बड़ोखर खुर्द ग्राम स्थित प्रेम सिंह की बगिया में 27वां जीवन विद्या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय आयोजन में भारत के 18 राज्यों के 85 जिलों से 890 से अधिक शोधार्थी एवं किसान, आवर्तनशील खेती करने वाले कृषक, व इको-फ्रेंडली निर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। हैदराबाद सहित अनेक स्थानों से विशेषज्ञों ने सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का थीम मध्यस्थ दर्शन और आवर्तनशीलता ही परंपरा का आधार रहा। इसमें 90 से अधिक प्रस्तुतियां हुईं जिनका फोकस देशव्यापी एवं ग्रामव्यापीकरण, मानवीयता, आवर्तनशील उत्पादन, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका एवं ग्रामीण जीवन की विविध व्यावहारिक चुनौतियों पर रहा।

सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं स्थानीय सहयोग, श्रम और वस्तुओं के निःशुल्क योगदान से जुटाई गईं.

दाना भवन एवं प्रदर्शनी, जिसमें ग्रामीण बीज, पुस्तकें, कपड़े, घरेलू व्यंजन प्रस्तुत किए गए, कार्यक्रम के आकर्षण रहे। बहनों द्वारा परंपरागत व्यंजन और उनकी जानकारी साझा की गई जिससे व्यंजन निर्माण की विरासत सशक्त हो सकी।

सम्मेलन में शिक्षा, अध्यन, श्रम, सेवा, युवाओं के मुद्दे, उद्यमिता, चरित्र निर्माण, सामाजिकता, कविता-नाटक-मीडिया के माध्यम से साहित्य और संवाद के विविध पक्षों पर चर्चा हुई।

समापन सत्र में वरिष्ठ साथियों की संदेश, निष्कर्ष, उपलब्धियों एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं।

यह आयोजन ग्रामीण जीवन, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित शोध व संवाद के लिए देश के किसानों व शोधार्थियों को प्रेरणा देने वाला रहा।

फिल्म पेड्डी से जान्हवी कपूर का जबरदस्त लुक हुआ वायरल

हाल ही में 'पेड्डी' के निर्माताओं ने फिल्म से 'अच्चियम्मा' बनी जान्हवी कपूर का पहला दमदार लुक रिलीज़ किया है, जिसमें वह काफी निडर और बेखौफ़ नज़र आ रही हैं। मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान के संगीत से सजी फिल्म 'पेड्डी' का निर्देशन बुच्ची बाबू सना ने किया है और जाह्नवी के ऑपोज़िट हैं साउथ के पावर स्टार राम चरण। गौरतलब है कि इन नए पोस्टर्स में जान्हवी दो बेहद प्रभावशाली अवतारों में दिखाई दे रही हैं, इनमें एक में जहां वह भीड़ के बीच जीप के ऊपर खड़ी होकर कमांड लेती दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरे पोस्टर में वह एक विंटेज माइक्रोफोन के पीछे खड़ी हैं। इन दोनों पोस्टर्स में उनके आत्मविश्वास और शक्ति प्रभाव के साथ उनकी तीखी निगाहों में एक साथ कोमलता और दृढ़ता दोनों दिखाई दे रही है।

जान्हवी कपूर की ये झलकियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि उनका अच्चियम्मा का यह किरदार भावनात्मक गहराई और जज़्बाती उबाल दोनों से भरपूर है और यह भूमिका उनके करियर की सबसे दमदार परफॉर्मेंस में से एक साबित होगी।

वेंकटा सतीश किलारू और ईशान सक्सेना के वृद्धि सिनेमाज़ और मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी ये फिल्म 27 मार्च 2026 को पूरे भारत में रिलीज़ होगी। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि ए. आर. रहमान के संगीत, बुच्ची बाबू सना के निर्देशन और राम चरण-जान्हवी कपूर की नई जोड़ी, इन तीनों के संगम से बनी 'फिल्म पेड्डी' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी।

फिल्म सिंगल सलमा को सीमित स्क्रीन मिलने से हुमा कुरैशी हुई नाराज

समान अवसर की उठाई मांग

भारत का फिल्म उद्योग काफी बड़ा है। यहां हर हफ्ते कई भाषाओं में नई फिल्में रिलीज होती हैं। कुछ फिल्में बड़े बजट और मशहूर सितारों के साथ आती हैं। कुछ छोटी और कहानी प्रधान फिल्में सीमित संसाधनों के साथ बनाई जाती हैं। इन छोटी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती होती है, थिएटर में जगह मिलना। बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टार से सजी फिल्मों के बीच, इन फिल्मों को अक्सर सीमित स्क्रीन और कम शो टाइम मिलते हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छी कहानी होने के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई, जब उनकी फिल्म 'सिंगल सलमा' को देशभर में बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को पर्याप्त थिएटर नहीं मिल पाए। उन्होंने लिखा, 'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं, न ही करोड़ों रुपए का मार्केटिंग बजट। ऐसी स्थिति में इन फिल्मों को थिएटरों में अपनी जगह बनाना और दर्शकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। आज भी सिस्टम उन फिल्मों को प्राथमिकता देता है जो पहले से ही सुरक्षित मानी जाती हैं, यानी बड़ी बजट और स्टार वाली फिल्में।

इंडस्ट्री को एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जहां हर फिल्म, चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे समान अवसर मिले। हुमा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू कर दी। देश के कई शहरों जैसे लखनऊ, पटना, दिल्ली और कोलकाता के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया। लोगों ने थिएटर मालिकों से अपील की कि 'सिंगल सलमा' के शो बढ़ाए जाएं ताकि ज्यादा दर्शक इसे देख सकें।

कई दर्शकों ने अपने टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिनमें दिख रहा है कि फिल्म के शो या तो हाउसफुल हैं या उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि लोग फिल्म देखना चाहते हैं, लेकिन स्क्रीन की कमी के कारण मौका नहीं मिल पा रहा। हुमा के बयान ने फिल्म इंडस्ट्री के भीतर भी एक अहम चर्चा को जन्म दिया है। कई लोग मानते हैं कि थिएटरों में फिल्मों के वितरण को लेकर एक संतुलित और न्यायपूर्ण सिस्टम की सख्त जरूरत है।

बड़ी फिल्मों को तो हमेशा पर्याप्त जगह मिल जाती है, लेकिन छोटी फिल्मों के लिए स्क्रीन मिलना किसी चुनौती से कम नहीं होता। अगर वितरण प्रक्रिया में सुधार हो जाए, तो कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ नए कलाकारों और निर्देशकों को फायदा होगा, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग और बेहतर कहानियां देखने को मिलेंगी।

सोनाली कुलकर्णी : सात भाषाओं में फिल्में कर दर्शकों के दिलों पर किया राज

हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। पुणे की रहने वाली सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में कन्नड़ फिल्म 'चेलुवी' से की थी। महाराष्ट्र के पुणे में 3 नवंबर 1974 को जन्मीं सोनाली कुलकर्णी के करियर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं में काम किया। कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में उनकी फिल्मों ने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। यही कारण है कि उन्हें लोग 'बहुभाषी सुपरस्टार' भी कहते हैं। इस बहुभाषी सफर ने उन्हें अलग-अलग फिल्मों और शैलियों में काम करने का मौका दिया। उनके करियर में हिंदी और मराठी फिल्मों के साथ-साथ हॉलीवुड और यूरोप की फिल्में भी शामिल हैं। सोनाली का बचपन से ही पढ़ाई और अभिनय दोनों में रुचि थी।

उन्होंने पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया और मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप भी मिली। इसके साथ ही सोनाली भरतनाट्यम में भी प्रशिक्षित रही हैं और उन्होंने इसके लिए 11 साल तक कड़ी ट्रेनिंग ली।

शुरुआती दिनों में उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई और एक्टिंग के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की थी। उन्हें यह पहला ऑफर मिलने पर थोड़ी हिचकिचाहट भी हुई थी, क्योंकि उनके मन में क्लास मिस होने का डर था। लेकिन निर्देशक गिरीश कर्नाड के समझाने के बाद उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी। यही फिल्म उनके करियर का पहला कदम साबित हुई, और इसके दमदार अभिनय की वजह से फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड जीता और कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई।

सोनाली की पहली मराठी फिल्म 'मुक्ता' थी, जो साल 1994 में आई। इसके बाद उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों में उनका नाम 'दिल चाहता है', 'मिशन कश्मीर', 'डरना जरूरी है', और 'सिंघम' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। मराठी फिल्मों में उनकी लोकप्रियता भी कम नहीं रही। फिल्में जैसे 'दे-वराई', 'दोघी', 'कैरी', 'घराबाहेर', 'सखी', और 'देऊळ' दर्शकों को काफी पसंद आईं।

सोनाली केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहीं। वह एक सफल कॉलमनिस्ट भी हैं। उन्होंने मराठी समाचार पत्र में 'सो कूल' नाम का कॉलम लिखा, जिसे पाठकों ने बहुत पसंद किया। उनके लेख इतने मशहूर हुए कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली कुलकर्णी को उनके बहुभाषी करियर और अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। इटालियन फिल्म 'फुओको दी सु' के लिए उन्हें 2006 में मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा, उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

'चैत्र' जैसी फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो सोनाली की पहली शादी मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से हुई थी, लेकिन बाद में तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने 2010 में नचिकेत पंतवैद्य से शादी की, जो सोनी एंटरटेनमेंट टीवी के हेड हैं। उनकी एक प्यारी बेटी भी है। सोनाली कुलकर्णी आज भी फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी में सक्रिय हैं। उनकी बहुभाषी प्रतिभा ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक अनोखा और प्रेरणादायक चेहरा बना दिया है।

काजल राघवानी ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, दिखेगा भक्ति और आस्था का मिलन

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजल राघवानी फिल्मों और गानों में सक्रिय हैं। काजल का लेटेस्ट रिलीज गाना 'पायल घुंघरू वाला' 3 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है। अब काजल ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और फिल्म का नाम भी फैंस के सामने रिवील कर दिया है। काजल राघवानी ने सोशल मीडिया अपडेट किया है और नई फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर की है। फोटो में एक्ट्रेस हाथ में फिल्म का बोर्ड लिए खड़ी है, जिस पर लिखा है आस्था छठी मईया। काजल की अपकमिंग फिल्म में उनका लुक काफी सिंपल है। फोटो में वे सिंपल प्रिंटेड साड़ी और मिनिमल मेकअप लुक में दिख रही हैं। फैंस भी काजल को उनकी नई फिल्म के लिए दिल से बधाई दे रहे हैं। छठ पर्व के मौके पर काजल राघवानी का छठ गीत 'दुख सुनी दीनानाथ' भी रिलीज हुआ था। गीत को सिंगर सृष्टि भारती की आवाज ने भक्ति से भर दिया।

सोशल मीडिया पर गीत को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला। भक्ति गीतों के अलावा काजल के दूसरे जॉनर के गाने भी रिलीज हो चुके हैं। उनका गाना 'लड़का ना चाही डिफेंडर वाला' काफी विवादों में रहा था, क्योंकि यूजर्स ने गाने को खेसारी लाल यादव से जोड़ दिया था।

काजल ने खुद आकर सफाई दी थी कि गाने का खेसारी से कोई लेना-देना नहीं। इससे पहले काजल ने गुजराती नव वर्ष के मौके पर सभी से माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, मैं माफी मांगकर शुरुआत करती हूं, आप क्षमा करके शुरुआत करें। यदि मैंने कुछ गलत किया हो और आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई हो तो मैं इस वर्ष के अंतिम दिनों में ईमानदारी से माफी मांगती हूं।

बात अगर फिल्मों की करें तो यूट्यूब पर काजल की बैक टू बैक फिल्में रिलीज हो गई हैं, जिनमें 'बड़ी दीदी-2', 'भौजी', 'अमीरों का दहेज', 'दहेज और दुल्हन' और 'गुजराती बहू' शामिल हैं। इसके अलावा कई फिल्मों की शूटिंग चल रही है। एक्ट्रेस 'पति तंग बीवी दबंग' और अरविंद अकेला कल्लू के साथ 'प्रेम विवाह' फिल्म में दिखेंगी। 'पति तंग बीवी दबंग' जल्द ही रिलीज होने वाली है।

रोशनी चोपड़ा : छोटे पर्दे की शानदार कलाकार, बिजनेसवुमेन बन दिखाया रास्ता

टीवी सीरियल 'कसम से' से घर-घर अपनी पहचान बनाने वाली रोशनी चोपड़ा के आज भी हजारों फैंस हैं। एक्ट्रेस अपने दो बच्चों और पति के साथ लग्जरी लाइफ जी रही हैं। उसकी झलकियां इंस्टाग्राम पर भी शेयर करती रहती हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पर्दे से दूर होने के बाद भी एक्ट्रेस अपने पैरों पर खड़ी हैं और बिजनेसवुमेन बन चुकी हैं। रोशनी खुद का क्लोदिंग ब्रांड 'द रोशनी चोपड़ा डिजाइन्स' चलाती हैं। रोशनी चोपड़ा का जन्म 2 नवंबर को नई दिल्ली में हुआ था। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में करने के बाद दुबई में जाकर आगे की स्टडी की। रोशनी चोपड़ा ने मॉडलिंग और क्रिकेट मैच होस्टिंग शो से करियर की शुरुआत की। उन्हें पहचान टीवी से मिली थी। टीवी पर डेब्यू करने से पहले रोशनी को साल 2004 में आई फिल्म 'लेट्स एन्जॉय' में देखा गया। यह एक्ट्रेस के करियर की पहली फिल्म थी, जो सफल नहीं हुई। उन्होंने साल 2005 और 2006 में दूरदर्शन पर 'फोर्थ अंपायर' शो में एंकरिंग की और क्रिकेट प्रेमियों के बीच पॉपुलर हो गईं। इसी बीच उनकी झोली में टीवी सीरियल 'कसम से' आया। इस सीरियल में रोशनी ने 'पिया' नाम की लड़की का रोल प्ले किया था, जो बहुत पॉपुलर हुआ।

साल 2010 में उन्होंने 'दिल जीतेगी देसी गर्ल' में हिस्सा लिया। यह शो इमेजिन टीवी का सबसे पॉपुलर रियलिटी शो था, जिसमें टीवी की बड़ी फीमेल कैरेक्टर को गांव में रहकर टास्क पूरा करना होता था। इस शो की विनर रोशनी रही थी। उन्होंने काम जारी रखा और 'फिर', 'कॉमेडी सर्कस का नया दौर', 'अदालत' और 'प्यार में ट्विस्ट' जैसे प्रोजेक्ट्स में देखी गईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को साल 2018 में शो 'द ड्रामा कंपनी' में देखा गया था।

रोशनी ने अपने करियर को बनाने में बहुत मेहनत की है और परिवार ने भी पूरा साथ दिया। एक इंटरव्यू में रोशनी के पिता ने बताया था कि उन्हें अपनी बेटी की बहुत चिंता होती थी कि वह सेट पर कैसे काम करेगी। एक्ट्रेस के पिता सेट पर उनके लिए सैंडविच लेकर खड़े रहते थे, और रोशनी को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आती थी, लेकिन उनके पिता भी उन्हें खाना खिलाकर ही वापस घर जाते थे।

नातिन मतारा को 'ओम' का जाप सिखा रही नीना गुप्ता

हर साल जन्मदिन एक खास मौका होता है, जब लोग अपने जीवन की खुशियों को मनाते हैं और अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं। यह दिन सिर्फ उम्र बढ़ने का प्रतीक नहीं होता, बल्कि अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तों के महत्व की भी याद दिलाता है। इस खास मौके पर मशहूर फैशन डिजाइनर और अभिनेत्री मसाबा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर जीवन के कुछ बेहद प्यारे पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने पोस्ट में अपनी साधारण खुशियों की झलक दिखाई। मसाबा ने अपने जन्मदिन के पोस्ट में दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उनकी मां और वरिष्ठ अभिनेत्री नीना गुप्ता अपनी नातिन मतारा को 'ओम' का जाप सिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में नीना गुप्ता बेड पर बैठी हैं और बहुत प्यार और धैर्य के साथ अपनी नातिन को 'ओम' बोलना सिखा रही हैं। मसाबा ने अपनी पोस्ट में इस पल को दिल को छू लेने वाला बताया। जन्मदिन के मौके पर मसाबा को फिल्म और फैशन इंडस्ट्री के कई दोस्तों और सितारों से ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं। करीना कपूर खान, सोनम कपूर, और अनन्या पांडे जैसी बड़ी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की बधाई दी।

मसाबा गुप्ता के बारे में बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फैशन डिजाइनिंग से की और जल्द ही अपनी रचनात्मक सोच और अलग अंदाज के लिए जानी जाने लगीं। उन्होंने मुंबई में अपने पहले कलेक्शन का नाम 'कतरन' रखा, जो छोटे कपड़ों के टुकड़ों से प्रेरित था। उनका लैक्मे फैशन वीक 2014 का कलेक्शन 'वंडररेस' रोमन पायने के उपन्यास में एक जिप्सी लड़की के किरदार से प्रेरित था। मसाबा अपने प्रत्येक कलेक्शन को हटकर नाम देती हैं।

मसाबा महिलाओं के ट्रेडिशनल आउटफिट्स में

माहिर हैं और रेशम, शिफॉन और सूती जैसे कपड़ों के साथ कढ़ाई और अनोखे प्रिंट्स का इस्तेमाल करती हैं। उनके डिजाइन में स्त्रीलिंग सिल्हूट्स और ड्रेप्स की खासियत भी दिखाई देती है। उन्होंने मेबेलिन न्यूयॉर्क और लेवी जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ मिलकर खास कलेक्शन बनाए और 2017 में लेवी की प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मसाबा ने फैशन के साथ-साथ एक्टिंग में भी अपनी किस्मत आजमाई। वह 2019 में रियलिटी शो 'एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' में जज बनी, जहां उन्होंने युवा मॉडलों को मार्गदर्शन और फैशन के टिप्स दिए। इसके बाद 2020 में नेटफ्लिक्स ने उनकी और उनकी मां नीना गुप्ता की जिंदगी पर आधारित सीरीज 'मसाबा मसाबा' बनाई। इस शो में मसाबा ने खुद अपना किरदार निभाया। इसमें उनके फैशन करियर, व्यक्तिगत जीवन और मां-बेटी के रिश्ते की झलकियां दिखाई गईं।

नवंबर माह में पांच ग्रहों की बदलेगी चाल

ग्रहों के राशि परिवर्तन के लिहाज से नवंबर का महीना बहुत ही खास रहने वाला है। नवंबर के महीने में 5 प्रमुख बड़े ग्रहों में बदलाव देखने को मिलेगा। जिससे सभी राशि के जातकों पर इसका सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही तरह प्रभाव पड़ेगा। नवंबर माह में शनि, सूर्य, शुक्र, बुध और गुरु ग्रह की चाल बदलेगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नवंबर में शुक्र ग्रह 2 नवंबर को दोपहर 1:14 पर तुला राशि में प्रवेश करेंगे और 26 नवंबर को सुबह 11:21 पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। ग्रहों के राजकुमार बुध 10 नवंबर को वक्री होंगे और 23 नवंबर को तुला राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 29 नवंबर को मार्गी होंगे। गुरु 11 नवंबर को रात 10:11 पर वक्री होंगे। ग्रहों के राजा सूर्य 16 नवंबर को दोपहर 1:36 पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। ग्रहों के न्यायाधीश शनि 28 नवंबर को सुबह 9:20 पर मार्गी होंगे। बता दें कि शनि 13 जुलाई 2025 को वक्री हुए थे। ऐसे में कुछ राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बहुत ही शुभ साबित होगा।

शुक्र का तुला राशि में गोचर

वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक धन और भौतिक सुख–सुविधा के दाता शुक्र ग्रह 2 नवंबर को कन्या राशि से निकलकर अपनी राशि तुला में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को सौंदर्य, प्रेम, भौतिक सुख और धन का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में शुक्र का यह गोचर कई राशियों की किस्मत में बड़े बदलाव लेकर आएगा। कुछ राशियों को इस समय धन, सफलता और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। शुक्र के चाल बदलने से 4 राशियों कर्क, कन्या, तुला और मीन के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। धन, करियर और प्रेम जीवन में सुधार के योग बन रहे हैं। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है उनके जीवन में हमेशा सुख–सुविधा और ऐशोआराम मिलता है। वहीं अगर कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर होता है तो व्यक्ति का जीवन अभावों से गुजरता है। कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए शुक्रवार के दिन व्रत रखें और दही,चांदी और चावल आदि का दान करने का महत्व होता है।

गुरु 11 नवंबर को होंगे वक्री

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि हीं 11 नवंबर 2025 की रात 10:11 बजे से गुरु ग्रह भी कर्क राशि में वक्री होंगे। कर्क उनकी उच्च राशि है, इसलिए यह आत्ममंथन और विचारों की दिशा बदलने का समय साबित हो सकता है। गुरु ज्ञान, धर्म, और न्याय के प्रतीक हैं। इसलिए वक्री गुरु आत्मनिरीक्षण और सोच में गहराई लाएंगे।

सूर्य का 16 नवंबर को वृश्चिक राशि में गोचर

सूर्य हर एक माह में अपनी राशि बदलते हैं जिसे सूर्य सक्रांति के नाम से जाना जाता है। 16 नवंबर को सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि के जातकों को नौकरी में लाभ और मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। कुंडली में सूर्य के मजबूत होने पर जातकों को राज सत्ता का सुख प्राप्त होता है। कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन सूर्यदेव को जल अर्पित करना चाहिए।

बुध का 23 नवंबर को तुला राशि में प्रवेश

ग्रहों के राजकुमार बुधदेव इस समय वृश्चिक राशि में गोचर कर रहे हैं और 10 नवंबर को वक्री चल चलते हुए 23 नवंबर को तुला राशि में प्रवेश करेंगे इसके पश्चात 29 नवंबर को सीधी चाल यानी मार्गी होंगे और 6 दिसंबर को वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएंगे। जिन जातकों की कुंडली में बुध मजबूत होते हैं उन्हें व्यापार और वाणी में महारत हासिल होती है। ऐसे लोग बहुत ही होशियार स्वभाव के होते हैं। कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए इस दिन हरे रंग के कपड़े पहने और भगवान गणेश की उपासना करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर–जोधपुर
मो.9460872809

28 नवंबर को शनि होंगे मार्गी

ग्रहों के न्यायाधीश शनिदेव 13 जुलाई को मीन राशि में वक्री हुए थे और 28 नवंबर को मार्गी होंगे यानी सीधी चाल चलने लगेंगे। शनि के कुंभ राशि में मार्गी होने की वजह से मेष, वृषभ, तुला और धनु राशि के जातकों को विशेष राहत मिलेगी। इन राशि वालों की परेशानियां खत्म होंगी और कार्यो में सफलताएं मिलेंगी।

राशियों पर प्रभाव

नवंबर माह ग्रहों के गोचर के लिहाज से काफी खास रहने वाला होगा। नवंबर माह में शनि कुंभ राशि में मार्गी और फिर शुक्र, बुध और सूर्य अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। ऐसे में यह माह कुछ राशि के जातकों के लिए बहुत ही शुभ साबित हो सकता है। नवंबर माह में मेष, वृषभ, तुला, कर्क और कुंभ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। इन राशि वालों को पूरे माह में अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती है। जो लोग नई नौकरी की तलाश में उनके काम बन सकते हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा भी मिल सकता है।

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए–नए आविष्कार होंगे। नई–नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। परिवर्तन से व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

करें पूजा–पाठ और दान

ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आर–ाधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

जीवन में आने वाली बाधाएं कैसे होंगी दूर, जानें इन उपायों को

जीवन में कई बार अनेक प्रकार की कार्य बाधाएं उपस्थित हो जाती हैं जिससे व्यक्ति हताश, चिंतित और दुखी हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति अपना और अपने परिवार का भरण–पोषण करने के लिए नौकरी, व्यवसाय या व्यापार आदि करता है। कभी–कभी कार्यक्षेत्र में एवं घर–परिवार के कार्यों में भी बाधाएं उठ खड़ी होती हैं, जिनका प्रायः कोई समाधान नहीं दिखाई देता। ज्योतिष में इन कार्य बाधाओं का नाश करने के अनेक उपाय दिये गये हैं।

◆ तुलसी के तीन–चार पत्तों को ग्रहण करके घर से बाहर जाने पर सभी प्रकार की कार्य बाधा दूर हो जाती है।

◆ प्रातःकाल दीप जलाकर उसमें दो फूल वाली अखंडित लौंग डाल दें, उसके बाद घर से बाहर निकलें, आपके कार्यों में आने वाली समस्त बाधाएं समाप्त हो जायेंगी।

◆ घर से बाहर निकलते समय एक निश्चित धनराशि जिसमें एक सिक्का जरूर हो, हाथ में ले लें। उसे किसी भिक्षुक को देने से उसके आशीर्वाद से वह कार्य बाधा रहित होगा, जिसके लिए आप जा रहे हैं।

◆ प्रातः काल गणेश जी का स्मरण कर उन्हें दुर्वा घास अर्पित करके घर से बाहर निकलें, नौकरी या व्यवसाय की बाधाएं दूर होती चली जायेंगी ।

◆ घर के बाहर जाने से पहले भगवती दुर्गा को नौ लाल पुष्प चढ़ाएं, कार्यों में आने वाली बाधा नष्ट हो जायेगी।

◆ सफेद कपड़े की ध्वजा को पीपल के वृक्ष पर लगाने से व्यापार–व्यवसाय की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं।

◆ चावल और हल्दी को पीसकर उसके द्वारा घर के प्रवेश द्वार पर ऊं और स्वास्तिक बना दें, आपका घर सभी प्रकार की बाधाओं से सुरक्षित रहेगा।

◆ नित्य प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आदित्य हृदय स्तोत्र एवं राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं तथा स्वयं की रक्षा होती है।

◆ नौकरी, साक्षात्कार या किसी विशेष कार्य हेतु घर से बाहर निकलते समय गुड़, शक्कर, मिठाई या दही खा लें, आपके कार्य में कोई बाधा नहीं आयेगी।

शनिवार के दिन सरसों का तेल या काली उड़द का दान करने से कार्यों की सभी बाधाएं नष्ट हो जाती हैं।

◆ इन छोटे–छोटे उपायों की सहायता से आप जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। किसी ज्योतिषी को अपना सही–सही जन्म समय बताकर जन्म कुण्डली के माध्यम से अपने उपर चलने वाली महा दशा, अन्तर दशा एवं

◆ ग्रह गोचर को समझकर व्यक्तिगत उपाय करने से सटीकता के साथ विघ्न–बाधा दूर होती है। जन्मपत्री में प्रथम भाव के स्वामी लग्नेश, पंचम भाव के स्वामी पंचमेश एवं नवम भाव के स्वामी भाग्येश इत्यादि का रत्न किसी ज्ञानी ज्योतिषी से पूछकर सही विधि से प्राण प्रतिष्ठा के बाद धारण करने से जीवन में मनोवांछित परिणाम प्राप्त होते हैं तथा विघ्न–बाधाएं न्यूनतम हो जाती हैं।

तीन रास्ते, एक जीवन, मानव प्रयत्न की तीन दिशाएं, जब हर प्रयत्न का होता है अपना परिणाम

विचारपूर्वक किए जाने वाले क्रियमाण कर्म का नाम प्रयत्न है, प्रयत्न के तीन भेद हैं, शुभ कर्म, अशुभ कर्म और शुभाशुभ मिश्रित कर्म। शुभ कर्म का फल सुख, अशुभ कर्म का फल दुःख और शुभाशुभ मिश्रित कर्म का फल सुख–दुःख दोनों से मिला हुआ होता है। अधिकांश मनुष्यों को उनके प्रयत्न रूपी कर्मों का अच्छा, बुरा और मिला–जुला, फल परिणाम के रूप में प्राप्त होता है। मनुष्य कर्म करने में तो स्वतंत्र है, पर फल भोग में सर्वथा परतंत्र है। इसका अभिप्राय यह है कि व्यक्ति कर्म तो अपने अनुसार करता है, लेकिन अपने कर्मों के परिणाम को अपने अनुसार नियंत्रित नहीं कर सकता। फल का निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे समय, परिस्थितियां, अन्य लोगों के कर्म और सबसे बढ़कर, ईश्वर या ब्रह्मांड की न्याय व्यवस्था। प्रयत्न, मनुष्य के विचार, वाणी और आचरण, तीनों का सम्मिलित रूप है। प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर ने स्वतंत्र इच्छा प्रदान की है, जिसके आधार पर वह यह तय करता है कि उसे क्या करना है और क्या नहीं, यही उसकी कर्म करने की स्वतंत्रता है। गीता के दूसरे अध्याय के 47वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा भी है, कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात, मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं। इस दृष्टि से देखा जाए तो कर्म स्वतंत्रता का प्रतीक है, जबकि फल भोग नियति का परिणाम। पूर्व में निष्काम भाव से किए हुए कर्म और उपासना के फलस्वरूप मनुष्य को संत–महात्माओं का संग प्राप्त होता है, किन्तु उनके मिलने पर उनके बताए साधन को सुनकर उनके अनुसार मनुष्य प्रयत्न करता है, तो उसका कल्याण हो जाता है, केवल सुनने मात्र से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह अपने कर्मों को शुद्ध, निःस्वार्थ और कर्तव्यभाव से करे, क्योंकि फल उसी के अनुरूप प्राप्त होगा, चाहे तुरंत मिले या भविष्य में। फल की चिंता किए बिना कर्म करते रहना ही जीवन का श्रेष्ठ मार्ग है।

धन हानि से बचें और सुख–समृद्धि बढ़ाएं, व्यापार में सफलता व घर की समृद्धि के सरल वास्तु नियम

घर, दुकान और कार्यालय में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि व सफलता बनाए रखने के लिए बहुत ही सरल वास्तु नियम हैं, जैसे बैठने की दिशा, दर्पण का स्थान, ऋण लेने के शुभ–अशुभ दिन इत्यादि के बारे में ध्यान रखें।

◆ दुकानदार तथा दुकान के कर्मचारी को अधिक से अधिक प्रयास करना चाहिए कि वह पूर्व या उत्तर की तरफ मुख करके बैठें, दक्षिण या पश्चिम की ओर मुख करके बैठने से प्रायः अर्थ हानि एवं कष्ट होता है।

◆ सोने के कमरे में आईना होना अपशकुन माना जाता है। बिस्तर के बिल्कुल सामने आईना नहीं रखना चाहिए। इससे पति पत्नी के बीच मन मुटाव होता है। अगर आईना बिल्कुल बिस्तर के सामने हो तो उसे हटा दें या फिर परदा लगा दें।

◆ रविवार एवं मंगलवार को, संक्रांति के दिन, वृद्धि योग में, हस्त नक्षत्र में बैंक आदि से कर्ज नहीं लेना चाहिए। इन मुहूर्तों में ऋण (कर्ज) लेने वाला व्यक्ति सदैव ऋणी रहता है।

◆ मंगलवार को कभी भी ऋण (कर्जा) नहीं लेना चाहिए। यदि आप जल्दी से जल्दी कर्ज के बोझ से छुटकारा चाहते हैं तो कोशिश करें कि कर्ज का पैसा मंगलवार को ही लौटाएं।

◆ वैसे तो कर्ज कभी नहीं लेना चाहिए लेकिन अगर मजबूरी वश लेना ही पड़े तो कोशिश करें कि कर्ज बुधवार को ही लें।

◆ घर के दरवाजे के हत्थे पर तीन चीनी सिक्कों को, लाल रंग के रिबन या धागे से बांध कर दरवाजे के ऊपर की ओर लगाना चाहिए। इससे घर में लक्ष्मी आती है। इसे अपने बटुए में और गल्ले में भी रख सकते हैं।

◆ घर के कमरे में एक के बाद एक, एक ही पंक्ति में, तीन दरवाजे नहीं होने चाहिए। इससे शुभ (सकारात्मक, पॉजिटिव) ऊर्जा जल्दी से निकल जाती है और अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

◆ प्रतिदिन घर, दुकान एवं प्रतिष्ठान की सफाई करते वक्त पानी में थोड़ा नमक मिलाकर पोंछा लगाना चाहिए। यह नमक मिला पानी ''नकारात्मक'', ''अशुभ'' ऊर्जा को बाहर निकालने में सहायक होता है। इस सरल प्रयोग से घर, दुकान अथवा प्रतिष्ठान के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

◆ दफ्तर में दरवाजे की ओर पीठ करके नहीं बैठना चाहिए। इससे विश्वासघात की संभावना रहती है। दफ्तर में हमेशा इस तरह बैठना चाहिए कि दरवाजा आंखों के सामने हो, जिससे दफ्तर में आने वाले लोगों को अच्छी तरह देख सकें।

◆ यदि आपका व्यापार मंद चल रहा है तो दक्षिण दिशा की चार दीवारी के मुंडेर पर ईटों की चिनाई कराकर उसे ऊँचा करा दें, दक्षिण की दीवार ऊंची करने पर आप स्वयं अपने व्यवसाय में तेजी अनुभव करेंगे।

मालव्य राजयोग इन पांच राशियों को बनाएगा धनवान और भाग्यशाली

तुला राशि में शुक्र के गोचर से 3 नवंबर 2025, सोमवार को बेहद ही शुभ योग बन रहा है। कुंडली में शुक्र ग्रह के अपनी स्वराशि या उच्च राशि में होने से मालव्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। इस योग के बनने से व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार की सुख–सुविधाएं और ग्लैमर प्राप्त होता है। पंच महापुरुष योगों में से एक मालव्य योग के शुभ प्रभाव से वृष राशि के जातकों को धीरे–धीरे सफलता प्राप्त होगी। कर्क राशि के लोगों की विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी। तुला राशि वालों की आय कम और खर्च अधिक होगा। वृश्चिक राशि वालों को कई बड़ी डील मिल सकती है। वहीं, कुंभ राशि वालों को धन लाभ होने की प्रबल संभावना है।

मेष राशि : पुण्य कार्यों में धन खर्च होगा

मेष राशि का स्वामी मंगल व बुध दोनों अष्टम आयु सांसारिक सुख भाव में संचार कर रहे हैं। इसके फल स्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वन्दियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।

वृष राशि : सफलता की ओर कदम बढ़ेंगे

वृष राशि का स्वामी पंचम राशि का होने से संतान भाव में हो गया है। ऐसे में राजनीतिक प्रतिद्वंदी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे–धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। दिन का काम जल्दी खत्म करके सांयकाल का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं।

मिथुन राशि : व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी

आज का दिन आपके लिए सामान्य है। राशि का स्वामी बुध षष्ठम राज्य पराक्रम भाव प्रमुख कर्म केंद्र में राहु के साथ बैठे हैं। ऐसे में बौद्धिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष की ओर से हर्ष दायक समाचार से मनोबल बढ़ेगा। भाग्योदय का दिन है, सचेत रहें।

कर्क राशि : विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी

आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी। जन संपर्क में वृद्धि होने से आप प्रफुल्लित रहेंगे। राशि का स्वामी चन्द्रमा मीन राशि में गत होने से जाति व श्रेणी में हीन कोई व्यक्ति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है।

सिंह राशि : भाग्य हर काम में आपका साथ देगा

आज आपका भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा। बहुत समय से चली आ रही कटुता आपसी समझौते से समाप्त हो जाएगी। नया परिचय मित्रता में परिवर्तन हो सकता है।

कन्या राशि : सभी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे

आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। मीन राशि का चन्द्रमा आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। मंगल क्रियाशील और पुरुषार्थ ग्रह है इसलिए सुव्यवस्था करने में आपका कोई सानी नहीं है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश देगी।

तुला राशि : आय कम और खर्च अधिक होगा

आपकी राशि का स्वामी शुक्र प्रथम भाव में और आज गुरु भी मिथुन का मार्गी नवम ही है। अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे, व्यर्थ की भागदौड़ पारिवारिक अशांति विशेष रूप से रहेगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी।

वृश्चिक राशि : बड़ी डील फाइनल हो सकती है

आपकी राशि से नवम बृहस्पति पंचम शनि से आज का दिन चुनौती पूर्ण रहेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। यदि आप आज अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब हो जाए तो आने वाले दिनों में आपसे वरिष्ठ व्यक्ति भी आपकी प्रशंसा करेंगे।

धनु राशि : धन धान्य की वृद्धि होगी

राशि का स्वामी बृहस्पति मिथुन में है। चन्द्रमा आज मीन राशि द्वितीय भाव में संचार कर रहा है। राज्य कार्यों में सफलता, घर में धन धान्य की वृद्धि, कलत्र मित्रों से धन का लाभ, निरोगता, शत्रुओं पर विजय और सभी मनोरथ सिद्धि होगी। रात्रि में मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर राशि : जायदाद सम्बन्धी विवाद का समाधान होगा

राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में मार्गी है किन्तु चन्द्रमा जो दैनिक जीवन का बीज है, तृतीय भाव में राज्य विजय कारक है। आज सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि–जायदाद सम्बन्धी विवाद का समाधान भी हो जाएगा। सांयकाल के समय स्वास्थ्य कुछ ढ़ीला हो सकता है, ध्यान रखें।

कुंभ राशि : आय कम और खर्च अधिक होगा

राशि का स्वामी शनि द्वितीय कोष केंद्र भाव में स्वतंत्र रूप से संचार कर रहा है। कर्म फल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। भाई बन्धुओं से मतभेद व क्रोध अधिक न करें।

मीन राशि : भाग्य का सितारा चमकेगा

आपकी राशि का स्वामी देव गुरु बृहस्पति राशि से चतुर्थ भाव में मिथुन राशि का होकर विद्यमान है। चन्द्रमा भी प्रथम केन्द्र लक्ष्मी भवन में चल रहा है। फल स्वरूप आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारी रहेगा।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तस्वीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि देश की जनता इस आसन्न संकट के प्रति लगातार उदासीन बनी रहती है। वह चुनावों के दौरान न तो राजनेताओं पर इस संकट के समाधान के लिये दबाव बनाती है और न ही निजी जीवन में ऐसी कोई पहल करती है। इस तरह कहीं न कहीं इस प्रदूषण वृद्धि में हमारी भागीदारी बनी हुई है। अब भले ही कार्बन उत्सर्जित करने वाले ईंधन के उपयोग में कमी आई है, लेकिन अभी भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है। हम निजी जीवन में जितनी स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देंगे, उतना ही प्रदूषण धीरे-धीरे कम होता जाएगा। जनता को शासन-प्रशासन पर दबाव बनाना चाहिए कि वह समय रहते प्रदूषण नियंत्रण के लिये प्रयास करे। व्यक्ति के तौर पर हमें पटाखे व पराली जलाने वालों की निगरानी करनी होगी, ताकि प्रदूषण का स्तर कम करने में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

सहयोग से सामर्थ्य तक: भारत-अमेरिका रक्षा सूत्र की अविचल गूंज

भारत-अमेरिका रक्षा समझौता: 10 वर्षीय साझेदारी के नए आयाम

भारत और अमेरिका का नया रक्षा समझौता एक उदित सूर्य की भांति प्रकट हुआ है जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और सामर्थ्य की अविचल आभा बिखेर रहा है। 31 अक्टूबर को कुआलालंपुर में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए। यह दस वर्षीय समझौता केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक रणनीतिक क्रांति है – जो भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर के हर क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह साझेदारी 2015 के पुराने ढांचे को पीछे छोड़ते हुए एक मुक्त, समतामूलक और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता का द्योतक है।

हिंद महासागर की अथाह गहराइयों में, जहां हर लहर वैश्विक शक्ति-संतुलन की कहानी कहती है, वहीं भारत और अमेरिका का नया रक्षा समझौता एक उदित सूर्य की भांति प्रकट हुआ है जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और सामर्थ्य की अविचल आभा बिखेर रहा है। 31 अक्टूबर को कुआलालंपुर में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए। यह दस वर्षीय समझौता केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक रणनीतिक क्रांति है — जो भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर के हर क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह साझेदारी 2015 के पुराने ढांचे को पीछे छोड़ते हुए एक मुक्त, समतामूलक और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता का द्योतक है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस पहल को "द्विपक्षीय संबंधों का अटल रक्षा स्तंभ" बताया, वहीं हेगसेथ के शब्दों में — "भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी अब अभूतपूर्व ऊँचाइयों पर पहुँच चुकी है।" यह महत्त्वपूर्ण समझौता न केवल रणनीतिक समीकरणों को नई दिशा और गति प्रदान करेगा, बल्कि आने वाले दशक में वैश्विक शक्ति-संतुलन की धुरी को भी पुनर्परिभाषित करेगा। इस ऐतिहासिक साझेदारी की जड़ें 1995 तक जाती हैं, जब भारत और अमेरिका ने पहली बार रक्षा सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाया था। समय के साथ यह संबंध और प्रगाढ़ हुआ—2016 का लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (लेमोआ) और 2020 का बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (बेका) इस विश्वास की मजबूत नींव बने। अब यह नया फ्रेमवर्क सैन्य अंतरसंचालनीयता, सूचना साझेदारी, और तकनीकी नवाचार को नई गति देगा। तथ्य स्वयं बोलते हैं—भारत ने पिछले दशक में अमेरिका से 22 अरब डॉलर से अधिक के रक्षा उपकरण खरीदे हैं, जिनमें सी-17 ग्लोबमास्टर, पी-8आई पोसाइडन, और अपाचे हेलीकॉप्टर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं। यह समझौता न केवल रणनीतिक

विश्वास को गहरा करता है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' को भी नई ऊर्जा प्रदान करता है। उदाहरणस्वरूप, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और जीई एयरोस्पेस के बीच एफ-414 जेट इंजन का संयुक्त उत्पादन 2026 तक शुरू होगा — यह भारत की रक्षा स्वावलंबन यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। अमेरिकी पेंटागन के अनुसार, मालाबार और टाइगर ट्रायम्फ जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच तालमेल और विश्वास को और प्रगाढ़ करेंगे — जो क्षेत्रीय संतुलन और निवारण का दृढ़ आधार बनेंगे। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता—विशेषकर दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में—के बीच यह समझौता एक सशक्त संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरता है। अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ ने चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून से भेंट के दौरान इसे "क्षेत्रीय स्थिरता का कोरस्टोन" करार दिया, जो इसके रणनीतिक महत्व को स्पष्ट करता है। यह नया फ्रेमवर्क रक्षा सहयोग को केवल सीमित दायरे में नहीं रखता, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक, और साइबर सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में साझेदारी को प्राथमिकता देता है। इंडस-एक्स जैसे मंच भारत-अमेरिका के स्टार्टअप्स और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ते हुए स्वदेशी उत्पादन और रोजगार सृजन को नई उड़ान देंगे — अनुमानतः लाखों नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। इस सहयोग की बुनियाद पहले ही रखी जा चुकी थी — 2016 में भारत को मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा और 2018 में स्ट्रैटेजिक ट्रेड ऑथराइजेशन (एसटीए टियर-1) की मान्यता ने इसे संस्थागत मजबूती दी। आज यह साझेदारी केवल सैन्य तालमेल का प्रतीक नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि और तकनीकी स्वावलंबन का भी आधार बन रही है, जो भारत को आने वाले वर्षों में वैश्विक रक्षा नवाचार का केंद्र बना देगी। चुनौतियाँ भी कम नहीं रहीं। अगस्त 2025 में ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय आयात पर 50% तक टैरिफ वृद्धि ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा किया। इसके जवाब में भारत ने अमेरिकी रक्षा खरीद को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया। साथ ही, रूस से तेल आयात को लेकर वाशिंगटन की आलोचना ने स्थिति को और पेचीदा बना दिया। इन नीतिगत मतभेदों के कारण लगभग 48 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी, जिसके चलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की वाशिंगटन यात्रा रद्द करनी पड़ी। फिर भी, भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग इन अस्थायी विवादों से ऊपर उठा। 27 अक्टूबर को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की कुआलालंपुर में हुई मुलाकात ने संबंधों में नए सिरे से विश्वास और संवाद का द्वार खोला। अक्टूबर में अमेरिका द्वारा रूस की तेल कंपनियों — रोसनेफ्ट और लुकोइल — पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूसी तेल आयात घटाकर 1.8 मिलियन बैरल प्रतिदिन से कम कर दिया। परिणामस्वरूप, भारतीय रिफाइनरियों की अमेरिकी कच्चे तेल पर निर्भरता 2022 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुँच गई। दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान ट्रंप ने यह संदेश दिया कि, "भारत के साथ निष्पक्ष व्यापार समझौता हमारी प्राथमिकता है।" यह बयान संकेत देता है कि मतभेदों के बावजूद भारत-अमेरिका साझेदारी का सामरिक व आर्थिक भविष्य सशक्त और दीर्घकालिक है। यह दस वर्षीय रणनीतिक फ्रेमवर्क केवल एक समझौता नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली घोषणा है — जिसकी गूंज वैश्विक मंचों पर सुनाई देगी। 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद के माध्यम से भारत और अमेरिका अब जलवायु परिवर्तन, साइबर युद्ध, और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे उभरते खतरों का संयुक्त रूप से सामना करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता क्वांटम कंप्यूटिंग, स्वायत्त प्रणालियों, और उन्नत रक्षा तकनीकों के क्षेत्र में साझेदारी का नया अध्याय खोलेगा। यह साझेदारी भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों को अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति से इस तरह जोड़ती है कि क्षेत्रीय और वैश्विक हितों की एक नई धारा प्रवाहित होती दिखती है। यह गठबंधन केवल सुरक्षा का करार नहीं, बल्कि लोकतंत्र, स्वतंत्रता और नियम-आधारित व्यवस्था जैसे साझा मूल्यों का उत्सव है। तनाव और मतभेदों के बावजूद, यह साझेदारी सिद्ध करती है कि रणनीतिक आवश्यकताएँ हमेशा व्यापारिक विवादों पर विजय प्राप्त करती हैं। आने वाला दशक इस सहयोग का स्वर्णयुग होगा — जहाँ भारत और अमेरिका मिलकर न केवल क्षेत्रीय शांति सुनिश्चित करेंगे, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में नया संतुलन स्थापित करेंगे। जैसे हिंद महासागर की लहरें अनंत क्षितिज तक फैलती हैं, वैसे ही यह साझेदारी भारत और अमेरिका को एक सुरक्षित, समृद्ध और शक्तिशाली भविष्य की ओर अग्रसर करेगी — जहाँ सहयोग प्रतिस्पर्धा से ऊपर होगा, और शांति ही विश्व की नई पहचान बनेगी।

देश दुनिया से

तीज-त्यौहार से अधिक महत्वपूर्ण है- नशे के दैत्य को समाप्त करना

कई लोग यह प्रश्न पूछते हैं कि भारत के युवाओं को मादक द्रव्य के नशे की लत क्यों है? पर सच्चाई ये है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित व्यवसाय के रूप में नशे की अमर बेल फलफूल रही है और सभी युवाओं को तो नहीं, पर बहुत से युवाओं और बुजुर्गों को भी है नशे की लत। कहते हैं कि सबसे अच्छा व्यसन (लत) तो विद्या और ईश्वर भक्ति का ही होता है-'विद्याभ्यासं व्यसनं 'थवा हरिपाद सेवा व्यसनं।'

वैसे देखा जाय तो व्यसन (लत) मादक द्रव्य के अलावा धन-दौलत और प्यार का भी होता है पर मादक द्रव्य जैसे- शराब, तंबाकू, ड्रग्स का नशा शरीर के अति संवेदनशील अंगों को बीमार और बेकार कर व्यक्ति को मृत्यु के मुख में धकेल सकता है और गर्भस्थ शिशु का तो सर्वनाश कर देता है। नशा शौक के कारण हो, 'शॉक' के कारण हो या कुसंगति के कारण हो, इसके चक्कर में अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं। नशेबाज का घरेलू और वैवाहिक जीवन- दोनों नष्ट होते हैं, झगड़े-क्लेश से या नशे का शिकार होकर अनैतिक आचरण के कारण। इस बात पर सभी सहमत हैं कि नशे को शत्रु समझकर उसका प्रतिकार करना चाहिए। नशे की लत खोखला कर रही है समाज को। इस विषय की गंभीरता को लेकर अपने यहां 'उड़ता पंजाब' फिल्म भी बनाई गई।

हमारे देश में नशे की लत के कई गंभीर कारण हैं। पहला कारण है- पौराणिक कथाओं में देवलोक (स्वर्ग) में अप्सरा और मदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था। समुद्र-मंथन की कथा में वारुणी (मदिरा) उत्पन्न होने पर दानवों को सौंप दिया गया था जो असभ्य और बर्बर समझे जाते थे। फिर देवलोक में यह कहाँ से आ गया, यह कहीं स्पष्ट नहीं। कारण जो भी हो, पर धरती पर मदिरा को उच्च कोटि की विलासिता का स्थान प्राप्त हो चुका है। मदिरापान न करनेवालों को गंवार, मध्यमवर्गीय (मिड्ल क्लास), डरपोक और आर्थिक रूप से लाचार समझा जाता है। शाक्त और शैव भक्ति समुदाय में भांग, धतूरा, अफीम, गांजा, मांस और नदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था है। देशी बादशाहों के यहाँ चांदी की चिलम या हुक्का, मय (शराब), मयखाना और साकी सामान्य शब्द थे। गांव में किसी का विरोध करना हो तो सबसे पहले उसके साथ 'हुक्का-पानी' बंद किया जाता था। इससे स्पष्ट है कि मादक द्रव्य का नशा पौराणिक और ऐतिहासिक रूप से काफी सीमा तक भारतीय संस्कृति में समा गया है जिसे हर समुदाय का समर्थन मिला।

दूसरा कारण है- यूरोप की ठंडी और समशीतोष्ण जलवायु में अंगूर जैसे मीठे फल की अच्छी खेती होती है। इस अंगूर लता (ग्रेप्-वाइन) से रसीले फल, सूखे फल- किश-मिश, मुनक्का के साथ-साथ मदिरा (वाइन) का व्यापक स्तर पर उत्पादन होता है। 'वाइन' बनाकर उसका नित्य सेवन और निर्यात भी किया जाता है। इसी प्रकार, ठंडे देशों में गेहूं, चावल, जौ, मक्का, राई जैसे अनाज की खेती होती है। इन अनाजों से भी मदिरा का व्यापक स्तर पर उत्पादन और निर्यात होता है। पाश्चात्य उच्च वर्ग के जैसा बनने या दिखने की चाह में देश में अधिकाँश समारोह और भोज में नशा किया जा रहा है। पर कहते हैं- 'नकल में भी अकल चाहिए'। पाश्चात्य सभ्यता की नकल के चक्कर में पड़कर भारत की गर्म जलवायु के अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं।

तीसरा कारण है- व्यवसायी वर्ग को मादक द्रव्य के व्यवसाय से आर्थिक लाभ की आशा अधिक होती है और लोगों के स्वास्थ्य की चिंता कम। और उन्हें उत्पादन की छूट देने से प्रशासन को राजस्व का लाभ मिलता है। जगह-जगह शराब की दुकानें खोलने की घटना सामने आ रही है। देश की गली-गली में तंबाकू, गुटका, पान-मसाला की लड़ियाँ लटक रही हैं, रास्ते और बाग-बगीचे में इनके ठूंठ, बोतल, फटे टुकड़े फैले हुए हैं और हर बाजार में 'कैफे एंड बार', रेस्टोरेंट एंड बार', 'होटल एंड बार' कुकुरमुत्ते के झुण्ड की तरह उगते जा रहे हैं। ये सभी कानून की सीमा में रहते हुए आराम से चल रहे हैं।

चौथा कारण- बाहरी कुछ देशों से मादक द्रव्य चोरी-छिपे देश में लगातार आता रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया में म्यांमार, लाओस और थाईलैंड की सीमाओं से घिरा हुआ 'गोल्डन ट्रायंगल' नामक क्षेत्र 1950 के दशक से लेकर 21वीं सदी की शुरूआत तक दुनिया के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों में से एक रहा है। जब अफगानिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक बना तो म्यांमार दूसरे नम्बर पर आ गया और 2022 तक बना रहा। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के ड्रग्स एंड क्राइम रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में म्यांमार दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक देश बन गया। भारत के पड़ोसी देशों में नशीले द्रव्य के उत्पादन और निर्यात से एशिया के अधिकांश हिस्सों में विशेषकर भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के गंभीर परिणाम होंगे ही। अब तो इंग्लैंड से व्यापार समझौता होने पर अंग्रेजी शराब 'सस्ता, सुंदर और टिकाऊ' व्यसन बनने जा रही है। जब चारों ओर मादक द्रव्य के व्यापार का नारा गूंज रहा है, किसका साहस है- नशे को गलत कहने या बंद करवाने का?

आप का नजरिया

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है।

छिले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं।

कुछ अलग

गवर्नर से बड़ी मां की आज्ञा

कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति और उच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। इसी कारण से उन्हें विदेश जाने के अनेक अवसर प्राप्त हुए थे। लेकिन उनकी माताजी की दृष्टि में विदेश जाना संस्कारों के उल्लंघन के समान था। उन्होंने पुत्र आशुतोष को विदेश जाने की अनुमति नहीं दी। तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर लॉर्ड कर्जन आशुतोष मुखर्जी के ज्ञान एवं प्रतिभाशाली व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित थे। वे उनके द्वारा भारत में किए गए उत्तम शिक्षण कार्य की एक झलक ब्रिटिश सरकार को दिखाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने आशुतोष को एक बार ब्रिटेन का दौरा करने के लिए कहा। आशुतोष ने अपनी माताजी की सहमति न होने की बात कही। लॉर्ड कर्जन को यह बात कुछ अजीब-सी लगी। उन्होंने अपनी सत्ता तथा अहंकार भरे स्वर में आशुतोषजी को कहा, 'घर जाओ और माताजी से कहो कि भारत के गवर्नर लॉर्ड कर्जन तुम्हें ब्रिटेन जाने की अनुमति दे रहे हैं।' आशुतोष ने बड़ी ही विनम्रता और आत्मविश्वास के साथ लॉर्ड कर्जन को जवाब दिया, 'मैं आशुतोष मुखर्जी, अपनी माताजी की इच्छा की उपेक्षा करके किसी अन्य व्यक्ति की आज्ञा का पालन कभी नहीं करूंगा, फिर भले ही वह किसी भी देश का गवर्नर जनरल हो या उससे भी बड़ा व्यक्ति हो।

दृष्टि कोण

घातक होगा दबाव में विदेशी खाद्यान्न हेतु बाजार खोलना

भारत को उन दिनों में वापस नहीं जाने दिया जा सकता जब देश का पेट भरने के लिए खाद्यान्न समुद्री जहाजों से आया करता था। भूख से आज़ादी सुनिश्चित करने से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं है, और वह भी किसी भी कीमत पर। ऐसे समय में जब अन्न फसलें – गेहूं और धान– की खेती अभी भी अपना वजूद बनाए हुए हैं, शेष लगभग सभी प्रमुख फसलों की चमक फीकी पड़ गई है। चाहे वह दालें हों, तिलहन (सोयाबीन सहित), कपास और मक्का, इनकी कीमतें तेजी से गिर रही हैं। खतरे की घंटियां इससे पहले इतनी ज़ोर से कभी नहीं बजीं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग को संबोधित करते हुए हिम्मत भरा रुख दिखाया है कि भारत 'सिर पर बंदूक तनवाकर' सौदे नहीं करता। इस मुश्किल समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहे गए ये साहसी शब्द मुझे उन दिनों की याद दिलाते हैं जब तत्कालीन कृषि मंत्री जगजीवन राम रोम में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय में एक बैठक से गुस्से में बाहर निकल गए थे। यदि मैं उस वक्त के कृषि सचिव डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने मुझसे जो कहा था, उसे सही ढंग से बता पाऊं, तो उन्होंने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी से कहा, 'भाड़ में जाए तुम और तुम्हारी हमें कृषि निर्यात बेचने की नीयत' और आगे कहा : भारत कभी भी अमेरिका से खाद्यान्न आयात नहीं करेगा।' जगजीवन राम 1974 से 1977 तक कृषि एवं सिंचाई मंत्री रहे थे। यह स्वामीनाथन का जवाब था, जब मैंने उनसे पूछा कि आजादी के बाद से लगभग सभी कृषि मंत्रियों के साथ विभिन्न पदों पर काम करने का सौभाग्य मिलने के बाद उन्हें कौन-सा कृषि मंत्री सबसे अच्छा लगा। इसलिए हमें याद रखना चाहिए कि अमेरिका हमेशा से विशाल भारतीय कृषि बाजार में पैर जमाने की हसरत रखता आया है। कोई आश्चर्य नहीं कि भारत में कृषि उत्पादों के लिए प्रवेश पाना असल में अमेरिका की विदेश नीति की एक बड़ी इच्छा रही है। ऐसा हो नहीं पाया, लेकिन हाल ही में, जब ट्रंप का

धक्केशाही वाले और सनकी तरीके से टैरिफ लगाना देशों को नई विश्व व्यवस्था अपनाने को मजबूर कर रहा है, भारत ने चल रही अमेरिका-भारत व्यापार वार्ताओं में अब तो अपनी कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। लेकिन मजबूत घरेलू लॉबियां जो सदा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों के साथ खड़ी रहती हैं और वह भी आत्मनिर्भरता के नाम पर, एक बार फिर सक्रिय हो उठी हैं। अमेरिका के साथ कपास, सोयाबीन, मक्का, डेयरी, सेब और अन्य स्टोन फ्रूट्स के लिए भारतीय आयात खोलने की जिस दलील को सबके लिए जीत वाला 'रणनीतिक' व्यापार सौदा बताया जा रहा है, उसमें घरेलू हकीकतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। अगला लक्ष्य ज़ाहिर तौर पर चावल होगा, उसके बाद गेहूं, जिसमें अमेरिका का असली हित छिपा है। नीति आयोग ने पहले ही एक वर्किंग पेपर वापस ले लिया है, जिसमें विवादित जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सेब, मक्का और सोयाबीन को प्रवेश देने का मसौदा था, लेकिन कुछ दूसरे मुख्यधारा के अर्थशास्त्री भी हैं जो कपास पर ज़ीरो ड्यूटी इंपोर्ट की तरह दूध एवं दुग्ध प्रोडक्ट्स के लिए भी भारतीय बाजार खोलने को सही मानते हैं। बिना यह अहसास किए कि अमेरिका में उगाने वाले किसान लगभग 8,000 हैं, जिनके खेतों का औसत आकार 600 हेक्टेयर है, उन्हें आज भी सालाना 100,000 डॉलर से ज़्यादा की सब्सिडी मिलती है। इससे इनकी अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम हो जाती हैं, जिसकी वजह से विकासशील देशों के किसानों को नुकसान होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक होंगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है । जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 नवंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 02:07 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा सायं 03:06 तक
योग : हर्षण रात्रि 07:39 तक
करण : कौलव सायं 03:42 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोम प्रदोष व्रत , गण्डमूल सायं 03:06 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान बन रहा अग्रणी : भजनलाल

जयपुर, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का वो मजबूत स्तम्भ है जो समाज में न्याय और समानता की अलख जगाता है। सशक्त न्याय व्यवस्था से ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने न्याय की परिभाषा को बदलने का काम किया है। प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आने वाले समय में देश में अग्रणी राज्य होगा। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जोधपुर में आयोजित बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के लिए नवनिर्मित भवन लोकतंत्र को और भी मजबूत करने का काम करेगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन देगा।

शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। हर व्यक्ति न्याय की आस लेकर कोर्ट–कचहरी में आता है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सुलभ न्याय मिलने से ही विकास की यात्रा पूरा हो सकेगी। न्यायपूर्णता के साथ ही, विकास सार्थक होता है। बार कौंसिल आमजन की न्याय की आकांक्षाओं को पूरी करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन कर रही है। साथ ही नए जजों की नियुक्ति भी तीव्र गति से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हित के कार्य हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज के शिल्पकार होने के साथ ही न्याय व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जिनकी तर्कशक्ति, आपका ज्ञान और आपकी प्रतिबद्धता ही न्याय का आधार है। अधिवक्ता लोगो के भरोसे के जीत की प्रतिमूर्ति हैं। लोगों का यह विश्वास और आस्था ही हमारी न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है और जनता के इस विश्वास को मजबूत करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

जोधपुर में आयोजित मुख्य समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता, जस्टिस विजय बिश्नोई, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा, न्यायाधीश जस्टिस डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भरत व्यास, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन भुवनेश शर्मा, वाइस चेयरमैन देवेंद्र सिंह राठौड़, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के को–चेयरमैन सुरेश चंद्र श्रीमाली सहित न्यायाधीशगण, बार कौंसिल के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे। वहीं, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा वीसी के माध्यम से जुड़े।

8 प्रकरणों में कुल 13 कार्मिकों के विरुद्ध विभिन्न अनुशासनात्मक कार्यवाही का अनुमोदन

जयपुर, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध 8 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17–ए के अन्तर्गत जल जीवन मिशन की निविदाओं में गड़बड़ी के 01 प्रकरण में 03 अभियंताओं के विरूद्ध विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने का पूर्वानुमोदन किया है। साथ ही, सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के 02 प्रकरणों में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के दण्ड से दण्डित भी किया गया है।

इसी प्रकार, नियम 16 सीसीए में प्रमाणित आरोपों की जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए 01 प्रकरण को राज्यपाल के अनुमोदन हेतु अग्रेषित किया गया है। इसके साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध राज्यपाल से अनुमोदित 01 प्रकरण में पेंशन रोके जाने के दण्ड से दण्डित किया गया है। वहीं, 02 प्रकरणों में सीसीए नियम 34 के तहत अपील याचिका को खारिज करते हुए पूर्व प्रदत्त दण्ड को यथावत रखा गया है।

एसआईआर में लापरवाही पर भरतपुर में बड़ी कार्रवाई

मतदाता सूची कार्य में लापरवाही पर बीएलओ निलंबित

भरतपुर, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमर चौधरी ने बीएलओ शुभम परमार को निलंबित किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम–2026 के अंतर्गत मैपिंग ऑफ इलेक्टर्स–2025, पूर्ववर्ती विशेष गहन पुनरीक्षण –2002 तथा बी.एल.ओ. ऐप पर प्रोजनी मैपिंग से संबंधित कार्यों में उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने और राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में लापरवाही बरतने पर बी.एल.ओ. एवं कनिष्ठ सहायक शुभम परमार (भाग संख्या–109, विधानसभा क्षेत्र–073 भरतपुर), कार्यालय संयुक्त निदेशक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, भरतपुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्होंने बताया कि निलंबन अवधि के दौरान बी एल ओ शुभम परमार का मुख्यालय कार्यालय उपखंड अधिकारी, वैर, निर्धारित किया गया है तथा उन्हें इस अवधि में नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील एवं राष्ट्रीय दायित्वों से जुड़ा हुआ है। ऐसे कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या शिथिलता को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे निर्वाचन से संबंधित समस्त कार्यों को निर्धारित समय सीमा में, गुणवत्तापूर्ण एवं पूर्ण निष्ठा के साथ संपादित करें, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

सर्वसमाज की एकता और सौहार्द ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति : जवाहर सिंह

डीग, 02 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार का दिन डीग–नगर क्षेत्र में सामाजिक समरसता और सर्वसमाज की एकता के एक अविस्मरणीय उत्सव का साक्षी बना। राजस्थान सरकार के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विभिन्न समाजों द्वारा आयोजित विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलनों में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी नव–दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर: संत रविदास समिति के 'सर्वजातीय' सम्मेलन में हुए शामिल बेढ़म ने अपने दौरे की शुरुआत नगर से की, जहाँ वे संत रविदास सेवा समिति द्वारा आयोजित सर्वजातीय समाज एवं जाटव समाज के भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर, 36 बिरादरी के लोगों और आयोजक समिति ने बेढ़म का विशाल पुष्प–माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी नव–विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने नगर में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित 11वें आदर्श सामूहिक विवाह एवं सामाजिक सम्मेलन में भी मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर, जांगिड़ समाज के पदाधिकारियों ने बेढ़म का भव्य स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्री बेढ़म ने इस पावन आयोजन के लिए जांगिड़ समाज को बधाई दी और सभी नव–दंपतियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की।

इसके पश्चात, गृह राज्य मंत्री बेढ़म डीग में प्रजापति समाज द्वारा आयोजित भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित हुए। उनकी उपस्थिति ने समारोह में एक नया उत्साह भर दिया। उन्होंने सभी नव–दंपतियों के उज्ज्वल, सुखमय और मंगलमय वैवाहिक जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके परिवारों को इस प्रगतिशील कदम के लिए बधाई दी। इन सम्मेलनों में उमड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए बेढ़म ने कहा, ये सामूहिक विवाह समारोह केवल पारिवारिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को और भी मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम हैं।

हरियाणा कांग्रेस अनुशासनात्मक समिति की पहली बैठक सम्पन्न, पार्टी अनुशासन बनाए रखने पर जोर

चंडीगढ़, 02 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवगठित अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की प्रथम बैठक रविवार को चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में समिति के अध्यक्ष व पूर्व सांसद चौ. धर्मपाल सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समिति के सदस्य विधायक चौ. अकरम खान, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व विधायक अनिल कुमार धंतोड़ी तथा सदस्य–सचिव एडवोकेट रोहित जैन उपस्थित रहे। समिति के सदस्य–सचिव रोहित जैन ने बताया कि पार्टी में अनुशासन बनाये रखने की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के माननीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचित (संगठन) केसी वेणुगोपाल, हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद, सहप्रभारी प्रफुल गुडधे व जितेन्द्र बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा तथा रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि वे एकजुटता के साथ पार्टी हित में कार्य करेंगे और पार्टी की गतिविधयों को सुचारू रूप से संचालित करने का भरसक प्रयत्न करेंगे। समिति ने यह आश्वासन भी दिलाया कि अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलों में पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन चौ. धर्मपाल सिंह मलिक ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक का शुभारंभ किया और समिति के गठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में समिति के कार्यों एवं अधिकार क्षेत्र पर चर्चा की गई तथा अनुशासनात्मक प्रावधानों एवं प्रक्रिया की समीक्षा की गई। परंतु अगर कोई पार्टी नेता अथवा कार्यकर्ता पार्टी फोरम पर अपनी बात रखने के बजाये सार्वजनिक तौर पर किसी नेता या पार्टी के विरूद्ध बयानबाजी करता है तो यह पार्टी संविधान की उल्लंघना माना जायेगा और उसके खिलाफ सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा सरकार में किसानों को न मुआवजा मिल रहा और न ही एमएसपी : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 02 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज प्रदेश में किसान अपनी फसल धान, मूंग,बाजरा बेचने के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं और सरकार की नाकामी की वजह से मंडियों के अन्दर फसल खुले आसमान के नीचे पड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एमएसपी के नाम पर केवल झूठा दिखावा किया जा रहा है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अकेले करनाल जिले में 100 करोड़ से ऊपर का धान घोटाला सरकार की आंखों के सामने हुआ है और इसके बावजूद सरकार मौन है। वे रविवार को जींद और हिसार जिले के दौरे के ग्रामीणों से रूबरू थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि डीएपी और यूरिया के लिए किसानों को लाइनों में लगना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खाद के लिए किसान को अपनी जमीन की फर्द पोर्टल पर लगानी पड़ रही है। ऐसे में आज किसान प्रदेश में असहाय महसूस कर रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले दो माह से नलवा, नारनौंद, बरवाला, उकलाना और हांसी सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में भरा हुआ बरसात का पानी अभी तक सरकार खेतों से नहीं निकाल पाई है। इन हालातों में किसान अपनी अगली फसल की बिजाई कैसे करेगा ? दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में हर वर्ग सरकार की गलत नीतियों से परेशान हैं और किसान, व्यापारी व आमजन त्रस्त है। ऐसे में प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि हांसी–बरवाला रोड पिछले कई महीनों से बंद पड़ी था और कोई सुध लेने वाला ही नहीं है। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मदनहेड़ी गांव में रूस की सेना में तैनात सोनू श्योराण के निधन पर शोक जताने पहुंचे और कहा कि आज रोजगार न होने की वजह से युवा देश से पलायन कर रहे है, जो की चिंता का विषय है।

निरंकारी मिशन समाज सेवा में भी अग्रणी : नायब सिंह सैनी

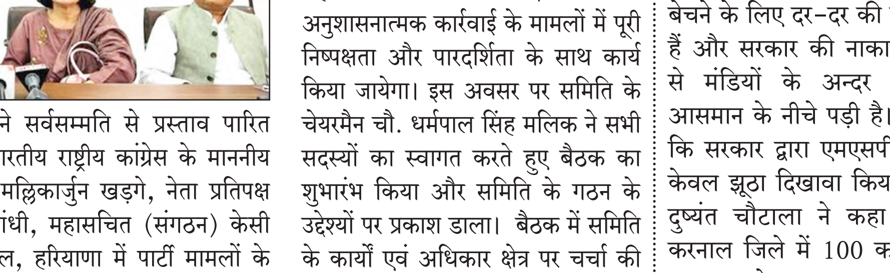

चंडीगढ़, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निरंकारी संत समागम में रविवार को उपस्थित लाखों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निरंकारी मिशन ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर मानव को एकता का मार्ग दिखाया है। इस मिशन ने वर्षों से समाज में प्रेम एकता, मानवता और ईश्वर ज्ञान का संदेश फैलाया है। जब भी इस तरह के कार्यक्रमों में श्रद्धालु एक छत के नीचे एक नाम और एक भावना के साथ एकत्रित होते हैं तब यह धरती शांति और करुणा की जीवंत मिसाल बन जाती है। उन्होंने समालखा में आयोजित 78 वें निरंकारी संत समागम में उपस्थित श्रद्धालुओं को हृदय की गहराइयों से अपनी बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि संत निरंकारी मिशन वर्षों से सेवा भाव का संवाहक रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज के समय में हम अक्सर बाहरी जगत को सुधारने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने भीतर ही झांकना भूल जाते हैं। यहां आयोजित इस संत समागम में आत्म मंथन करने का जो अवसर मिला है , यह हम सबको निरंकार के और निकट लाता है। आत्ममंथन का अर्थ है कि अपने अंतर्मन में उतरकर यह देखना कि मैं वही कर रहा हूं जो एक अच्छे इंसान को करना चाहिए और हम सबके भीतर करुणा, दया और प्रेम जीवित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन हमें सिखाता है कि ईश्वर हमारे भीतर ही निवास करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन केवल आध्यात्मिकता तक ही सीमित नहीं है बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी है।

मिशन के द्वारा रक्तदान, वृक्षारोपण अभियान, शिक्षा में सहायता, नशे की रोकथाम और आपदा प्रबंधन के कार्यों में अभूतपूर्व कार्य किया है और यह सिद्ध किया है कि सच्चा सेवक वही है जो दूसरों के लिए जीता है। मिशन ने इस बार आत्ममंथन के साथ पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और जन कल्याण से जुड़ी कई गतिविधियां भी आरंभ की है, जो की आत्ममंथन का ही विस्तार है क्योंकि जब मानव स्वयं में सुधार लाता है तभी समाज और राष्ट्र का सुधार संभव हो पाता है। बाबा हरदेव सिंह जी, माता सविंदर हरदेव जी, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्गदर्शन में इस मिशन ने विश्व भर में यह संदेश फैलाया है कि पहले मनुष्य बनो यानी प्रेम, सहयोग और समर्पण को अपने जीवन की मूल भावना बनाएं। निरंकारी संत समागम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना इत्यादि भी उपस्थित रहे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना जीवन का सर्वोच्च मंत्र

विश्वविद्यालयों में ई-कोर्ट साइबर-लॉ और एआई ट्रेनिंग पर जोर

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय प्रदेश और देश दोनों के लिए गौरव का विषय है। यहां से निकलने वाले छात्र समाज और राष्ट्र की न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिया जाने वाला दीक्षा मंत्र, सत्यं वद्, धर्मं चर (सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो) भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा की नींव है। यही भावना हमारे संविधान, संसद और न्यायपालिका के बोधवाक्य धर्मो रक्षति रक्षितः और यतो धर्मस्य ततो जयः में भी प्रतिबिंबित होती है।

सीएम योगी ने कहा कि धर्म हमारे लिए जीवन पद्धति का हिस्सा है, जबकि उपासना आस्था का विषय है। धर्म का अर्थ है अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना। इसी भावना के साथ युवाओं को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए एक सुदृढ़ न्यायिक प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। न्याय व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना उतना ही सरल होगा। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्राचीन काल का रामराज्य भेदभाव रहित और न्यायसंगत शासन का प्रतीक था, जिसे आज की आधुनिक व्यवस्था में सुशासन के रूप में प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ई-कोर्ट प्रणाली, वैकल्पिक विवाद निपटान, साइबर लॉ प्रशिक्षण, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर विशेष जोर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आधुनिक प्रशिक्षण कक्ष, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और छात्रावास के निर्माण कार्य भी कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों, अभियोजकों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के स्किल डेवलपमेंट और प्रशिक्षण के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत ने तीन नए कानूनों-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू कर न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूल ऑफ लॉ तभी प्रभावी हो सकता है जब बेंच (न्यायपीठ) और बार (अधिवक्ता समाज) के बीच बेहतरीन समन्वय हो। बेंच विवेक का प्रतीक है और बार संवेदना का। जब विवेक और संवेदना साथ आते हैं, तब न्याय का सच्चा स्वरूप मूर्त रूप लेता है।

सीएम योगी ने जानकारी दी कि प्रदेश में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ हो चुका है। 10 जनपदों में इसके लिए धनराशि जारी कर दी गई है, जहां एक ही परिसर में सभी स्तरों के न्यायालय, अधिवक्ता कक्ष और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय अब अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के लिए देशभर में जाना जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश में 380 से अधिक पॉक्सो और फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए गए हैं। साथ ही, लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के प्रयास भी तेज हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में हर रेंज पर विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं तथा उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक संस्थान की स्थापना कर युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट, ई-पुलिसिंग, ई-प्रॉसीक्यूशन और ई-फॉरेंसिक को एकीकृत प्लेटफॉर्म पर जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। इससे न्यायिक प्रणाली अधिक पारदर्शी, त्वरित और सशक्त बनेगी। अंत में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के छात्रों से कहा कि वे सत्य, धर्म और निष्ठा के पथ पर चलते हुए देश की न्याय व्यवस्था को नई दिशा दें। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भी बधाई दी, जो इस माह भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विश्वविद्यालय के विजिटर और सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश सरकार में मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो अमर पाल सिंह, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तिगण, विवि के फैकल्टी मेम्बर्स, विधायक राजेश्वर सिंह, उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावकगण मौजूद रहे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में इस वर्ष कई छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभिन्न श्रेणियों में मेडल प्राप्त किए। एलएलएम वर्ग में हर्षिता यादव ने गोल्ड मेडल, आकृति श्रीवास्तव ने सिल्वर मेडल और ऋषभ ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

गोंडा जिले में चल रहा है अवैध प्रमाण पत्र बनाने का गिरोह

कुछ पैसों में मिल रही भारत की नागरिकता

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में नए तरह के गिरोह का खुलासा हुआ है। यह गिरोह नेपालियों को भारतीय नागरिकता दे रहा है। नेपाल से लगती भारतीय सीमा एक बार फिर सुरक्षा कारणों से संवेदनशील हुई है। यहां बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर के बाद अब गोंडा में भी फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपालियों को भारतीय नागरिक बनाने का खेल सामने आया है। गिरोह के तार महराजगंज, सिद्धार्थनगर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बलरामपुर से भी जुड़े हैं।

एसटीएफ ने शुक्रवार को जिन पांच जालसाजों को पकड़ा है उन्होंने नागरिकता का पूरा पैकेज तैयार किया था, जिसमें 20 से 25 हजार रुपए में निवास व जन्म प्रमाणपत्र के साथ ही आधार कार्ड और पैनकार्ड भी बनाकर देते थे। इन दस्तावेज की मदद से भारतीय क्षेत्र में जमीन खरीदने से लेकर बैंक खाते भी खुलवाए गए हैं। बीते दिनों नेपाल से लगते प्रदेश के सात जिलों के सीमावर्ती तहसीलों में हुई कुछ रजिस्ट्री में भी इन प्रमाणपत्रों का उपयोग किया गया है।

नेपाल बॉर्डर पर काम कर चुके आईबी अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि बीते माह बहराइच जिले के नेपाल से लगती नानापारा, श्रावस्ती की भिनगा, बलरामपुर की उतरौला और तुलसीपुर के साथ ही सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज, महराजगंज की नौतनवा और निचलौल, लखमीपुर खीरी की पलिया कलां व गोला गोकर्णनाथ तहसील की जांच में भी ऐसे ही फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली नागरिकों के संपत्ति खरीदने का मामला सामने आ चुका है।

उन्होंने बताया कि श्रावस्ती के एक मामले में तो मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। इस बीच शुक्रवार को सामने आए पांच जालसाजों ने फिर बॉर्डर की सुरक्षा व्यवस्था को संवेद-नशील बनाया है। इस मामले में बहराइच और महराजगंज जिला बेहद संवेदनशील हैं।

एसटीएफ ने हरदोई के अहिरौली में ग्राम पंचायत अधिकारी लाल बिहारी पाल निवासी सुभाष नगर भोलाखेड़ा लखनऊ, गोंडा निवासी रवि वर्मा,सोनू वर्मा, बंशराज वर्मा व सत्यरोहन वर्मा।

इनमें फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने का मास्टरमाइंड गोंडा निवासी रवि पहले भी जेल जा चुका है।

एसटीएफ के डीएसपी सुधांशु शेखर ने कहा, आरोपी फर्जी वेबसाइट, सॉफ्टवेयर एवं पोर्टल के माध्यम से जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र बना रहे थे। फर्जी प्रमाणपत्रों का फर्जी बैनामा व वसीयत में लगा रहे थे। पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। जांच का दायरा सीमावर्ती अन्य जिलों तक भी बढ़ाया गया है।

बहराइच नाव हादसे से प्रभावित परिवारों से मिले सीएम योगी

भरथापुर के पीड़ित परिवारों को अन्यत्र बसाया जाएगा

21 करोड़ 55 लाख रुपए स्वीकृत

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में नाव दुर्घटना में अपनों की जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों से रविवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवदेना व्यक्त की। साथ ही पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपए की राहत राशि की चेक सौंपी। सीएम ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और जनप्रतिनिधि उनके साथ खड़े हैं। इससे पहले सीएम योगी ने हवाई सर्वे कर हालात का बारीकी से जायजा लिया।

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक माह के अंदर भरथापुर के पीड़ित परिवारों को विस्थापित किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख की राशि भी स्वीकृत कर दी गयी। इस दौरान अफसरों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित परिवारों को धनराशि, जमीन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि भरथापुर के विस्थापित होने वाले सभी परिवारों को गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर विस्थापित किया जाए।

इसके अलावा बहराइच में भरथापुर जैसे अन्य गांव के लोगों को भी विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाए और विस्थापन के लिए जरूरी बजट को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाए ताकि उन्हे भी जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके।

सीएम योगी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। हमारी सरकार और जनप्रतिनिधि हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि एक माह के अंदर सभी गांववासियों को उनके गांव के नाम पर कॉलोनी को विकसित कर विस्थापित किया जाएगा, जहां पर उन्हे हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके दुख की इस घड़ी में सरकार संवेदना और सहयोग के साथ खड़ी है। इससे पहले सीएम योगी ने क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से बारीकी से घटना की जानकारी हासिल की। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पीड़ित परिवारों समेत गांववासियों के लिए कॉलोनी बनाकर एक माह में व्यवस्थित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सभी आवश्यक सुविधाएं बिजली, पानी, सड़क और आवास सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस प्रक्रिया को एक महीने के अंदर पूरा कर लिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों का पुनर्वास कार्य शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बहराइच में जो लोग घने जंगलों के बीच रहने के लिए मजबूर हैं, उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के भरथापुर में हुए नाव हादसे के बाद रविवार को गांव का हवाई सर्वे किया और एक महीने के अंदर ग्रामीणों को सुरक्षित आबादी के स्थान पर बसाने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 3:00 बजे मोतीपुर डाक बंगला पहुंचे यहां उन्होंने भरथापुर गांव के नाव हादसे के पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलान किया कि एक माह के अंदर भरथापुर गांव के सभी 118 परिवारों के विस्थापन की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

इसके लिए 21.56 करोड़ का बजट जारी कर दिया गया है। गांव के सभी 118 परिवारों को आवास के साथ कृषि योग्य जमीन भी मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा जंगल में बसे अन्य लोगों के भी विस्थापन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सूची बनाकर भेजें, कार्रवाई कर उन्हें भी जंगल से बाहर बसाया जाएगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बोले मुख्य न्यायाधीश

संविधान के कारण लोकतंत्र की नींव मजबूत : गवई

प्रयागराज, 02 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। अनेकता में एकता भारत की आत्मा है। विविधता, सामुदायिक भाईचारा और समानता से ही देश समृद्ध होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कॉलेजियम सिस्टम को सही ठहराते हुए राज्यों एवं केंद्र के बीच शक्ति संतुलन पर भी जोर दिया। मुख्य न्यायाधीश शनिवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कांस्टीट्यूशन एंड कांस्टीट्यूशनलिज्म : द फिलोस्फी ऑफ डॉ. बीआर अंबेडकर विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम के तहत नियुक्तियों में राज्य एवं केंद्र सरकार तथा विभिन्न एजेंसियों के इनपुट शामिल होते हैं और इसके आधार पर ही न्यायमूर्तियों की नियुक्ति होती है। कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है। जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के कारण ही भारतीय संविधान में एकल नागरिकता को स्वीकार किया गया। उनके प्रयासों से ही देश की शक्ति संरचना को तीन चरणों यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में समांतर रूप से विभाजित किया जा सका। सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया। उन्होंने सभी के लिए सुलभ न्याय की अवधारणा को संविधान के जरिए रखा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने प्रयागराज को राजनीति, संस्कृति एवं शिक्षा की त्रिवेणी बताया। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गरिमामयी इतिहास की चर्चा करने के साथ परिसर के माहौल एवं कुलपति के कार्यों की भी सराहना की। विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में संगमनगरी की बड़ी भूमिका रही है। प्रयागराज का साहित्य एवं संस्कृति में खास स्थान है। यहां से कई नामचीन साहित्यकार, कवि एवं शायर निकले हैं। उन्होंने कहा कि इविवि देश के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से है और इस संस्थान से कई प्रमुख लोग निकले हैं। यहां के प्राचीन भवनों को देखकर भी इसकी भव्यता का एहसास होता है। सीजेआई ने मंच से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों का भी जिक्र किया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के जीवन और कार्यों ने वर्तमान भारत की नींव रखी। डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण केवल एक कानूनी दस्तावेज का मसौदा तैयार करने तक सीमित नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व से परिपूर्ण देश के निर्माण का एक नैतिक वादा था। बाबासाहेब के लिए संविधान समाज में व्याप्त असमानता और अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। इससे पहले कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय भाषण में कविता के माध्यम से जस्टिस बीआर गवई के व्यक्तित्व को सबके सामने रखा।

उन्होंने विश्वविद्यालय के गरिमामयी इतिहास को भी सामने रखा। इससे पहले विश्वविद्यालय की 15 यूपी एनसीसी बटालियन ने अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। सेमिनार में मुख्य न्यायाधीश गवई को सम्मानपत्र प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय को शनिवार को तीन नए शैक्षणिक भवन भी मिले। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अन्य अतिथियों संग रसायन विज्ञान एवं केंद्रीय पुस्तकालय के नए भवनों तथा लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण भी किया।

अयोध्या की सरयू नदी में छोड़े जाएंगे कछुए

घाघरा और गंगा में डाले जाएंगे घड़ियाल

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या की सरयू नदी में बड़े पैमाने पर कछुए छोड़े जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इनका देखना शुभ माना जाता है। यूपी का वन्यजीव विभाग अयोध्या में श्रद्धालुओं को कछुओं के दर्शन के खास इंतजाम कर रहा है। डेढ़ साल पहले अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस से तस्करी करके ले जाए जा रहे 29 कछुए प्रजाति के इन कछुओं और घड़ियाल के शावकों को लखनऊ में रखा गया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कछुओं के शावक अब नदी में छोड़े जाने के योग्य हो चुके हैं। इसलिए इन्हें नवंबर माह में ही सरयू नदी में छोड़ दिया जाएगा। जबकि, अभी घड़ियाल के शावकों की लंबाई दो मीटर से कम होने के कारण ये नदी में छोड़े जाने लायक नहीं हुए हैं। कूर्म अवतार भगवान विष्णु का दूसरा अवतार माना जाता है, जिसमें वे कछुए (कूर्म) के रूप में प्रकट हुए थे। यह अवतार समुद्र मंथन की घटना के दौरान लिया गया था, ताकि मंदराचल पर्वत को सहारा दिया जा सके, जो मंथन के लिए मथनी का काम कर रहा था। इस तरह उन्होंने देवताओं को समुद्र से अमृत और अन्य चौदह रत्नों को प्राप्त करने में मदद की। वन विभाग ने घड़ियाल के 53 शावकों को बाराबंकी में घाघरा नदी और 54 को हस्तिनापुर (मेरठ) में गंगा में छोड़ने के आदेश भी दे दिए हैं। घड़ियाल के इन शावकों का जन्म 2023 में हुआ था। इन 107 घड़ियालों को नवंबर से फरवरी के बीच नदियों में छोड़ा जाएगा। कछुओं को नदी में छोड़ने से पहले उनके स्वास्थ्य की भी जांच की जाएगी। इसमें यह देखा जाएगा कि वे अपना भोजन स्वयं जुटाने में सक्षम हैं कि नहीं। कोई बीमारी तो नहीं। यह जांच वन्यजीव चिकित्सक करेंगे।

केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, 02 नवंबर (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय विलियमसन ने यह फैसला अगले टी20 विश्व कप से मात्र चार महीने पहले लिया है, जिससे उनके शानदार 93 मैचों के करियर का अंत हो गया।

विलियमसन न्यूजीलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 33 की औसत से 2575 रन बनाए, जिसमें 18 अर्धशतक और 95 रन का सर्वाधिक स्कोर शामिल है। उन्होंने 2011 में डेब्यू किया था और 75 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें न्यूजीलैंड को दो टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016, 2022) और एक फाइनल (2021) में पहुंचाया।

विलियमसन ने अपने बयान में कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैं इस लंबे सफर के लिए आभारी हूं। अब यह सही समय है — मेरे लिए और टीम के लिए — ताकि अगले चरण की तैयारी स्पष्ट रूप से हो सके। टीम में बहुत प्रतिभा है और मुझे विश्वास है कि मिच सैंटनर शानदार नेतृत्व करेंगे।'

विलियमसन पहले ही न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल कप्तानी मिचेल सैंटनर को सौंप चुके हैं। 2024 टी20 विश्व कप में टीम के शुरुआती बाहर होने के बाद उन्होंने सीमित ओवरों में अपनी भूमिका को सीमित कर लिया था ताकि वे परिवार और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट के बीच संतुलन बना सकें।

हाल ही में वे चोटों और चयनात्मक शेड्यूल के कारण ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई वनडे सीरीज में उन्होंने वापसी की।

उन्होंने संकेत दिया कि वह भविष्य में टेस्ट और वनडे क्रिकेट में अपनी भूमिका को लेकर खुले दिमाग से निर्णय लेंगे।

विलियमसन अब नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से 26 नवंबर से ऑकलैंड के खिलाफ प्लंकेट शील्ड मैच में उतर सकते हैं। उनका अगला बड़ा लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वीनिंक ने विलियमसन की तारीफ करते हुए कहा, 'टी20 प्रारूप में केन का योगदान और नेतृत्व अद्भुत रहा है। उनकी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों ने टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी न्यूजीलैंड क्रिकेट इतिहास की खास पारियों में से एक थी।' वीनिंक ने आगे कहा कि बोर्ड पूरी तरह विलियमसन के फैसले का सम्मान करता है, 'वह हमारे सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। जब भी वे बाकी प्रारूपों से संन्यास लेंगे, वे न्यूजीलैंड क्रिकेट के दिग्गजों में शुमार रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पाक ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीती, मैच के दौरान बुमराह पर आपत्ति जनक टिप्पणी को लेकर विवाद

लाहौर। बाबर आजम 68 और सलमान आगा 33 रनों की अच्छी बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने यहां हुए तीसरे टी20 मैच में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीत ली है। इस मैच में खेल के दौरान पाक खिलाड़ी साहिबजादा फरहान विवादों में आ गये। मैच में कुछ प्रशंसकों ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कही थी। इस दौरान सीमा रेखा के पास फील्डिंग कर रहे फरहान उनको रोकने की जगह ताली बजाने लगे। . यूएई में हुए एशिया कप टी20 के दौरान फरहान ने बुमराह के खिलाफ एक मैच में तीन छक्के लगाये थे। उसके बाद से ही वह घमंड में भरे थे। वहीं जब लोगों ने बुमराह के खिलाफ नारे लगाये तो वह भी हंसने लगे। पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 139 रन ही बना पायी। इसके बाद पाक टीम ने बाबर आजम के 47 गेंदों में 68 रनों और सलमान आगा 33 की सहायता से तीसरे विकेट के लिए 76 रन बनाकर मैच जीता। इस सीरीज का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका ने रावलपिंडी में 55 रनों से जबकि पाक ने लाहौर में दूसरा मैच नौ विकेट से जीता था। साइम अयूब 0 और साहिबजादा फरहान 19 रन ही बना पाये।

न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढ़ी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को भी इस टीम में जबह मिली है। भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए काफी अहम रहेगी। वेस्टइंडीज की टीम जहां खराब दौर से गुजर रही है। वहीं कीव टीम का प्रदर्शन भी पिछले कुछ समय में खराब हुआ है। पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी संन्यास लेने के कारण टी में नहीं होंगे जिसका भी उसे नुकसान होगा। बोर्ड ने कहा कि पांच खिलाड़ी फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्सऔर बेन सीयर्स अभी फिट नहीं है। इसलिए टीम से बाहर हैं। वहीं मैट हेनरी को ब्रेक दिया गया है। फिन के पैर में चोट लगी है जबकि फर्ग्युसन हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। इस खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले फिट होने का भरोसा है। टीम इस प्रकार है मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सीफर्ट (विकेट कीपर), नाथन स्मिथ और ईश सोढ़ी।

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है। आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी की

होबार्ट,02 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। रविवार को होबार्ट में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने सिर्फ 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 मैच में भारत को चार विकेट से हराया था जबकि पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। रविवार को होबार्ट में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने सिर्फ 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके लिए वाशिंगटन सुंदर ने सर्वाधिक 49 रनों की नाबाद पारी खेली।लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 33 रनों की साझेदारी हुई जिसे नाथन एलिस ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज अभिषेक को अपना शिकार बनाया। वह 16 गेंदों में दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद गिल भी एलिस का ही शिकार बन गए और 15 रन बनाकर आउट हुए।भारतीय टीम इस मुकाबले में तीन बदलावों के साथ उतरी थी। संजू सैमसन की जगह जितेश शर्मा, हर्षित राणा की जगह अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला। अर्शदीप और सुंदर ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया। सुंदर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 49 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के निकले। उनके अलावा जितेश शर्मा भी 22 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव 24, तिलक वर्मा 29 और अक्षर पटेल 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मेजबानों के लिए नाथन एलिस ने तीन और मार्कस स्टोइनिस ने एक विकेट झटका।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुरुआती तीन ओवरों में ही दो झटके लग चुके थे। अर्शदीप सिंह ने अपने शुरुआती दो ओवरों में ट्रेविस हेड और जोश इंग्लिस को पवेलियन भेजा। हेड ने छह रन और इंग्लिस ने एक रन बनाए। इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड के बीच तीसरे विकेट के लिए 35 गेंद में 59 रन की साझेदारी हुई।इस साझेदारी को वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। उन्होंने पारी के नौवें ओवर में लगातार दो गेंदों पर दो विकेट झटके। ओवर की दूसरी गेंद पर वरुण ने मार्श को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। मार्श 11 रन बना सके। इसके बाद अगली ही गेंद पर मिचेल ओवेन को क्लीन बोल्ड किया। ओवेन खाता भी नहीं खोल पाए। डेविड ने इस बीच अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने स्टोइनिस के साथ पांचवें विकेट के लिए 27 गेंद में 45 रन की साझेदारी निभाई। डेविड 38 गेंद में आठ चौके और पांच छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर शिवम दुबे का शिकार बने।इसके बाद स्टोइनिस ने मैथ्यू शॉर्ट के साथ छठे विकेट के लिए 39 गेंद में 64 रन की साझेदारी निभाई। स्टोइनिस को अर्शदीप ने आउट किया। वह 39 गेंद में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए। शॉर्ट 15 गेंद में 26 रन और जेवियर बार्टलेट तीन रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप ने तीन विकेट लिए, जबकि वरुण चक्रवर्ती को दो विकेट मिले। दुबे ने एक विकेट लिया।

टी20 सीरीज में हार के बाद भड़के पूर्व क्रिकेटर रमेश, बोले- भारतीय टीम 'म्यूजिकल चेयर' खेल रही

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 सीरीज में भारतीय टीम की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर दूसरे टी20 मैच में बल्लेबाजी क्रम में किए गए बदलावों को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सदगोप्पन रमेश ने टीम मैनेजमेंट पर कड़ी नाराजगी जताई है। रमेश ने कहा कि टीम लगातार अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ 'म्यूजिकल चेयर' खेल रही है, जिससे खिलाड़ियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम केवल 125 रन पर सिमट गई थी, जिसे मेजबान टीम ने चार विकेट से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुद को नंबर चार पर भेजा, जबकि संजू सैमसन को नंबर तीन पर उतारा गया। वहीं, हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले बल्लेबाजी करने भेजा गया। रमेश ने इन फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर टीम ने थोड़ा बेहतर स्कोर करीब 160 से 170 रन बनाए होते तो जीत की संभावना बन सकती थी।

उन्होंने कहा, 'भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव करना बंद करना चाहिए। सूर्यकुमार यादव पिछले मैच में नंबर तीन पर शानदार खेले थे और नॉट आउट भी रहे थे। फिर उन्हें नीचे क्यों भेजा गया संजू सैमसन को भी हर मैच में अलग पोजीशन पर भेजा जा रहा है कभी ओपनिंग, कभी पांचवें नंबर पर और अब तीसरे पर। इससे खिलाड़ियों में अस्थिरता आ रही है और कोई भी अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट नहीं है।'

रमेश ने हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले भेजने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'एक अच्छा कुक को ड्राइवर नहीं बनाया जा सकता, और एक ड्राइवर से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह अच्छा खाना बनाए। इसी तरह, मैनेजमेंट को हर खिलाड़ी की ताकत समझनी चाहिए और उसी भूमिका में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना चाहिए। अगर खिलाड़ी अतिरिक्त कुछ कर सके तो वह बोनस है, लेकिन उनकी मुख्य भूमिका नहीं बदलनी चाहिए।

नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर : अंडर-15 क्वार्टर फाइनल में टॉप सीड आदित्य दास बाहर

इंदौर। मध्य प्रदेश के अभय प्रशाल में चल रही तीसरी यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-15 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में गहन प्रतिस्पर्धा और अप्रत्याशित परिणाम देखने को मिले। इन मुकाबलों में युवा पैडलर्स ने असाधारण जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सबसे बड़ा उलटफेर यूथ बॉयज वर्ग में हुआ, जहाँ पश्चिम बंगाल के आठवीं वरीयता प्राप्त ऋषान चट्टोपाध्याय ने टूर्नामेंट के शीर्ष वरीय और अपने ही राज्य के आदित्य दास को हराकर सभी को अचंभित कर दिया। पहले गेम में पिछड़ने के बाद, ऋषान ने बेहतरीन नियंत्रण और रणनीति का उपयोग किया और यह मुकाबला 7-11, 11-5, 12-10, 11-8 से अपने नाम किया। लड़कों के वर्ग का एक अन्य रोमांचक मुकाबला गुजरात के चौथी वरीयता प्राप्त विवान दवे और हरियाणा के वत्सुल दुलकन के बीच रहा। यह मैच लगभग 50 मिनट तक चला और पाँच गेमों के बाद 11-8, 3-11, 11-8, 10-12, 11-9 के कड़े स्कोर पर समाप्त हुआ। दवे ने अंतिम गेम में अपनी तंत्रिका को शांत रखते हुए जीत सुनिश्चित की। तमिलनाडु की जोड़ी ने शानदार लय दिखाई। आठवें वरीय ऋषान चट्टोपाध्याय का ऐतिहासिक प्रदर्शन; नैशा रेवास्कर का दबदबा बरकरार; सेमीफाइनल लाइन-अप तय के. अक्षय भूषण ने महाराष्ट्र के प्रतीक तुलसानी को 11-7, 11-2, 11-3 से पछाड़कर एकतरफा जीत दर्ज की।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया।

शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

हांगकांग सिक्सर्स 2025 की शुरुआत 7 नवंबर से, पहले दिन क्लासिक प्रतिद्वंद्विता मचाएंगी धूम

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां) ।

हांगकांग सिक्सेस 2025 की शुरुआत 7 नवंबर से हो रही है। प्रतियोगिता के सारे मैच हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट नौ नवंबर तक खेला जाएगा, जिसके सारे मैच हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होंगे। तीन दिनों तक अनोखे छह-ओवर प्रारूप में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

इस टूर्नामेंट में 12 टीमें शामिल हैं, जिन्हें चार पूल में बांटा गया है। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ी इस खेल के सबसे मनोरंजक आयोजनों में से एक के लिए एक साथ आएंगे।

पहले दिन दस मैच खेले जाएंगे, जो क्रिकेट के एक जोशीले सप्ताहांत की शुरुआत करेंगे। इनमें से तीन मुकाबले पहले दिन धूम मचाने के लिए तैयार हैं, जो अपने इतिहास और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए जाने जाते हैं।

भारत बनाम पाकिस्तान (सात नवंबर दोपहर 3:35 बजे हांगकांग समय, दोपहर 1:05 बजे भारतीय समय) भारत और पाकिस्तान मैच हमेशा उच्च तीव्रता वाला होता है। पूल सी में होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे प्रतीक्षित मुकाबलों में से एक है। दिनेश कार्तिक भारत की कप्तानी करेंगे। उनके साथ

स्टुअर्ट बिन्नी होंगे। वहीं अब्बास अफरीदी पाकिस्तानी टीम की कप्तानी करेंगे। यह मुकाबला अपने उत्साही प्रशंसकों के लिए जाना जाता है। शुक्रवार दोपहर जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो प्रशंसक खचाखच भरे स्टेडियम की उम्मीद कर सकते हैं।

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (सात नवंबर दोपहर 2:40 बजे हांगकांग समय, दोपहर 12:10 बजे भारतीय समय) गत विजेता श्रीलंका टीम पूल डी में अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में करेगी। लाहिरू मदुशंका की अगुवाई वाली श्रीलंका पिछले साल ट्रॉफी जीतने के बाद अपने खिताब की रक्षा के लिए मजबूत शुरुआत करना चाहेगी। बांग्लादेश 2024 में सेमीफाइनल में पहुंचा था और इस बार अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान अकबर अली के नेतृत्व में एक कदम और आगे बढ़ने का लक्ष्य रखेगा। दोनों टीमों के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, जो दोनों टीमों के बीच एक कड़े मुकाबले का आधार तैयार करते हैं।

इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया (सात नवंबर शाम 4:30 बजे हांगकांग, दोपहर 2:00 बजे भारतीय समयानुसार) क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विता हांगकांग में देखने को मिलेगी जब पूल बी में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें 2008 के हांगकांग सिक्सेस फ़ाइनल में आमने-सामने हुई थीं, जहां इंग्लैंड विजयी रहा था। इस साल भी उनके बीच मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए बेताब होंगी।

डिजिटल गोल्ड का बढ़ता चलन अब मोबाइल ऐप पर भी चमक रहा सोना

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत में सोना सिर्फ एक निवेश नहीं, बल्कि भावनाओं का प्रतीक है। शादी-ब्याह से लेकर शुभ अवसरों तक, हर घर में कभी न कभी सोना खरीदा गया है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। पारंपरिक ज्वेलरी दुकानों की जगह अब मोबाइल ऐप्स ने ले ली है। पेटीएम, फोनपे और ग्रो जैसे प्लेटफॉर्म अब लोगों को सिर्फ 10 रुपए से 24 कैरेट सोने में निवेश की सुविधा दे रहे हैं। डिजिटल गोल्ड का अर्थ है ऐसा सोना जो ऑनलाइन खरीदा जाता है, लेकिन असल में सुरक्षित वॉल्ट में एमएमटीसी-पीएएमपी या सेफगोल्ड जैसी कंपनियों द्वारा रखा जाता है। यानी आपका सोना मौजूद रहता है, बस वह आपके घर की बजाय सुरक्षित लॉकर में होता है। इसे कभी भी खरीदा या बेचा जा सकता है, और रकम तुरंत बैंक खाते में आ जाती है। इसके मुकाबले फिजिकल गोल्ड अब भी भारतीयों की पहली पसंद है क्योंकि यह हाथ में होता है और जरूरत के समय तुरंत काम आता है। हालांकि, इसमें मेकिंग चार्ज, शुद्धता की जांच और चोरी का खतरा जैसी दिक्कतें भी हैं। वहीं, डिजिटल गोल्ड सुविधाजनक होने के बावजूद अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता और 2 लाख रुपए तक की सीमा रखता है। टैक्स के मामले में दोनों समान हैं, तीन साल के भीतर बेचने पर मुनाफा आपकी इनकम में जुड़ता है, जबकि तीन साल बाद 20 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है। छोटे निवेशकों के लिए डिजिटल गोल्ड एक आसान और सुरक्षित विकल्प बन रहा है। लेकिन जो लोग सोना पहनने या घर में रखने की सोचते हैं, उनके लिए असली सोना ही बेहतर रहेगा। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए सावरेन गोल्ड बांड भी टैक्स-फ्री और भरोसेमंद विकल्प हैं।

डिजिटल गोल्ड अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता

न्यूज ब्रीफ

त्योहारों की रौनक से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.96 हजार ट्रिलियन पहुंचा

नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में बढ़ी खरीदारियों के चलते अक्टूबर माह में भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 हजार ट्रिलियन तक पहुंच गया। यह अब तक के सबसे ऊंचे मासिक संग्रह में से एक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में यह आंकड़ा 1.87 हजार ट्रिलियन था। सरकार के मुताबिक यह उछाल मुख्यत: नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान उपभोग में आई तेजी के कारण रहा। सितंबर 22 से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी, जिनमें रसोई उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन शामिल हैं। यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुई, जिससे उपभोक्ताओं को नई खरीदारी के लिए प्रोत्साहन मिला। घरेलू जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2 फीसदी बढ़कर 1.45 हजार ट्रिलियन रहा, जबकि आयात से राजस्व में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 50,884 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। दर कटौती और बढ़ी खरीदारियों के बीच सरकार को मिला रिकॉर्ड राजस्व रिफंड में तेज वृद्धि के चलते शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 हजार रुपए ट्रिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 0.2 फीसदी अधिक है। हालांकि वृद्धि दर पिछले महीनों के औसत 9 फीसदी से कम रही, परंतु त्योहारों की मांग ने अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान दिखाया है।

नया विक्टोरिस मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। जापान मोबिलिटी शो 2025 में सुजुकी ने अपने कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) इनिशिएटिव का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य भारत में बायोगैस के पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल मोबिलिटी समाधान तैयार करना है। इस पहल के तहत कंपनी ने नया विक्टोरिस मॉडल पेश किया है। यह मॉडल आकार में बड़ा है और सीएनजी/सीबीजी पावरट्रेन के साथ आता है। इसमें गैस टैंक को फ्लोर के नीचे लगाया गया है, जिससे बूट स्पेस बढ़ जाता है। विक्टोरिस सीबीजी की लंबाई 4,360 मिमी, चौड़ाई 1,795 मिमी और ऊंचाई 1,655 मिमी है। सीएनजी और सीबीजी दोनों कम्प्रेस्ड मीथेन गैस हैं, लेकिन उनके स्रोत अलग हैं। जहां सीएनजी एक नॉन-रिन्यूएबल फॉसिल फ्यूल है, वहीं सीबीजी जैविक पदार्थों जैसे कृषि अवशेष, गोबर और कचरे से बनने वाली नवीकरणीय गैस है। इस कारण सीबीजी पर्यावरण के लिए अधिक टिकाऊ और कार्बन-न्यूट्रल विकल्प माना जा रहा है। विक्टोरिस में 1.5-लीटर 4-सिलेंडर के15 इंजन दिया गया है, जिसे बायोगैस के साफ दहन के लिए तकनीकी रूप से अपग्रेड किया गया है। इसके मैनुअल वर्जन का माइलेज 21.18 किमी/लीटर और ऑटोमैटिक वर्जन का 21.06 किमी/लीटर बताया गया है, जबकि ऑल-व्हील-ड्राइव वैरिएंट 19.07 किमी/लीटर देता है।

अक्टूबर में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में बढ़ी खरीदारियों के चलते अक्टूबर माह में भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 हजार ट्रिलियन तक पहुंच गया। यह अब तक के सबसे ऊंचे मासिक संग्रह में से एक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में यह आंकड़ा 1.87 हजार ट्रिलियन था। सरकार के मुताबिक यह उछाल मुख्यत: नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान उपभोग में आई तेजी के कारण रहा। सितंबर 22 से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी, जिनमें रसोई उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन शामिल हैं। यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुई, जिससे उपभोक्ताओं को नई खरीदारी के लिए प्रोत्साहन मिला। घरेलू जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2 फीसदी बढ़कर 1.45 हजार ट्रिलियन रहा, जबकि आयात से राजस्व में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 50,884 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रोजाना हुए 668 मिलियन ट्रांजेक्शन नई त्योहारों की रौनक से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.96 हजार ट्रिलियन पहुंचा दर कटौती और बढ़ी खरीदारियों के बीच सरकार को मिला रिकॉर्ड राजस्व रिफंड में तेज वृद्धि के चलते शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 हजार रुपए ट्रिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 0.2 फीसदी अधिक है। हालांकि वृद्धि दर पिछले महीनों के औसत 9 फीसदी से कम रही, परंतु त्योहारों की मांग ने अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान दिखाया है।

अगले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां)।

सोमवार यानी 3 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच किए गए दो कंपनियों के आईपीओ में भी तीन और चार नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो पांच कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रहे हैं।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 4 नवंबर को स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरंट कंपनी बिलियन ब्रेंस गेराज वेंचर्स का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा।

इसी दिन श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 68 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

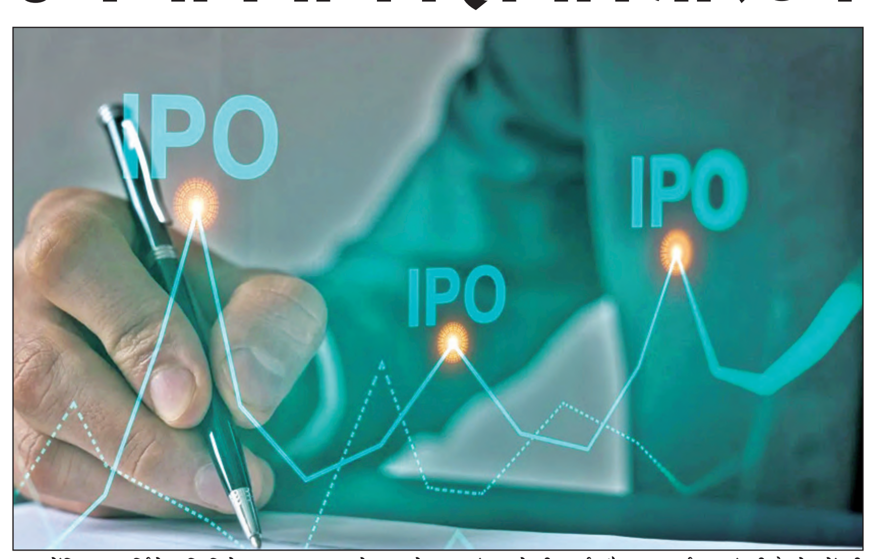

सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 6 नवंबर को फिनबड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का 71.68 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 10 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 140 रुपये से लेकर 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 50.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 11 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 13 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 नवंबर को पाइन लैब्स का का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड और आईपीओ के साइज के संबंध में अभी जानकारी नहीं दी गई है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,080 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 8,23,48,779 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन क्यूरिस लाइफ साइंसेज लिमिटेड का 27.52 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 128 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 21.50 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 30 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए स्टड्स एसेसरीज के 455.49 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 3 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 557 रुपये से लेकर 585 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 77,86,120 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

जुकरबर्ग की संपत्ति में एक ही दिन में 2.4 लाख करोड़ की कमी

नई दिल्ली,02 नवंबर (एजेंसियां)।

फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को बड़ा वित्तीय झटका लगा है। कंपनी के शेयरों में 11 फीसदी की गिरावट आने के बाद जुकरबर्ग की संपत्ति में एक ही दिन में 2.4 लाख करोड़ (लगभग 29.2 अरब डॉलर) की कमी दर्ज की गई। इस गिरावट के साथ ही ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में जुकरबर्ग तीसरे स्थान से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अब उनकी कुल नेटवर्थ 235.2 अरब डॉलर रह गई है, जो पिछले दो वर्षों का सबसे निचला स्तर है। मेटा ने तिमाही नतीजों में 26 फीसदी राजस्व वृद्धि के साथ उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन 32 फीसदी खर्च वृद्धि ने मुनाफे पर असर डाला। कंपनी ने वर्ष 2025 में कुल खर्च 118 अरब डॉलर तक बढ़ाने की घोषणा की है, जिसमें से 72 अरब डॉलर केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा सेंटर्स पर लगाए जाएंगे। निवेशकों को डर है कि यह आक्रामक विस्तार मेटा के मुनाफे को प्रभावित कर सकता है।

धनकुबेरों की लिस्ट में पांचवें पायदान पर खिसके जुकरबर्ग

इसके साथ ही कंपनी द्वारा 30 अरब डॉलर के बॉन्ड्स बेचने की घोषणा ने बाजार की चिंताओं को और गहरा कर दिया। इसे साल 2025 की सबसे बड़ी इन्वेस्टमेंट ग्रेड बॉन्ड सेल माना जा रहा है। हालांकि मेटा का कहना है कि यह फंड भविष्य की तकनीकी परियोजनाओं, खासकर एआई और मेटावर्स के लिए है, लेकिन निवेशकों को इसमें कैश बर्निंग मशीन की झलक दिखाई दी। साल की शुरुआत में जुकरबर्ग के लिए हालात बेहद अच्छे थे, जब मेटा के शेयरों में 28 फीसदी की तेजी ने उनकी संपत्ति में 57 अरब डॉलर जोड़ दिए थे।

मगर अब वही एआई रणनीति, जो भविष्य की तैयारी मानी जा रही थी, निवेशकों को जोखिम भरा कदम लगने लगी है। मेटा के लिए यह समय निवेश और भरोसे के बीच संतुलन साधने की बड़ी चुनौती बन गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पदयात्रा ने ...

प्रधानमंत्री ने राजद के शासनकाल को कट्टा, क्रूरता, कुशासन और भ्रष्टाचार का युग बताया। उन्होंने कहा कि उस दौर में सरकारी कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि का मतलब ज्यादा जबरन वसूली होता था। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने इस स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है और ईमानदारी, पारदर्शिता और जनकल्याण की नीति पर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज़ादी के बाद की सरकारों ने छोटे किसानों की अनदेखी की, लेकिन मोदी सरकार ने उनकी चिंता की। उन्होंने बताया कि बिहार में 2 लाख किसानों के खातों में 650 करोड़ रुपये बिना किसी बिचौलिए के सीधे जमा किए गए हैं।

भारत का...

उन्होंने कहा कि सीएमएस-03 उपग्रह एक बहु-बैंड संचार प्रणाली है, जो भारतीय भूभाग और समुद्री क्षेत्र में 15 वर्षों तक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम है। इस प्रक्षेपण में हमें मौसम संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, फिर भी टीम ने इसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

उन्होंने यह भी बताया कि पहली बार स्वदेशी सी-25 क्रायोजेनिक चरण को पुनः प्रज्वलित कर सफल परीक्षण किया गया।

यह प्रयोग भविष्य में एक ही मिशन में कई उपग्रहों को अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है।

एलवीएम3-एम5 रॉकेट 4,000 किलोग्राम तक के भारी पेलोड को अंतरिक्ष में पहुंचाने में सक्षम है, इसलिए इसे ङ्खबाहुबलीफ नाम दिया गया है।

इस मिशन में उपग्रह को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया गया, जिससे वह भारत के विशाल समुद्री क्षेत्र को कवर करेगा।

एसआईआर ...

दबाव में काम कर रहा है, और बिहार की तरह तमिलनाडु में भी वोटर लिस्ट से अल्पसंख्यकों और विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम हटाने की आशंका जताई गई।

प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का उल्लंघन है जिसमें कहा गया था कि आधार कार्ड को पहचान के लिए 12वां वैकल्पिक दस्तावेज माना जाए, न कि अनिवार्य।

बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि जब तक एसआईआर से जुड़ी सभी कमियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक इस प्रक्रिया को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि, एआईएडीएमके (ओ. पन्नीरसेल्वम गुट), तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) और पट्टाली मक्कल कच्ची ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। इधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी एसआईआर के विरोध में 4 नवंबर को कोलकाता में विशाल मार्च निकालने की घोषणा की है। यह मार्च रेड रोड स्थित बी. आर. आंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर जोरासांको स्थित रवींद्रनाथ टैगोर निवास तक जाएगा।

मुवक्किल के ...

पीठ ने एक अमेरिकी अदालत के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि - वकीलों को परेशान करना सरकार के अधिनायकवादी स्वरूप की ओर बढ़ता कदम है।

अदालत ने कहा कि किसी भी वकील को अपने मुवक्किल से जुड़े कानूनी मामलों या संवाद का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यह विशेषाधिकार कंपनियों, संस्थाओं और फर्मों को दी गई कानूनी सलाह पर भी लागू होगा। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई वकील मुवक्किल के साथ अपराध में सक्रिय रूप से शामिल रहा हो या षड्यंत्र में भागीदार हो, तो उसे छूट नहीं मिलेगी। ऐसे मामलों में, वकील को समन जारी करने से पहले एसपी रैंक से ऊपर के अधिकारी की लिखित अनुमति आवश्यक होगी।

जस्टिस विनोद चंद्रन ने यह भी कहा कि जो वकील किसी कॉर्पोरेट कंपनी में पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में काम करते हैं, वे अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत अधिवक्ता की श्रेणी में नहीं आते, इसलिए उन पर यह विशेषाधिकार लागू नहीं होगा।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि किसी वकील के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाते हैं, तो निचली अदालत की निगरानी में ही जांच की जाए और अपराध से असंबंधित किसी भी मुवक्किल-वकील संवाद का खुलासा न किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यह सुरक्षा व्यवस्था उन गिने-चुने पथभ्रष्ट लोगों की नहीं, बल्कि उस विशाल बहुमत की रक्षा के लिए है जो दिन-रात न्याय व्यवस्था को मजबूत करने में लगा है।

बिहार में ...

शाह ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि जो दल अपने ही अंदर एकता नहीं रख सकते, वे बिहार को कैसे एकजुट रखेंगे। उन्होंने दावा किया कि बिहार की सुरक्षा, विकास और समृद्धि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही संभव है। विपक्ष की मंशा फिर से अपराध, भ्रष्टाचार और कुशासन के उस दौर को लाने की है जिसे बिहार ने पीछे छोड़ दिया है, शाह ने कहा। उन्होंने बिहार की जनता से एनडीए गठबंधन को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि यह गठबंधन विकास, रोजगार और सुरक्षा की गारंटी देता है।

गृह मंत्री शाह ने रैली में बिहार के लिए कई नई परियोजनाओं की घोषणा की कि महुआ में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। 1243 एकड़ में विशाल औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा, जिससे हज़ारों लोगों को रोज़गार मिलेगा। साथ ही, गंगा पर छह लेन का कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल, गांधी सेतु का पुनर्निर्माण, बेतिया-पटना राजमार्ग, गंडक नदी पर पुल, अमाश-दरभंगा एक्सप्रेसवे और वैशाली तक वंदे भारत ट्रेन सेवा जैसी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। अमित शाह ने हाजीपुर को स्वर्गीय रामविलास पासवान की कर्मभूमि बताते हुए कहा कि यह भूमि हमेशा लोकतंत्र और जनसेवा की प्रेरणा देती रही है।

खड़े ट्रक में घुसा...

टेंपो ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए और कई शव सीटों व लोहे के ढांचे में फंस गए।

स्थानीय लोगों और एसडीआरएफ दल ने मौके पर पहुंचकर घायलों व शवों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। फलोदी थाना अधिकारी अमानाराम ने बताया कि मृतक और घायल सभी एक ही इलाके - सूरसागर, जोधपुर - के निवासी थे। ये लोग परिवार सहित कोलायत दर्शन कर लौट रहे थे, तभी हनुमान सागर चौराहे के पास हादसा हुआ।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि टेंपो ट्रैवलर की रफ्तार काफी तेज थी और दृश्यता कम होने के कारण चालक को सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया, जिससे यह हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरा शोक जताया। उन्होंने ङ्गएक्सफ (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा फलोदी के मतोड़ा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

नारी शक्ति ने...

यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चैंपियन खिलाड़ियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, विश्व विजेता महिला क्रिकेट टीम इंडिया को सलाम! यह राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण है, जब हमारी टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम किया है, जिससे भारत का गौरव नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। आपकी शानदार क्रिकेट प्रतिभा ने लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। पूरी टीम को हार्दिक बधाई!

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 03 नवंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेरापंथ की अदालत का आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी आयोजन

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल, हैदराबाद द्वारा तेरापंथ की अदालत कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में किया गया। यह विशेष आयोजन युगप्रधान महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी आदि ठाणा 4 के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी श्री जी के मंगल पाठ से हुआ। इस अवसर पर तेरापंथ प्रोफेशनल फ़ोरम, हैदराबाद के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जी घोषल को प्रथम न्यायाधीश तथा तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती को द्वितीय न्यायाधीश के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम की अनूठी प्रस्तुति में साध्वी श्री जी को प्रतीकात्मक रूप से कटघरे में आमंत्रित किया गया, जहाँ उनसे विविध प्रश्न पूछे गए। साध्वी श्री जी ने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गंभीरता, सहजता और आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ दिया। उनके ज्ञानपूर्ण उत्तरों ने सभागार में उपस्थित साधकों को चिंतन, प्रेरणा और आत्मजागृति की दिशा में अग्रसर किया।

इस अवसर पर महासभा सदस्य लक्ष्मीपत जी बैद, महिला मंडल उपाध्यक्षा सुशीला जी मोदी, तेरापंथ युवक परिषद मंत्री नीरज जी सुराणा, किशोर मंडल प्रभारी अरिहंत जी गुजरानी, अखिल भारतीय तेरापंथ किशोर मंडल सदस्य खुशाल जी भंसाली, जेटीएन प्रभारी मीनाक्षी जी सुराणा सहित सभी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वकील की भूमिका में कार्यक्रम संयोजक ऋषभ चंडालिया एवं रौनक मेहर ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

सत्र के दौरान आचार्य भिक्षु के जीवन, सिद्धांतों एवं प्रेरणाओं से संबंधित विचारोत्तेजक प्रश्न रखे गए, जिनसे पूरा वातावरण ज्ञान, भक्ति और तेरापंथ मर्यादा से ओतप्रोत हो उठा।

उपस्थित श्रावक समाज ने भी साध्वी श्री जी से अपनी जिज्ञासाएँ प्रस्तुत कीं, जिनका उन्होंने सरल, स्पष्ट और गहन शैली में समाधान किया। उनके उत्तरों ने संयम, प्रेरणा और आचार्य भिक्षु की अध्यात्म-परंपरा की गहराई को उजागर किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तेरापंथ दर्शन, अनुशासन और आचार्य भिक्षु के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना था, जो पूर्ण रूप से सफल रहा।

अंत में सभी श्रद्धालुओं ने साध्वी श्री जी के चरणों में भावपूर्ण श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम का समापन तेरापंथ किशोर मंडल, हैदराबाद के संयोजक जय जी पींचा द्वारा आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक आज सिकंदराबाद पान बाज़ार ऑफ़िस में आयोजित की गई। पंकज संघी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रत्येक रविवार यहाँ नियमित रूप से बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें सभी अग्रवाल बंधु अपने-अपने पुत्र एवं पुत्रियों के बायोडाटा का आदान-प्रदान कर पारिवारिक परिचय और वैवाहिक चर्चाओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

आज की बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, पुरुषोत्तम गुप्ता, सत्यनारायण मोदी, अरविंद गोयल, अनिल अग्रवाल, सत्यप्रकाश गोयल, अमिताभ अग्रवाल, महेंद्र सिंगल, मनीष, अंकिता, कांता गोयल, डमी गोयल और संतोष देवी बंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में पारस्परिक संवाद एवं समाज के युवाओं के वैवाहिक जीवन में उचित समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।

एनएमडीसी प्रमुख ने एससीसीएल कार्यक्रम में सतर्कता और नैतिकता पर दिया जोर

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताव मुखर्जी ने कहा कि सतर्कता को संगठनों की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार के साधन के रूप में कार्य करना चाहिए।

हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह में भाग लेते हुए मुखर्जी ने कहा कि कार्य संस्कृति में तभी सुधार होता है जब कर्मचारी निष्पक्षता से अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, यहाँ तक कि पर्यवेक्षण के अभाव में भी।

उन्होंने कहा कि जब निष्ठा और ईमानदारी वाले व्यक्ति आगे बढ़ते हैं, तो वे एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों और अपेक्षित परिणामों के आधार पर समय पर और संतुलित निर्णय लेने में सक्षम नेतृत्व के महत्व पर भी ज़ोर दिया, जो उनके अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुखर्जी ने कहा कि नैतिक मूल्य केवल नियमों के पालन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने सिंगरेनी की विविध विस्तार योजनाओं का विवरण दिया तथा बताया कि कंपनी एनएमडीसी के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय खनन क्षेत्र में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुखर्जी ने प्रस्ताव की सराहना की और कहा कि एनएमडीसी भविष्य में कोयला और अन्य खनन परियोजनाओं में एससीसीएल के साथ सहयोग के अवसर तलाशेगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में सिंगरेनी की पहल की भी सराहना की।

मां के जन्मदिन को राधे राधे ग्रुप ने बनाया अविस्मरणीय : पूनम नाहटा

सेवा, संस्कार और स्नेह से सजी श्रद्धा की अनोखी मिसाल

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास श्रीमती सुशीला बाई जैन नाहटा का जन्मदिन भव्य रूप से मनाया गया।इस अवसर पर श्रीमती सुशीला बाई ने केक काटा और निराश्रितजनों के बीच अन्नदान सेवा की गई। वातावरण सेवा, श्रद्धा और आनंद की भावना से सराबोर रहा।कार्यक्रम में पूनम नाहटा ने भावुक होकर कहा -राधे राधे ग्रुप ने मां के जन्मदिन को सच में यादगार बना दिया, शुक्रिया के भी शब्द नहीं हैं। मां की हमेशा यही इच्छा रहती थी कि उनके जन्मदिन पर जरूरतमंदों को भोजन कराया जाए। आज यह देखकर मन तृप्त और आत्मा संतुष्ट है।उन्होंने आगे कहा कि मां ने हमें हमेशा सिखाया कि जीवन का असली अर्थ सेवा और संस्कार में है। जब किसी के चेहरे पर भोजन पाकर मुस्कान आती है, तो वही सबसे बड़ी पूजा होती है। आज मां के आशीर्वाद से यह कार्य हुआ, यही सबसे बड़ा सौभाग्य है।

पूनम नाहटा ने कहा कि हैदराबाद में सेवा और भक्ति का जो पवित्र मंच हमें मिला - राधे राधे ग्रुप - वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा है। ऐसे कार्य हमें यह सिखाते हैं कि भक्ति केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि दूसरों की सहायता में भी होती है।कार्यक्रम के अंत में नाहटा परिवार की ओर से राधे राधे ग्रुप के संयोजक जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल का सम्मान किया गया।नियमित अन्नदान सेवा में पधारे नाहटा परिवार का स्वागत एवं सम्मान राधे राधे ग्रुप की ओर से किया गया।परिजनों के चेहरों पर प्रसन्नता और कृतज्ञता की झलक थी।अंत में सभी ने सुशीला बाई जैन नाहटा के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल,मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल,मायाराम अग्रवाल, गौरव गोयल, ई-जगन चंपापेट,सुशीला बाई, राजेश, अजय, दीपमाला, रीना, चाणक, अमित आदि उपस्थित थे।

कोकर्मा के तरुण मोर और एकता बंसल मोर हैदराबाद एंटरप्रेन्योरशिप समिट 2025 में सम्मानित

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवीनतम हैदराबाद एंटरप्रेन्योरशिप समिट (एचईएस 2025) में, जहाँ नवाचार और उद्यमशीलता का जश्न मनाया गया, वहाँ कोकर्मा के संस्थापक तरुण मोर और एकता बंसल मोर को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।उन्हें टीआईई हैदराबाद द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन में उद्यमिता को बढ़ावा देने और अपने क्षेत्र में असाधारण विकास प्रदर्शित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार समारोह शहर के सबसे सफल संस्थापकों, निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों की उपस्थिति में हुआ, जो हैदराबाद को भारत के एक प्रमुख नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में उनके प्रयासों को रेखांकित करता है।तरुण मोर और एकता बंसल मोर की कोकर्मा कंपनी को यह सम्मान ऐसे समय में मिला है जब हैदराबाद का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से बढ़ रहा है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना गौ सेवा कमेटी द्वारा

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की अग्रवाल गौ सेवा कमेटी द्वारा रविवार को श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुडा में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अग्रवाल गौ सेवा कमेटी के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सेवा भाव से प्रेरित इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो लारी हरी घास गौमाताओं को अर्पित की गई।

इस पुनीत कार्य में अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा, मोती नगर शाखा तथा गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर के सदस्यों ने तन, मन और धन से सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रमुख सदस्यों में अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजय भालवाले, अशोक जालान, अंकुर बंसल, नन्दा अग्रवाल, लोकेश पित्ती, दिव्या पित्ती, सुनील कुमार संघी, हर्षल पित्ती, दीपा अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, किरण अग्रवाल सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित थे।

सभी सदस्यों ने एक स्वर में गौ सेवा को धर्म, करुणा और संस्कृति का प्रतीक बताते हुए इसे निरंतर रूप से जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

तेरापंथ भवन में वास्तु एवं आभामंडल कार्यशाला सम्पन्न

डॉ. अमरेश मेहता द्वारा प्रश्न-उत्तर एवं लाइव डेमो से प्रतिभागी लाभान्वित

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद एवं संगम फाउंडेशन द्वारा जैन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में वास्तु विज्ञान एवं आभामंडल कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया।यह आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी (ठाणा-4) के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने प्रेरक प्रवचन में विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय को जीवन-सुधार का श्रेष्ठ मार्ग बताते हुए सकारात्मकता, अनुशासन और आत्मिक विकास की दिशा में प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी द्वारा नवकार मंत्र पाठ से हुआ, जिसके पश्चात् तेरापंथ युवक परिषद के सदस्यों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष राहुल गोलछा ने स्वागत भाषण में कहा कि यह कार्यशाला युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती ने तेयुप हैदराबाद को इतना प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित करने हेतु बधाई दी।

कार्यक्रम में साध्वी श्री मेरु प्रभा एवं साध्वी श्री दक्ष प्रभा जी द्वारा मधुर भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए, जिससे वातावरण भावनापूर्ण बन गया।

साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने अपना ओजस्वी वक्तव्य दिया, जबकि उपाध्यक्ष पीयूष बरडिया ने डॉ. अमरेश मेहता का परिचय कराया।

इसी क्रम में साध्वी श्री जी की नातिले द्वारा प्रस्तुत सुरीली गीतिका ने सभी को भावविभोर कर दिया।

मुख्य वक्ता के रूप में विश्वप्रसिद्ध वास्तु एनर्जी डायनमिक्स ऑडिटर एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट डॉ. अमरेश मेहता (अहमदाबाद) उपस्थित रहे।

डॉ. मेहता अब तक 60 से अधिक देशों में वास्तु, अंकज्योतिष और ऊर्जा संतुलन पर कार्य कर चुके हैं तथा 1,500 से अधिक वैश्विक सत्रों के माध्यम से आध्यात्मिकता और विज्ञान के संगम को आधुनिक जीवन के अनुरूप प्रस्तुत किया है।

तीन घंटे चली इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला में डॉ. मेहता ने वास्तु एनर्जी डायनमिक्स, अंक ज्योतिष, आभामंडल और चक्र एनर्जी के वैज्ञानिक आयामों पर मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने लाइव डेमो के माध्यम से दर्शाया कि वातावरण और दिशा-ऊर्जा संतुलन के साथ-साथ मंत्र-स्पंदन द्वारा भी आभामंडल में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष रूप से औरा चेंज की अनुभूति प्राप्त की।

कार्यक्रम में आयोजित प्रश्न-उत्तर सत्र में उपस्थित प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएँ रखीं, जिनका डॉ. मेहता ने सरल, वैज्ञानिक और व्यवहारिक समाधान दिया।

उन्होंने नमोकार मंत्र, उवसग्गहर स्तोत्र और भक्तामर स्तोत्र के ऊर्जा प्रभावशीलता पर आधारित अनुभवजन्य प्रस्तुतियाँ भी दीं।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के उपाध्यक्ष अभिनंदन नाहटा, तेयुप उपाध्यक्ष ललित लूनिया और संगठन मंत्री चेतन मरलेचा की गरिमामय उपस्थिति रही।शुभम् बंबोली ने प्रभावशाली मंच संचालन किया।

आयोजन को सफल बनाने में संगम फाउंडेशन से नीरज सुराणा, जय सिंह सुराणा, तेयुप संयोजक शुभम बंबोली, प्रदीप दुधोरिया, रवि कोठारी एवं तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद की पूरी टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का समापन तेरापंथ युवक परिषद मंत्री श्री नीरज सुराणा द्वारा आभार-प्रस्तुति के साथ किया गया।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता एवं महिला वर्ग खेल का दूसरा चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण एवं महिला वर्ग खेल का आज अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउंड तथा लीजेंड क्रिकेट ग्राउंड कीसरा में दूसरा चरण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आई माताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं महाआरती के पश्चात किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक वाहिनी पाइप्स (हेमराज सैणचा, टुमकुर) तथा ट्रॉफी प्रायोजक बुधाराम और गौतम काग (बीरमगुड़ा) थे।

मैन ऑफ द मैच के प्रायोजक तुलसाराम सिंदड़ा (चिल्कानगर), सीरवी समाज मल्लापुर बडेर अध्यक्ष, टॉस का बॉस प्रायोजक रॉयल गोल्ड पॉट मार्केट (राजूराम, ओमप्रकाश, हापूराम बर्फा), अंपायर प्रायोजक आर एस सिल्वर पॉट मार्केट (घेवरराम, संजय, गोविन्दराम, महेन्द्र, देवेन्द्र) तथा विशेष योगदान जी.पी. एंटरप्राइज़ेस आर.पी. रोड (अशोक पांडे) का रहा। समाज के गणमान्य अतिथियों एवं टीम खिलाड़ियों की उपस्थिति में प्रतियोगिता के दूसरे चरण का शुभारंभ हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेंड्स क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के तहत 24 टीमों के बीच टी-20 मैच रविवार को खेले गए। महिला वर्ग में एथलेटिक्स एवं पारंपरिक दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। उद्घाटन मैच के सी.जी. धम्माईगुड़ा और सिकंदराबाद के बीच खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद टीम 5 विकेट से विजयी रही। राम चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मैच जुबली हिल्स क्लब बनाम सीरवी वारियर्स के बीच हुआ, जिसमें जुबली हिल्स क्लब 11 रन से जीती। मैन ऑफ द मैच-महेन्द्र चौधरी। तीसरा मैच रामनगर रॉयल बनाम नाचाराम स्ट्राइकर के बीच हुआ, जिसमें नाचाराम स्ट्राइकर 3 विकेट से जीती। मैन ऑफ द मैच-नरेश चौधरी। चौथा मैच अलवाल बनाम शादनगर स्ट्राइकर के बीच हुआ, जिसमें अलवाल टीम 3 विकेट से विजयी रही। मैन ऑफ द मैच-राहुल सैणचा।

पाँचवाँ मैच आईजी फ्रेंड्स क्लब व ऑलविन इलेवन के बीच हुआ, जिसमें आईजी फ्रेंड्स क्लब ने 25 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच-सुरेश आगलेचा। छठवाँ मैच टीएमजी टाइटंस व बालनगर के बीच हुआ, जिसमें टीएमजी टाइटंस 27 रनों से जीती। मैन ऑफ द मैच-मुकेश चौधरी। सातवाँ मैच सीरवी टाइगर व अस्टिक मेडचल के बीच हुआ, जिसमें अस्टिक मेडचल 8 विकेट से जीती। मैन ऑफ द मैच-गौतम।

आठवाँ मैच कापरा ग्रेट फाइटर व शमशाबाद के बीच हुआ, जिसमें शमशाबाद की टीम 50 रनों से विजयी रही। मैन ऑफ द मैच-मधुसूदन सीरवी। नौवाँ मैच करमनघाट वारियर व लिंगमपल्ली आर्मी के बीच हुआ, जिसमें करमनघाट वारियर ने 65 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच-मुकेश पंवार। दसवाँ मैच सैनिकपुरी और माताजी इलेवन बीरमगुड़ा के बीच हुआ, जिसमें सैनिकपुरी 48 रनों से विजयी रही। मैन ऑफ द मैच-सुरेश चौधरी।

ग्यारहवाँ मैच शंकरपल्ली ब्लास्टर व एल.बी. नगर के बीच हुआ, जिसमें शंकरपल्ली ब्लास्टर 6 रनों से जीती। मैन ऑफ द मैच-सुरज सीरवी। बारहवाँ मैच सीरवी किंग इलेवन व संगा रेड्डी के बीच हुआ, जिसमें संगा रेड्डी टीम 6 विकेट से विजयी रही। मैन ऑफ द मैच-छोगाराम चौधरी।

महिला वर्ग में लंगड़ी और कबड्डी खेल भी हुए, जिनके विजेता खिलाड़ियों को सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। अवसर पर प्रतियोगिता के सभी प्रायोजक एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

सभी मैचों का सीधा प्रसारण यूट्यूब और एसएसपीएल एप्लिकेशन पर किया जा रहा है। कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा की गई। सफल आयोजन में सीरवी समाज फ्रेंड्स क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोगिता का तीसरा चरण 9 नवंबर, रविवार को आयोजित होगा।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को एकादशी के शुभ अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर रवि अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गय, मीना अग्रवाल एवं ग्रुप के कई कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर रविवार को नियमित अनुदान किया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, गौरव गोयल एवं राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों उपस्थित थे।

शिव मंदिर विंटेज कालोनी बहादुरपूरा में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय सहित अनेक श्रद्धालु और प्रमुख भक्तगण जिनमें रामशिरोमणि तिवारी, सुरेश मिश्रा, विवेक राय, आचार्य गजेन्द्र शुक्ला, पुजारी नागेन्द्र शुक्ला, बेटाराम पाण्डेय आदि ने भाग लिया। इस धार्मिक आयोजन में पूजा-अर्चना और सामूहिक भोग अर्पण के साथ भक्तों ने भगवान शिव की महिमा का संपूर्ण भक्तिभाव से सम्मान किया।

श्रीधाम वृन्दावन में विप्र फाउंडेशन जालना द्वारा श्रीमद् भागवत कथा आयोजित

श्रीधाम वृन्दावन/हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जालना (महाराष्ट्र) स्थित श्रीजी भागवत सेवा समिति और विप्र फाउंडेशन के तत्वावधान में श्रीधाम वृन्दावन की पावन भूमि पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में बड़ी संख्या में भक्तगण भाग ले रहे हैं।कथा के व्यास पीठ पर हैदराबाद के पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली) जी आसीन हैं, जो अपनी मधुर वाणी और ज्ञानवर्धक प्रवचनों से श्रोताओं को भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और भागवत महापुराण के सार से अवगत करा रहे हैं।

आयोजन समिति के अनुसार, यह धार्मिक अनुष्ठान विप्र बंधुओं और सभी धर्मप्रेमियों के लिए आध्यात्मिक उन्नति और सामूहिक सेवा भावना को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कथा स्थल पर उपस्थित भक्तगण श्रद्धापूर्वक भागवत जी की कथा का श्रवण कर रहे हैं और भक्तिमय माहौल में डूबकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

बेगम बाजार बेदरवाड़ी में आयोजित श्री बाबा रामदेवदी का भव्य जागरण सम्पन्न हुआ। जागरण में प्रमुख भजन गायक घनश्याम शर्मा एवं पार्टी सदस्यों ने बाबा के अमृतमयी भजनों की गंगा बहाई। इस अवसर पर स्वजाति बंधु एवं अन्य भक्तों ने भजनों का आनंद लिया।

उत्तम चावल योजना पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं रेवंत रेड्डी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से 'बढ़िया चावल योजना' को रद्द करने की चुनौती दी। उन्होंने यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री द्वारा जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं से किए गए उस कथित बयान पर दी, जिसमें कहा गया था कि यदि वे उपचुनाव में किसी अन्य पार्टी के उम्मीदवार को चुनते हैं, तो सरकार गरीब परिवारों को उचित मूल्य की दुकानों से मिलने वाले मुफ्त चावल सहित कल्याणकारी योजनाओं को रोक देगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि 'बढ़िया चावल योजना' वास्तव में कौन लागू कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह केंद्र सरकार की योजना है, न कि राज्य सरकार की, और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जनता को भ्रमित कर रहे हैं।किशन रेड्डी ने बताया कि केंद्र सरकार देशभर में चावल योजना चला रही है, जिसके तहत प्रति किलो चावल पर 42 रुपये का योगदान केंद्र देता है जबकि राज्य केवल 15 रुपये देता है। बावजूद इसके, राज्य सरकार इसे अपनी योजना के रूप में प्रचारित कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री की धमकी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है।भाजपा नेता ने कहा कि किसी खास पार्टी को वोट न देने पर कल्याणकारी योजनाओं को रोकने की धमकी देना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक मिसाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी धोखे और झूठे वादों के सहारे सत्ता में आई है तथा अब जनता को गुमराह कर रही है।उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने राज्य की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से कमजोर कर दिया है। मुख्यमंत्री के इस आरोप को उन्होंने अस्वीकार किया कि वे हैदराबाद मेट्रो के विस्तार की राह में अड़चन डाल रहे हैं।

किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस, एमआईएम के वोट पाने के लिए भाजपा के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है।उपचुनाव प्रचार के तहत भाजपा ने जुबली हिल्स क्षेत्र में 50 महापदयात्राएँ आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता को कांग्रेस और बीआरएस सरकारों की नाकामियों के बारे में अवगत करा रहे हैं और भाजपा की योजनाओं से क्षेत्रीय विकास का भरोसा दिला रहे हैं।

अखंड हनुमान चालीसा पाठ एवं भव्य अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन दक्षिणमुखी वीर हनुमान मंदिर, सीअर नगर, कोतवालगुड़ा में रविवार को अखंड हनुमान चालीसा पाठ, भजन, श्री हनुमानजी महाराज के श्रृंगार की आरती एवं भव्य अंकुट प्रसादी का आयोजन भक्ति और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ।मंदिर के पुजारी लाला शुक्ला एवं विनीत शुक्ला महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री संकट मोचन हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर द्वारा आयोजित अंकुट महोत्सव इस वर्ष अत्यंत भव्यता के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में अखंड हनुमान चालीसा के पाठ से वातावरण हनुमान जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ आरती में भाग लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने श्री हनुमानजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में पुजारियों द्वारा उपस्थित भक्तों को खजाने का वितरण किया गया।

श्री अयोध्या रामा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सुदर्शन महायज्ञ, श्री राम पट्टाभिषेक एवं अन्नकूट महाप्रसाद कल

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अयोध्या रामा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मंगलवार दि. 4 नवंबर 2025, मंगलवार को सुदर्शन महायज्ञ, श्री राम पट्टाभिषेक एवं अन्नकूट महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6.00 बजे श्री राम पट्टाभिषेक से होगा, जो 9.00 बजे तक चलेगा। इसके उपरांत सुबह 9:30 से दोपहर 1:30 बजे तक सुदर्शन महायज्ञ एवं बालभोग प्रसाद का आयोजन होगा। शाम 5:00 से 7:00 बजे तक सुंदरकांड पारायण तथा रात्रि 7:15 बजे से अन्नकूट महाप्रसाद का शुभारंभ होगा।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में व्यास आश्रम तिरुपति के स्वामी परिपूर्णानंद गिरी जी महाराज, पूज्य आनंदगिरि जी महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिद्धिश जागीरदार, श्री जैन संस्कार वाटिका के ट्रस्टी मुकेश जैन चौहान तथा इनकम टैक्स एडिशनल कमिश्नर पवन कुमार जी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिद्धिश जागीरदार, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला, भाग्यनगर गुजराती ब्रह्म समाज के अध्यक्ष तरुणभाई मेहता, जगन्नाथ मठ पीठाधीश्वर स्वामी अच्युतानंद महाराज, और वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के संयोजक बींगी नरेंद्र गौड़ को जीवदया सनातन धर्म रक्षा अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बीआरएस हर हाइड्रा पीड़ित को न्याय दिलाएगा : केटीआर

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने रविवार, 2 नवंबर को हाइड्रा द्वारा हुए विध्वंस से प्रभावित लोगों को न्याय सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। तेलंगाना भवन में मीडिया के सामने उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हाइड्रा का दुरुपयोग कर गरीब और वंचितों को परेशान करने का आरोप लगाया।केटीआर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को विस्थापित किया गया, बच्चों को भूखा छोड़ा गया और स्कूल की इमारतों को चेतावनी के बिना ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस सरकार न्याय दिलाने के लिए अदालतों, विधानसभा और सड़कों तक लड़ाई लड़ेगी और यदि परिणाम नहीं मिला तो वे सरकार वापस आएंगे और हर हाइड्रा पीड़ित को न्याय दिलाएंगे। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इस बाबत जिम्मेदारी लेने का भी संकल्प जताया।बता दें कि बीआरएस के पिछले दशक के शासन काल में तेलंगाना में कई बड़े विकास कार्य हुए हैं जैसे कि राज्य सचिवालय, टी-हब, डब्ल्यूई-हब, पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर, कई फ्लाईओवर और अंडरपास, जिला कलेक्ट्रेट और लाखों डबल बेडरूम घर। केटीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार को कटघरे में डालते हुए कहा कि कांग्रेस के दो साल के शासन में सिर्फ चुनिंदा विध्वंस हुए हैं, जिसमें गरीबों को निशाना बनाया जा रहा है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की 11वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की ग्यारहवीं बैठक सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। आज की बैठक में पाँच से छह नए बायोडाटा और अभिभावक आए। सभी को उपयुक्त बायोडाटा बताए गए तथा आपसी वार्तालाप करवाया गया।

मीटिंग में चेयरमैन अजय अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, गोविन्द अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, अशोक जिंदल और अशोक अग्रवाल उपस्थित रहे। समिति द्वारा बताया गया कि पिछले सप्ताह में दो संबंध पक्के हुए, जो समाज के लिए हर्ष का विषय है।

सीएम रेवंत ने किया जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा-बीआरएस के फेविकोल बॉन्ड का दावा

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को दावा किया कि भाजपा जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में बीआरएस का समर्थन कर रही है। उनका आरोप है कि यह समर्थन पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा अतीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिए गए समर्थन के बदले में है।

रेड्डी ने दावा किया कि बीआरएस ने तेलंगाना में अपने शासन के दौरान और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी मोदी का समर्थन किया था।

कल रात एर्रागड्डा डिवीजन में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने बीआरएस-भाजपा संबंध को 'फेविकोल बॉन्ड' कहा, और आरोप लगाया कि दोनों दल एक-दूसरे को प्रासंगिक बने रहने में मदद कर रहे हैं।

उन्होंने टिप्पणी की कि भाजपा, बीआरएस की मदद करने के लिए जुबली हिल्स उपचुनाव में अपनी जमानत गंवाने को तैयार है, जो उपचुनाव में भावनाओं की आड़ में वोट बटोरने की कोशिश कर रही है।उन्होंने कहा कि जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी जनार्दन रेड्डी का 2007 में निधन हुआ था, तो बीआरएस ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया था। उन्होंने कहा कि केसीआर ने एक बुरी शक्ति की भूमिका निभाई और झगठ परिवार को तीन घंटे तक बाहर खड़ा कराकर उनका अपमान किया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर पर अपना हमला जारी रखते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार की उपेक्षा के कारण जुबली हिल्स के लोगों को अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

केटीआर पर दस साल तक सत्ता में रहने के बावजूद विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक लोगों की समस्याओं का समाधान न करने पर सवाल उठाते हुए, उन्होंने मौजूदा कांग्रेस शासन के साथ एक तुलना की, जिसमें कहा गया कि उनकी सरकार ने 70,000 से अधिक रिक्त पदों को भरा है।रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार ने राशन कार्ड जारी करने, 200 यूनिट मुफ्त बिजली आपूर्ति, महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा के वादों को पूरा किया है, इसके अलावा अन्य सफलताएं भी हासिल की हैं।

मनूगूर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का बीआरएस कार्यालय पर हमला, फर्नीचर फूंका– तनाव बढ़ा

कोत्तागुडेम, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मनूगूर में रविवार को उस समय भारी तनाव फैल गया जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंडल बीआरएस कार्यालय पर हमला कर दिया और उसमें रखे फर्नीचर में आग लगा दी, जिससे कस्बे में जबरदस्त हंगामा हुआ।

लगभग 1000 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ बीआरएस कार्यालय पहुँची और उन्होंने इठड कार्यकर्ताओं को पीटा, जिसमें दो कार्यकर्ताओं को चोटें आईं और खून बहने लगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस के झंडे फाड़ दिए, झंडे का खंभा हटा दिया, दीवारों को फिर से रंग दिया, कांग्रेस पार्टी के झंडे फहराए, और 'तेलंगाना भवन' नाम को बदलकर 'इंदिरम्मा भवनम्' बताते हुए एक फ्लेक्सी बैनर लगा दिया।

उन्होंने प्लास्टिक की कुर्सियाँ, अलमारी और लकड़ी का फर्नीचर कार्यालय भवन से बाहर फेंक दिया और उन्हें आग के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन कर्मियों को बुलाया, जिन्होंने आग बुझाई। पुलिस घटनास्थल पर पहुँचने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाई।गौरतलब है कि पिनापाका कांग्रेस के नेता इस कार्यालय भवन पर अपना स्वामित्व जता रहे हैं, जिसे तत्कालीन बीआरएस जिला अध्यक्ष रेगा कांता राव ने 2009 में पहली बार कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने जाने पर बनवाया था। यह जमीन एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने पार्टी कार्यालय के लिए दान की थी।2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुने जाने के बाद, जून 2019 में जब कांता राव बीआरएस में शामिल हुए, तो उन्होंने कार्यालय को 'तेलंगाना भवन' में बदल दिया और तब से इसका उपयोग पिनापाका निर्वाचन क्षेत्र के बीआरएस मुख्यालय के रूप में किया जा रहा था। कुछ साल पहले

भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांता राव से कार्यालय भवन कांग्रेस को सौंपने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था।

एक बयान में, कांता राव ने तेलंगाना भवन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह शर्मनाक है कि स्थानीय विधायक पायम वेंकटेश्वरलू और जिले के तीन मंत्रियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बीआरएस पार्टी कार्यालय पर हमला करने के लिए उकसाया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता विकास के लिए धन जारी न होने के कारण जिले के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ बीआरएस पार्टी की लड़ाई को पचा नहीं पा रहे हैं और इसलिए शारीरिक हमलों का सहारा लिया है। कांता राव ने बीआरएस कार्यकर्ताओं से तेलंगाना भवन पर हुए इस हमले के विरोध में सभी मंडल मुख्यालयों पर प्रदर्शन करने की अपील की। वह रविवार शाम को पार्टी कार्यालय में मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर सकते हैं।

केटीआर ने मनूगूर बीआरएस कार्यालय पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मनूगूर में पार्टी कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले और आगजनी की निंदा की। उन्होंने इसे मौजूदा शासन के तहत कानून व्यवस्था का चौंकाने वाला प्रदर्शन बताया।

घटना पर गहरा गुस्सा व्यक्त करते हुए, रामा राव ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से गुंडागर्दी और राजनीतिक हिंसा एक नया चलन बन गई है। उन्होंने कहा, राज्य में गुंडों का शासन हो गया है। गाँवों से लेकर राज्य की राजधानी तक, कांग्रेस के शासन में अराजकता अनियंत्रित रूप से फैल रही है।

हमले की जानकारी मिलते ही, उन्होंने बीआरएस जिला अध्यक्ष रेगा कांता राव से बात की और स्थानीय कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की।

उन्होंने आश्वासन दिया कि 60 लाख बीआरएस परिवार पूरी तरह से मनूगूर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के इन गुंडों और उनकी अराजकता से डरने की जरूरत नहीं है। उनका अहंकार और हिंसा अधिक समय तक नहीं टिकेगी। वह दिन दूर नहीं जब इस अराजकता का अंत होगा, उन्होंने प्रभावित पार्टी सदस्यों से मिलने के लिए जल्द ही मनूगूर का दौरा करने का भी आश्वासन दिया।

घटना के बाद मनूगूर में तनाव को देखते हुए पुलिस ने बीआरएस कार्यालय के आसपास के इलाके में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती कर दी है। संभावित आगे की झड़पों को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। बीआरएस के नेताओं ने भी हमलावरों के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बीआरएस नेताओं ने इस हमले को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। राज्यसभा सांसद वडडीराजु रविचंद्र सहित अन्य बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि चूंकि पूर्व विधायक रेगा कांता राव ने डीएमएफटड़ी फंड के दुरुपयोग पर सवाल उठाए थे, इसलिए जानबूझकर उनकी निजी संपत्ति पर बने कार्यालय को निशाना बनाया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विफल गृह मंत्री बताया और कहा कि बीआरएस ऐसे हमलों से डरने वाली नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय दौरे के लिए शिक्षकों के चयन पर उठे सवाल

मंचेरियाल, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक अंतरराष्ट्रीय अनुभव और शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए कथित रूप से अयोग्य शिक्षकों का चयन करने पर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने तथा वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से पाँच दिवसीय शिक्षक अनुभव और आदान-प्रदान यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाई थी। इस पहल के तहत चार समूहों में लगभग 160 प्रतिभागी अक्टूबर और नवंबर के दौरान सिंगापुर, फ़िनलैंड, वियतनाम और जापान का दौरा कर रहे हैं।प्रत्येक ज़िले को तीन शिक्षकों के चयन के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया गया था, जिसकी अध्यक्षता ज़िला कलेक्टर करते हैं। इस समिति में अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), जिला शिक्षा अधिकारी और एक वरिष्ठ जिला अधिकारी शामिल हैं। नियमों के अनुसार, एक शिक्षक माध्यमिक श्रेणी शिक्षक संवर्ग से और दो विद्यालय सहायक या प्रधानाध्यापक संवर्ग से चयनित किए जाने थे।

कई आवेदकों ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में निर्धारित दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए अयोग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिससे कार्यक्रम की निष्पक्षता पर प्रश्न उठे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाएँगे।

जिला शिक्षा अधिकारी यादैया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित की गई थी और कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति ने योग्य शिक्षकों का ही चयन किया है।

जादू-टोना के आरोप में आसिफाबाद में व्यक्ति की हत्या

आसिफाबाद , 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार रात तिरयानी मंडल के मांगी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले पिट्टागुडा गाँव में कथित रूप से जादू-टोना करने के आरोप में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार को प्रकाश में आई।पुलिस के अनुसार, पीड़ित हनुमंत राव पर एक बहस के बाद सिडाम विनोद नामक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। राव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी पत्नी बोज्जू बाई बीच-बचाव की कोशिश में घायल हो गईं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।राव के परिवार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने विनोद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

चेन्नूर में नगर आयुक्त के निलंबन की मांग बीएमएस यूनियन ने निकाली रैली

चेन्नूर, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीएमएस यूनियन नेताओं ने नगर आयुक्त मुरलीकृष्ण को तत्काल निलंबित करने की मांग करते हुए न्यू बस स्टैंड से नगर निगम कार्यालय तक शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली। यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर आयुक्त मुरलीकृष्ण शहर में सर्दियों के कपड़े बेचने और जीविकोपार्जन के लिए विभिन्न राज्यों से आए छोटे व्यापारियों को आए दिन परेशान करते हैं।

नेताओं के अनुसार, आयुक्त व्यापारियों से मोटी रकम की मांग करते हैं और चेतावनी देते हैं कि भुगतान न करने पर उनके स्टॉल और व्यापारिक उपकरण जेसीबी से हटाकर कूड़ेदान में डाल दिए जाएंगे।

यूनियन ने जिला कलेक्टर से नगर आयुक्त की अनियमितताओं पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच और निलंबन की मांग की है।

निजी बीमा कंपनियों को कल्याणकारी योजनाओं का प्रबंधन न सौंपें : रंजीत कुमार

मंचेरियाल, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीटू के जिला सचिव दुमपाला रंजीत कुमार ने कहा है कि कल्याणकारी योजनाओं का प्रबंधन निजी बीमा कंपनियों को सौंपने वाले सरकारी आदेश संख्या 12 में तत्काल संशोधन किया जाना चाहिए। तंदूर मंडल केंद्र में निर्माण मजदूर संघ की बैठक में उन्होंने यह मांग उठाई।

रंजीत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार को निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों को सरकारी योजनाएं प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने निजी बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य परीक्षण, प्राकृतिक व आकस्मिक मृत्यु पर मुआवज़ा, तथा विकलांगता की वित्तीय सहायता योजनाओं का प्रबंधन सौंपना क्रूरता बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि अन्य सरकारी योजनाओं की अनदेखी करना अनुचित है।

कार्यक्रम में सीटू के पूर्व जिला अध्यक्ष, सहायक सचिव, विभिन्न संगठनों के नेता और मजदूर कार्यकर्ता

मौजूद थे। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार से पुनर्विचार और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा का आग्रह किया।

पिछले अनुभवों और विभिन्न यूनियनों के विरोध से पता चलता है कि निजी बीमा कंपनियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का प्रबंधन सौंपना श्रमिक हितों के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि निजी कंपनियां लाभ के लिए काम करती हैं, जबकि सरकारी योजनाएं सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा होती हैं। इसलिए इस मामले में सरकार द्वारा शीघ्र उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है।

मंचेरियाल में 1.39 करोड़ का धान घोटाला– एक गिरफ्तार, 12 फरार

मंचेरियाल , 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला के जयपुर मंडल के एक धान खरीद केंद्र पर 1.39 करोड़ रुपये के धान घोटाले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। शनिवार को पुलिस ने इस धोखाधड़ी में शामिल एक व्यक्ति थाटीपल्ली साईकुमार को गिरफ्तार किया है, जबकि घोटाले में शामिल 12 अन्य लोग अभी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ने नरसिंहपुर और मद्दुलापल्ली गांवों के धान खरीद केंद्रों में हेराफेरी कर नागरिक आपूर्ति विभाग से गैरकानूनी तरीके से राशि प्राप्त की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक नव स्थापित चावल मिल के मालिकों ने महाराष्ट्र के व्यापारियों के साथ मिलीभगत कर जाली दस्तावेजों के माध्यम से धान खरीद के आंकड़े बढ़ा दिए थे, जिससे 1.39 करोड़ रुपये की धनराशि का गलत तरीके से हेराफेरी की गई।नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की शिकायत पर 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और शेष आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। सतर्कता और टास्क फोर्स के अधिकारियों ने इस बड़े घोटाले की जांच शुरू कर दी है।यह मामला खाद्य पदार्थों की खरीद में भ्रष्टाचार और सरकारी धन की हेराफेरी का गंभीर उदाहरण है, जो सार्वजनिक आर्थिक हितों के लिए खतरनाक माना जा रहा है।

युवाओं को व्यावसायिक गुणों का विकास करने की सलाह : मोटकुपल्ली नरसिम्हुलु

यादगिरिगुट्टा, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री मोटकुपल्ली नरसिम्हुलु ने आज की पीढ़ी के युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक गुणों का विकास करने की सलाह दी।

शनिवार को वे यादगिरिगुट्टा कस्बे में युवाओं द्वारा स्वयं के प्रयासों से स्थापित एक फ्लेक्सी प्रिंटिंग शॉप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने फीता काटकर फ्लेक्सी मशीन का उद्घाटन किया और युवाओं को नौकरी की तलाश में समय व्यर्थ न करने तथा हर अवसर का लाभ उठाकर व्यवसाय में आगे बढ़ने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में यदाद्री जिला स्थानीय निकाय कलेक्टर आपुरी भास्कर राव, भाजपा जिला अध्यक्ष उत्कुरु अशोक गौड़, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, अधिकारियों और पत्रकारों ने हिस्सा लिया। उपस्थित नेताओं ने फ्लेक्सी प्रिंटिंग शॉप के आयोजकों को बधाई देते हुए युवाओं के आत्मनिर्भर बनने और व्यावसायिक कौशल विकसित करने के महत्व पर बल दिया।

यह पहल युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई, जो क्षेत्रीय विकास में योगदान देगा।

मंचेरियाल में भाजपा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन किया

मंचेरियाल , 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा जुबली हिल्स चुनाव प्रचार के दौरान ऑपरेशन सिंदूर और देश के सैनिकों पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर सैनिकों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा की राज्य इकाई के आह्वान पर तंदूर मंडल केंद्र स्थित आईबी सेंटर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने कहा कि रेड्डी की टिप्पणी में देश के उन वीर सैनिकों की सेवा की अवहेलना की गई जो परिवार छोड़कर देश की रक्षा में तैनात हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी से तत्काल माफ़ी मांगने की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि भारतीय सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को वाजिब चेतावनी दी थी।भाजपा नेताओं ने जुबली हिल्स प्रचार अभियान में कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी यह बात कि सरकारी योजनाएं तब ही जारी रहेंगी जब लोग वोट देंगे, उनकी हार का प्रमाण है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दुदापाका भरत कुमार, जिला सचिव रामगौनी महिधर गौड़, अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। भाजपा ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और देश के सैनिकों के सम्मान की रक्षा का संकल्प लिया।

भाजपा और कांग्रेस सरकारें मजदूरों के अधिकारों को कुचल रही हैं : सीटू

मंचेरियाल, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीटू जिला सचिव दुमपाला रंजीत कुमार ने नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य में कांग्रेस सरकार पर मजदूरों के अधिकारों को कुचलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें मजदूरों के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं।

सीटू के तत्वावधान में आगामी 15 और 16 नवंबर को तीसरा जिला सम्मेलन तंदूर मंडल के हमाली कार्यालय में आयोजित किया जाएगा, जिसका पर्चा भी जारी किया गया है। दुमपाला रंजीत कुमार ने श्रम संहिताओं को निवेशकों को लाभ पहुँचाने के लिए लागू करने की तीव्र आलोचना की और चिंता जताई कि राज्य सरकार ने काम के घंटे बढ़ाकर श्रमिकों का शोषण किया है।

उन्होंने श्रम संहिताओं को खत्म करने के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। सम्मेलन में सीटू के पूर्व जिला अध्यक्ष सांके रवि, जिला सहायक सचिव दगम राजाराम एवं विभिन्न श्रमिक नेता शामिल होंगे और श्रम क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करेंगे।

कार्यक्रम में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा बेहतर परिस्थितियों के लिए लंबा संघर्ष जारी रखने की रणनीति बनाई जाएगी।

तेलंगाना सरकार मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा रोकने के लिए कानून में करेगी संशोधन

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, राज्य भर में लगभग 91,827 एकड़ मंदिर की ज़मीन में से लगभग 25,000 एकड़ पर अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया गया है, जबकि अन्य 6,000 एकड़ पड़ोसी राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है।प्रस्तावित संशोधन के तहत अधिनियम की धारा 83 और 84 को हटाया जाएगा, जिसे अधिकारियों ने व्यापक अतिक्रमण से निपटने में अप्रभावी बताया है। सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंदिर की ज़मीनों को अवैध कब्जे और दुरुपयोग से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने का फैसला किया है। सरकार का यह कदम बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमणों पर बढ़ती चिंताओं के बाद आया है, खासकर ग्रेटर हैदराबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में, जहाँ हज़ारों करोड़ की बंदोबस्ती संपत्तियाँ अनाधिकृत कब्ज़े या लंबे समय से लंबित मुकदमों के अधीन हैं।सरकार का लक्ष्य है कि मंदिर और धर्मार्थ संस्थानों से संबंधित सभी ज़मीनों और इमारतों को वापस हासिल किया जाए, भले ही उन पर किसी का भी कब्ज़ा हो। बंदोबस्ती विभाग, पुलिस और क्धउ्ठ-- (हैदराबाद डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी) के समन्वय से, जहाँ भी आवश्यक होगा, बेदखली अभियान चलाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संपत्तियाँ उनके सही संरक्षकों को बहाल की जाएँ।विधायी सुधार के हिस्से के रूप में, सरकार मंदिर की ज़मीनों की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स स्थापित करने की भी योजना बना रही है। अवैध कब्ज़ों की निगरानी, रिपोर्टिंग और कार्रवाई के लिए ज़िला-स्तरीय टीमें बनाई जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए इन समितियों में भूमि प्रबंधन और कानूनी मामलों के विशेषज्ञ नियुक्त किए जा सकते हैं।

इस बीच, सरकार ने भविष्य के अतिक्रमणों को रोकने के लिए मंदिर की संपत्तियों की जियो-टैगिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लगभग 50 प्रतिशत बंदोबस्ती ज़मीनें पहले ही भू भारती डिजिटल रिकॉर्ड सिस्टम में एकीकृत हो चुकी हैं। लंबित कानूनी मुद्दों की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए विवादित संपत्तियों की विस्तृत समीक्षा चल रही है।सूत्रों ने आगे कहा कि सरकार टास्क फोर्स के गठन और कामकाज पर कानूनी और भूमि विशेषज्ञों की राय लेगी। उन्होंने कहा कि अंतिम लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि तेलंगाना में मंदिर की ज़मीन का हर इंच कानूनी रूप से सुरक्षित और कुशलता से प्रबंधित हो।

पोन्नम प्रभाकर ने ईसाई समुदाय को कब्रिस्तान भूमि की मांग पर आश्वासन दिया

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल सोल्स डे रविवार को मनाए जाने की तैयारी के बीच, ईसाई समुदाय सरकार द्वारा लंबे समय से वादा की गई कब्रिस्तान की ज़मीन आवंटित किए जाने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। शहर भर के कब्रिस्तान मृतकों के लिए जगह से भर चुके हैं, जिससे परिवारों को नई कब्रों के लिए मौजूदा कब्रों का पुन: उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पिछले कुछ दशकों में, खासकर पड़ोसी राज्यों से, बड़ी संख्या में शहर में पलायन करने वाले परिवारों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से कठिन है। लंबे समय से बसे हुए इन परिवारों को अब दफन के लिए जगह खोजने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

ऑल सोल्स डे अपने दिवंगत प्रियजनों को याद करने और उनके लिए प्रार्थना करने के लिए मनाया जाता है, जहाँ परिवार उनकी यादों को ताजा करते हैं और युवा पीढ़ियों के साथ उनके बारे में कहानियाँ साझा करते हैं।

इस मुद्दे को उठाने के लिए ईसाई प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मिलने का समय मांगा है। मंत्री ने कहा, उन्होंने मुझसे मिलने का समय मांगा है, और यह सरकार निश्चित रूप से उन्हें हर संभव समर्थन देगी।

कन्नड़ भाषा चर्च के सदस्य बी. सुशील कुमार ने कहा, विशेष रूप से वर्षों पहले यहाँ आए परिवारों के लिए कोई जगह नहीं बची है। हाल ही में, हमारे एक सदस्य का निधन हो गया, और परिवार को दफन की व्यवस्था करने में बेहद मुश्किल समय से गुज़रना पड़ा।

बीरुमगुड़ा के निवासी हर्ष कुमार टाइटस ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, पिछले दिसंबर में मेरी बहन का निधन हो गया था, और हमें दफन की जगह मिलने से पहले चार दिनों तक उनके शरीर को मुर्दाघर में रखना पड़ा। मेरे पादरी और मैं जगह-जगह गए और आ-खिरकार कीसारा में जगह मिल पाई।

शहर के अधिकांश मौजूदा कब्रिस्तान ब्रिटिश और निज़ाम युग के हैं। हैदराबाद क्षेत्रीय सम्मेलन (क्ठउ) के ज़िला अधीक्षक रेव जी.डी. अनिल कुमार, जो प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा, जब भी किसी की मृत्यु होती है, परिवार पहले पादरी से संपर्क करता है। दफन की जगह खोजना एक बड़ी चुनौती बन गया है। हमें उम्मीद है कि यह सरकार अंततः नए कब्रिस्तानों के लिए ज़मीन आवंटित करेगी।

ईसाई नेताओं का कहना है कि तेलंगाना के गठन के बाद से ही समुदाय कब्रिस्तान के लिए ज़मीन का अनुरोध कर रहा है, लेकिन लगातार सरकारों ने केवल कागज़ों पर वादे किए हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार से जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की है, क्योंकि हर साल 'ऑल सोल्स डे' के आसपास यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है।

इस बीच, राज्य ईसाई वित्त निगम के अध्यक्ष दीपक जॉन ने कहा, राज्य भर में आठ पार्सल में 42 एकड़ ज़मीन की पहचान की गई है, और सरकार इन कब्रिस्तानों को विकसित करने के लिए पूरा समर्थन दे रही है। यह जानकारी समुदाय के बीच उम्मीद जगाती है कि उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का जल्द ही समाधान हो सकता है।

केटीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सेना पर टिप्पणी के लिए माफी की मांग की

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से भारतीय सेना पर की गई शर्मनाक और अपमानजनक टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की।यह विवाद तब शुरू हुआ जब रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान अपने भाषण में कहा - जब पाकिस्तान ने हमें लात मारी, तो हम उसका जवाब देने में असफल रहे।इस बयान को भारतीय सेना के साहस और बलिदान को कमतर आंकने वाला बताया जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया हुई।केटीआर ने कहा, मुख्यमंत्री जैसे पद पर आसीन व्यक्ति को इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक टिप्पणियाँ शोभा नहीं देतीं। सिर्फ़

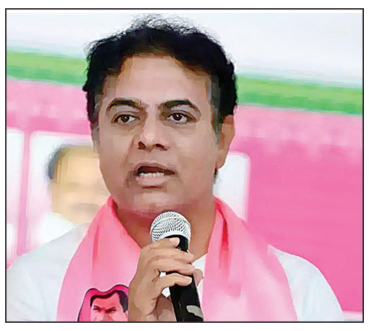

चुनावी लाभ के लिए भारतीय सेना का अपमान करना रेवंत रेड्डी के मानकों के अनुसार भी बेहद निम्न स्तर है।उन्होंने मुख्यमंत्री से अपना बयान वापस लेने और भारतीय सेना से बिना शर्त सार्वजनिक माफ़ी मांगने की मांग की।बीआरएस नेता ने कहा कि सेना में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण, प्रतिबद्धता और देशभक्ति की आवश्यकता होती है।हम राजनीति कर सकते हैं, अपने परिवारों के साथ सुरक्षित रह सकते हैं, क्योंकि हमारे सैनिक सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे हैं, उन्होंने कहा।केटीआर ने आगे पूछा - आपने हमारी सेना को नीचा क्यों दिखाया और पाकिस्तान का महिमामंडन क्यों किया? हमारे बहादुर सैनिकों का अपमान करके आप क्या हासिल करना चाहते हैं?उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों से करोड़ों भारतीयों की भावनाएँ आहत हुई हैं, जो भारतीय सेना को देश की शान मानते हैं।तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में आपका कर्तव्य है कि आप गरिमा और देशभक्ति दिखाएँ, न कि राजनीतिक नौटंकी के लिए सेना का अपमान करें, उन्होंने कहा।इस बीच, भाजपा नेताओं ने भी मुख्यमंत्री की टिप्पणी की निंदा की है और उनसे तत्काल माफी की मांग की है।

विकाराबाद में पारिवारिक विवाद के बाद व्यक्ति ने की तीन की हत्या, खुद भी की आत्महत्या

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में कुलकाचेरला गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक व्यक्ति ने अपने परिवार के तीन सदस्यों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को घटी।पुलिस के अनुसार, 38 वर्षीय वेपुरी यादैया ने अपनी पत्नी अलुवेलु (32), बेटी अपर्णा (13) और साली हनुमम्मा (40) की उस समय कुल्हाड़ी से हत्या कर दी, जब वे सो रही थीं। इसके बाद उसने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।घटना के समय यादैया की बड़ी बेटी अपूर्वा (16) पर भी हमला किया गया, लेकिन वह किसी तरह घर से भाग निकली। उसके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं, फिलहाल उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।स्थानीय लोगों की सूचना पर कुलकाचेरला पुलिस मौके पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला घरेलू विवाद का प्रतीत होता है।जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से यादैया और उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। गाँव और परिवार के बुज़ुर्गों ने दोनों को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन तनाव बना रहा।शनिवार शाम भी उनके बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद यादैया को परिवार और गाँव के लोगों ने उसकी आदतों के लिए फटकार लगाई। इससे नाराज़ होकर उसने रात का खाना नहीं खाया और देर रात यह जघन्य कृत्य कर डाला।अस्पताल में भर्ती अपूर्वा ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने पहले उसकी चाची पर हमला किया, फिर माँ को बचाने की कोशिश करने पर उन पर भी वार किया। बाद में उसने दोनों बेटियों की ओर रुख किया - जहाँ अपर्णा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अपूर्वा घायल अवस्था में बच निकली।

साइबराबाद में नशे में वाहन चलाने पर 466 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत (31 अक्टूबर से 1 नवंबर) के दौरान नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में 466 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।इनमें से - 344 दोपहिया वाहन चालक, 15 तिपहिया वाहन चालक,104 चारपहिया वाहन चालक, और 3 भारी वाहन चालक शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, 415 चालकों के रक्त में अल्कोहल की मात्रा 35 मिलीग्राम से 200 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच पाई गई।

वहीं 31 लोगों में यह स्तर 201 से 300 मिलीग्राम/100 मिली के बीच था, और 20 आरोपियों में अल्कोहल का स्तर 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिली तक पाया गया - जो अत्यधिक खतरनाक माना जाता है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति नशे में गाड़ी चलाते हुए घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 (सदोषपूर्ण हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।इस धारा के तहत अधिकतम 10 वर्ष का कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नशे की हालत में वाहन न चलाएँ और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें।

गुरुकुल छात्रों ने किया प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन, महिला कांस्टेबल पर हमला

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में रविवार को एक गुरुकुल संस्था के छात्रों ने अपने प्रिंसिपल शैलजा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके दौरान एक महिला कांस्टेबल पर छात्रों ने हमला कर दिया।

छात्रों ने मुख्य सड़क पर उतरकर प्रिंसिपल के निलंबन की मांग करते हुए नारेबाजी की। उनके हाथों में तख्तियाँ थीं, जिन पर उन्होंने भ्रष्टाचार बंद करो और प्रिंसिपल को बर्खास्त करो जैसे नारे लिखे थे।

छात्रों का आरोप है कि प्रिंसिपल शैलजा द्वारा मेस के सामान का दुरुपयोग, अनियमितताएँ, और

छात्रों से पैसे वसूले जाने जैसे भ्रष्टाचार के कार्य किए जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची। हालात को नियंत्रित करने की कोशिश में एक महिला कांस्टेबल और छात्रों के बीच झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को रोकने के प्रयास में कांस्टेबल के साथ धक्का-मुक्की हुई, उनके बाल खींचे गए और मारपीट की गई।

पुलिस ने स्थिति को काबू में लिया और छात्रों को परिसर में वापस भेज दिया। फिलहाल, घटना की जांच जारी है, और पुलिस यह पता लगा रही है कि झड़प की शुरुआत किसने की।

प्रशासन ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रिंसिपल के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच भी की जाएगी।

मोइनाबाद क्षेत्र में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

39 फार्महाउसों पर छापा, शराब और हुक्का जब्त

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगा रेड्डी ज़िले के मोइनाबाद के मुदिम्याल और टोलकट्टा गाँवों में शनिवार, 1 नवंबर को पुलिस ने एक साथ 39 फार्महाउसों पर छापेमारी की। इस दौरान कई स्थानों पर शराब सेवन और हुक्का पीने जैसी अवैध गतिविधियाँ पाई गईं।

टोलकट्टा गाँव के अज़ीमुद्दीन फार्महाउस में पुलिस ने जब छापा मारा, तो वहां मौजूद लोगों को अवैध रूप से हुक्का पीते हुए पाया गया। प्रणव विला हिल्स स्थित एक अन्य स्थान से पुलिस ने एक व्हिस्की की बोतल सहित 18 बीयर की बोतलें बरामद कीं।पुलिस ने बताया कि 12 फार्महाउसों में बिना अनुमति के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। इन आयोजनों में तेज़ संगीत और पटाखों के बीच शराब पीते हुए 29 लोगों को पकड़ा गया। सभी के ड्रग टेस्ट कराए गए, हालांकि किसी में भी नशे के तत्व की पुष्टि नहीं हुई।

पटनचेरु में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, तीन घंटे बाद बुझाई गई

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार, 2 नवंबर 2025 को पटनचेरु के रूपा केमिकल फैक्ट्री में शाम 7:33 बजे भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग ने मौके पर 7 दमकल गाड़ियाँ तैनात कीं और तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह काबू में कर लिया गया।अग्निकांड में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग फैक्ट्री में रखे रासायनिक पदार्थों के कारण तेजी से फैली, जिससे आसपास के इलाके में भारी धुआं और गर्मी फैल गई। स्थानीय लोगों और फैक्ट्री कर्मचारियों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को सील कर दिया है और आग लगने के कारणों की जाँच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.